संस्थापक : श्रद्धेय राकेश भारद्वाज | समूह संपादक : रवि भारद्वाज | देहरादून, रविवार 19 अप्रैल 2026 | ₹ 2 | www.actionindialive.com | Facebook.com/actionindialivee

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

एक्शन इंडिया

वर्ष: 17 अंक: 109 पृष्ठ: 08 | RNI : UTTHIN/2009/31653

actionindiaddn@gmail.com | उत्तराखण्ड संस्करण | दिल्ली - हरियाणा - हिमाचल प्रदेश - उत्तराखण्ड - चंडीगढ़

महिला आरक्षण विधेयक पारित न होना सरकार की विफलता नहीं: किरेन रिजिजू।

केंद्र ने महंगाई भत्ता 2% बढ़ाकर 60% किया: 50 लाख केंद्रीय कर्मचारियों और 69 लाख पेंशनर्स को फायदा होगा

टीम एक्शन इंडिया

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने सरकारी कर्मचारियों के महंगाई भत्ते (डीए) और पेंशनभोगियों के महंगाई राहत (डीआर) में 02 प्रतिशत की बढ़ोतरी को शनिवार को मंजूरी दी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में मंत्रिमंडल की बैठक में इस आशय के प्रस्ताव को मंजूरी दी गयी। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने राष्ट्रीय मीडिया सेंटर में आयोजित पत्रकार वार्ता में मंत्रिमंडल के फैसलों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सरकार ने महंगाई के बढ़ते प्रभाव को कम करने के लिए डीए और डीआर की अतिरिक्त किस्त जारी करने की मंजूरी दी है। इसमें मूल वेतन और पेंशन की मौजूदा दर 58 प्रतिशत में 2 प्रतिशत की बढ़ोतरी की गई है। यह वृद्धि एक जनवरी 2026 से प्रभावी मानी जाएगी। इस फैसले से लगभग 50.46 लाख केंद्रीय कर्मचारियों और 68.27 लाख पेंशनभोगियों को सीधा लाभ मिलेगा। डीए और डीआर में इस बढ़ोतरी से सरकारी खजाने पर सालाना 6791.24 करोड़ रुपये का अतिरिक्त बोझ पड़ेगा। यह निर्णय सातवें केंद्रीय वेतन आयोग द्वारा सुझाए गए स्वीकृत फॉर्मूले के अनुरूप है।

केंद्र ने 24,815 करोड़ की दो परियोजनाओं को मंजूरी दी है, जिससे भारतीय रेलवे के मौजूदा नेटवर्क में लगभग 601 किलोमीटर की वृद्धि होगी। इनकी कुल अनुमानित लागत लगभग 24,815 करोड़ रुपये है। सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शनिवार को संवाददाता सम्मेलन में कैबिनेट के फैसलों को जानकारी देते हुए बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में हुई आर्थिक मामलों की कैबिनेट समिति (सीसीईए) की बैठक में रेल मंत्रालय की दो महत्वपूर्ण मल्टीट्रैकिंग परियोजनाओं को मंजूरी दी गई है। इन परियोजनाओं की कुल लागत लगभग 24,815 करोड़ रुपये है और इनके जरिए उत्तर प्रदेश और आंध्र प्रदेश के 15 जिलों में रेल नेटवर्क का बड़ा विस्तार किया जाएगा।

इस पहल से करीब 601

मल्टी-ट्रैकिंग रेलवे परियोजनाओं को दी मंजूरी, उप्र, आंध्र प्रदेश में बढ़ेगी कनेक्टिविटी

केंद्रीय कैबिनेट ने उत्तर प्रदेश और

सौगात

- यह वृद्धि एक जनवरी 2026 से प्रभावी मानी जाएगी। 50.46 लाख केंद्रीय कर्मचारियों को फायदा

आंध्र प्रदेश के 15 जिलों को कवर करने वाली दो मल्टी-ट्रैकिंग रेल

महिला आरक्षण बिल पास नहीं हुआ, माफी मांगता हूं: पीएम मोदी

- विपक्ष ने आधी आबादी का अधिकार छीना, उन्हें इस पाप की सजा मिलेगी
- महिला आरक्षण का विरोध विपक्ष का पाप, कांग्रेस, सपा और टीएमसी-डीएमके को सजा जरूर मिलेगी, कांग्रेस, टीएमसी, डीएमके जैसे विपक्षी दल इस भ्रूणहत्या के गुनहगार हैं: मोदी

देशहित

- आज भारत का हर नागरिक देख रहा है कि कैसे भारत की नारी शक्ति की उड़ान को रोक दिया गया: मोदी

टीम एक्शन इंडिया

नई दिल्ली: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को महिला आरक्षण पर देश को 30 मिनट संबोधित किया। उन्होंने कहा, 'इस बिल में संशोधन नहीं हो पाया। मैं सभी माताओं-बहनों से माफी मांगता हूं।' उन्होंने कहा, 'मेरे लिए देशहित सर्वोपरि है, जब कुछ लोगों के लिए दल हित सबकुछ हो जाता है, दल हित देश हित से बड़ा हो जाता है। तो नारी शक्ति को ही इसका खामियाजा उठाना पड़ता है।' पीएम ने कहा कि कांग्रेस, टीएमसी, डीएमके जैसे विपक्षी दल इस भ्रूणहत्या के गुनहगार हैं। ये देश के संविधान के अपराधी हैं। नारी शक्ति के अपराधी हैं। जिन लोगों ने आधी आबादी का अधिकार छीना, उन्हें इस पाप की सजा मिलेगी। लोकसभा में शुक्रवार को महिला आरक्षण से जुड़ा संविधान (131वां संशोधन) बिल पास नहीं हो सका था। इस बिल में लोकसभा सीटों को 543 से बढ़ाकर 816 करने और महिलाओं को 33% आरक्षण देने का प्रस्ताव था।

विपक्ष हमेशा से कुतर्क गढ़ता है: पीएम मोदी

पीएम ने कहा कि कांग्रेस, सपा, डीएमके और टीएमसी हर बार वही बहाने, वही कुतर्क गढ़ते आए हैं। कोई न कोई तकनीकी पेच फंसाकर ये महिलाओं के अधिकारों पर डाका डालते रहे हैं। देश राजनीति का यह भद्दा पैटर्न बराबर समझ चुका है।

विपक्ष को उसके पाप की सजा जरूर मिलेगी: कल नारी शक्ति वंदन विधेयक का जिन लोगों ने विरोध किया है, उनसे मैं दो टूक कहूंगा कि ये लोग नारी शक्ति को फॉर ग्रांटेड ले रहे हैं। वे ये भूल रहे हैं कि 21वीं सदी की नारी देश की हर घटना पर नजर रख रही है। वह उनकी मंशा भांप रही है और सच्चाई भी भली-भांति जान चुकी है।

पीएम ने कहा- कल हमारे पास संख्याबल नहीं था लेकिन हम हारे नहीं है

पीएम ने कहा- ये लड़ाई सिर्फ एक कानून की नहीं है। उनकी हमेशा निगेटिविटी सामने आ जाती है। देश की बहनें-बेटियां कांग्रेस की मानसिकता का करारा जवाब देकर रहेंगी।

महिलाओं के सपने को कुचल दिया: 'आज भारत का हर नागरिक देख रहा है कि कैसे भारत की नारी शक्ति की उड़ान को रोक दिया गया। उनके सपनों को बेरहमी से कुचल दिया गया।

विपक्ष ने मेजें थपथपाईं : कांग्रेस, डीएमके, टीएमसी और समाजवादी पार्टी जैसे दलों की स्वार्थी राजनीति का नुकसान देश की नारी शक्ति को उठाना पड़ा है। कल देश की करोड़ों महिलाओं की नजर संसद पर थी। देश की नारी शक्ति देख रही थी। मुझे भी ये देखकर बहुत दुख हुआ कि जब ये नारी हित का प्रस्ताव गिरा तो कांग्रेस, डीएमके, टीएमसी, सपा जैसी परिवारवादी पार्टियां खुशी से तालियां बजा रही थीं। महिलाओं से उनके अधिकार छीनकर ये लोग मेजें थपथपा रहे थे।

नारी अपमान नहीं भूलती: कल विपक्ष ने जो भी किया वह केवल टेबल पर थाप नहीं थी। वह नारी के स्वाभिमान पर उसके आत्म सम्मान पर चोट थी। और नारी सब भूल जाती है, अपना अपमान कभी नहीं भूलती। इसलिए संसद में कांग्रेस के उसके सहयोगियों के व्यवहार की कसक, हर नारी के मन में हमेशा रहेगी। देश की नारी जब भी अपने क्षेत्र में इन नेताओं को देखेगी तो वह याद करेगी कि इन्हीं लोगों ने संसद में महिला आरक्षण को रोकने का जश्न मनाया था, खुशियां मनाई थीं।

परिवारवादी पार्टियां डर गईं: ये महिलाएं देश की सेवा करना चाहती है। लेकिन परिवारवादियों के भीतर उनसे असुरक्षा की भावना बैठी है।

परिसीमन के बाद महिलाओं का कद बढ़ता इसलिए उन्होंने बिल का विरोध किया। देश की नारी शक्ति कांग्रेस और उसके साथी दलों के लिए पाप के लिए माफ नहीं करेगी। कांग्रेस और उसके साथी दल परिसीमन पर लगातार झूठ बोल रहे हैं। ये इस बहाने विभाजन की आग को सुलगाना चाहते हैं।

ईरान ने 24 घंटे के भीतर होर्मुज को बंद किया

वॉशिंगटन डीसी: ईरान ने कहा कि अमेरिका से बातचीत के बाद उसने भरोसे में आकर कुछ तेल और माल ले जाने वाले जहाजों को गुजरने दिया था। लेकिन अमेरिका ने अपने वादे नहीं निभाए और नाकेबंदी के बहाने जहाजों के साथ सख्ती की। ईरान ने कहा कि यह सीजफायर डील का उल्लंघन है, इसलिए अब होर्मुज से जहाजों की आवाजाही पूरी तरह सेना के कंट्रोल में होगी। ईरान ने साफ चेतावनी दी है कि जब तक अमेरिका उसके बंदरगाहों पर लगी नाकेबंदी नहीं हटाता, तब तक वह होर्मुज से जहाजों को गुजरने नहीं देगा।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह नई दिल्ली स्थित कर्तव्य भवन-2 में, पश्चिम एशिया की स्थिति पर मंत्रियों के अनौपचारिक समूह की चौथी बैठक की अध्यक्षता करते हुए।

संसद में पारित नहीं हो पाने के लिए शनिवार को कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों की आलोचना की

विपक्षी दल महिला अधिकारों के खिलाफ: भाजपा

टीम एक्शन इंडिया

नई दिल्ली: भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने संविधान संशोधन विधेयक के संसद में पारित नहीं हो पाने के लिए शनिवार को कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों की आलोचना की। परिसीमन को सीटों के पुनर्निर्धारण का अभिन्न अंग बताते हुए उन्होंने कहा कि वर्तमान 543 सीटों पर ही महिला आरक्षण देने से दक्षिण के राज्यों की सीटें घट जाएंगी। पार्टी ने कहा कि कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों ने जहां महिलाओं की राजनीतिक आकांक्षाओं को कुचलने का जश्न मनाया, जबकि भाजपा महिलाओं को उनका अधिकार दिलाने के लिए प्रतिबद्ध है। भाजपा के वरिष्ठ नेता रविशंकर प्रसाद और स्मृति ईरानी ने शनिवार को पार्टी मुख्यालय में संयुक्त पत्रकार वार्ता को संबोधित किया। रविशंकर प्रसाद ने कांग्रेस और उसकी नेता प्रियंका गांधी वाड्रा के बयान पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि महिलाओं को इस्तेमाल की वस्तु बताने वाली भाषा अस्वीकार्य है और इसकी कड़ी निंदा की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि भारत की महिलाएं कोई वस्तु नहीं हैं, बल्कि उन्हें सम्मान और अधिकार मिलना चाहिए। प्रसाद ने महिला आरक्षण और परिसीमन के मुद्दे पर भी कांग्रेस के दावों को खारिज किया। उन्होंने स्पष्ट किया कि संविधान के अनुच्छेद 81(2) के अनुसार लोकसभा सीटों का आवंटन जनसंख्या के आधार पर होता है और बिना परिसीमन के सीटों का पुनर्निर्धारण संभव नहीं है। गृहमंत्री अमित शाह ने संकेत दिया है कि लोकसभा सीटों की संख्या 543 से बढ़ाकर लगभग 850 की जा सकती है, जिससे 33 प्रतिशत आरक्षण प्रभावी ढंग से लागू हो सके।

बिहार विधानसभा का विशेष सत्र 24 अप्रैल को, सम्राट चौधरी साबित करेंगे बहुमत

पटना। बिहार विधानसभा का दूसरा सत्र आगामी 24 अप्रैल 2026 को बुलाया गया है। इस संबंध में विधानसभा सचिवालय ने आधिकारिक अधिसूचना जारी कर दी है। यह सत्र केवल एक दिन का होगा और सुबह 11 बजे विधानसभा परिसर में आयोजित किया जाएगा। राजनीतिक दृष्टि से यह सत्र बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है, क्योंकि नई सरकार को इसी दिन सदन में अपना बहुमत साबित करना होगा। विधानसभा सचिवालय द्वारा जारी आह्वान-पत्र में सभी विधायकों से समय पर सदन में उपस्थित रहने का अनुरोध किया गया है। साथ ही यह स्पष्ट किया गया है कि कार्यवाही निर्धारित समय पर शुरू होगी और सभी सदस्यों की उपस्थिति अनिवार्य है। इस विशेष सत्र में नई सरकार के गठन से जुड़े कई अहम कार्य पूरे किए जाएंगे।

राहुल के घर तक महिला सांसदों का मार्च, पुतला जलाया

टीम एक्शन इंडिया

नई दिल्ली। लोकसभा में संविधान (131वां संशोधन) विधेयक पारित न होने को लेकर एनडीए नेता देशभर में प्रदर्शन कर रहे हैं। दिल्ली की उट रेखा गुप्ता ने महिला सांसदों के साथ राहुल गांधी के घर की ओर मार्च किया। कार्यकर्ताओं ने राहुल का पुतला जलाया। पुलिस ने भीड़ हटाने के लिए वाटर कैनन चलाई। केंद्रीय राज्य मंत्री रक्षा खडसे, भाजपा सांसद बांसुरी स्वराज और कमलजीत सहरावत को हिरासत में लिया है। सरकार शुक्रवार को लोकसभा में संविधान का 131वां संशोधन बिल लाई थी। सरकार इसे पास नहीं करा पाई। यह 54 वोट से गिर गया। इसके जरिए संसद की 543 सीटें बढ़ाकर 850 करने का प्रावधान था। भाजपा सांसद मनोज तिवारी ने कहा- मेरा मन बहुत रो रहा है। कल जब संसद में बिल पास नहीं हो पाया तो आपने पीएम मोदी का चेहरा देखा होगा कि उन्होंने अपने दर्द और आंसुओं को कैसे काबू में रखा।

विपक्ष की एकता से बचा लोकतंत्र: प्रियंका गांधी

टीम एक्शन इंडिया

नई दिल्ली। महिला आरक्षण विधेयक संसद में पारित न होने के बाद सियासी बयानबाजी तेज हो गई है। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने केंद्र सरकार पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि विपक्ष ने लोकतंत्र की रक्षा की है और परिसीमन से जुड़ी साजिश को विफल कर दिया है। कांग्रेस मुख्यालय में शनिवार को आयोजित प्रेस वार्ता में प्रियंका गांधी ने कहा कि केंद्र सरकार ने महिला आरक्षण कानून पर तीन साल तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया और हाल ही में जल्दबाजी में अधिसूचना जारी की। उन्होंने मांग की कि पहले के स्वरूप में महिला आरक्षण बिल को तुरंत लागू किया जाना चाहिए।

उन्होंने कहा, शुक्रवार को लोकतंत्र की बड़ी जीत हुई है।

विपक्ष एकजुट

- विपक्ष ने लोकतंत्र की रक्षा की है और परिसीमन से जुड़ी साजिश को विफल कर दिया है: प्रियंका

केंद्र सरकार ने लोकतंत्र को कमजोर करने और संघीय ढांचे में बदलाव की कोशिश की, जिसे विपक्ष ने मिलकर नाकाम कर दिया। यह संविधान और देश की जीत है।

सीएम सैनी ने सड़क निर्माण से संबंधित विभागों के कार्यों की समीक्षा की

चंडीगढ़: मीडिल ईस्ट में चल रहे युद्ध के कारण तारकोल की कमी व इसकी बढ़ी कीमतों के कारण सड़क निर्माण व मरम्मत के कार्य बाधित न हों, इसके लिए मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने अधिकारियों के अनुरोध पर अगले 6 माह के लिए इंपोर्टिड तारकोल के इस्तेमाल को मंजूरी दी है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी आज हरियाणा सिविल सचिवालय में सड़क निर्माण व रखरखाव से संबंधित विभागों की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने वित्त वर्ष 2025-26 में किए गए सड़क निर्माण कार्यों की प्रगति की जानकारी ली।

ईएसआई अस्पतालों में अनियमितताओं पर सख्त कार्रवाई, दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा: सैनी

टीम एक्शन इंडिया

चंडीगढ़: हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने ईएसआई हेल्थ केयर सिस्टम में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए कड़े निर्देश जारी करते हुए कहा कि किसी भी स्तर पर लापरवाही या भ्रष्टाचार को सहन नहीं किया जाएगा। मुख्यमंत्री शनिवार को हरियाणा सिविल सचिवालय में ईएसआई हेल्थ केयर हरियाणा की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने पानीपत के ईएसआई अस्पताल से जुड़े मामलों पर गंभीर चिंता व्यक्त करते हुए अधिकारियों को निर्देश दिए कि उन छह निजी अस्पतालों को तुरंत डी-पैनल किए जाने की कार्रवाई की जाए, इस पर अमल करते हुए विभाग ने अस्पतालों को नोटिस जारी कर दिया है। इन अस्पतालों ने वर्ष 2020-21 से 2023-24 के दौरान अत्यधिक रेफरल किए थे और रेफरल प्रपत्रों पर चिकित्सकों के हस्ताक्षरों में गड़बड़ी पाई गई। उन्होंने इस पूरे प्रकरण में संलिप्त पानीपत ईएसआई अस्पताल के संबंधित 3 कर्मचारियों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। साथ में ही 5 चिकित्सा अधीक्षकों के खिलाफ भी अनुशासनात्मक कार्रवाई शुरू कर दी है। इस मामले की निष्पक्ष और गहन जांच के लिए एंटी करप्शन ब्यूरो (एसीबी) को जिम्मेदारी सौंपी जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि प्रदेश भर में ईएसआई के पैनल पर शामिल अन्य 133 निजी अस्पतालों के रिकॉर्ड की भी एसीबी द्वारा जांच करवाई जाए, ताकि किसी भी प्रकार की अनियमितता का समय रहते पता लगाया जा सके। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि पानीपत ईएसआई अस्पताल की क्षमता 75 बेड से बढ़ाकर 100 बेड की जाए।

अधिसूचना जारी *हिमाचल प्रदेश: यह स्थगन अस्थायी होगा और राज्य की वित्तीय स्थिति में सुधार होने पर इसे बाद में जारी किया जाएगा*

मुख्यमंत्री सहित मंत्रियों, विधायकों के वेतन का 50 से 20 फीसदी हिस्सा छह महीने के लिए स्थगित

वित्तीय स्थिति

- यह कदम राज्य की वित्तीय स्थिति को ध्यान में रखते हुए संसाधनों के बेहतर प्रबंधन के लिए उठाया गया है

टीम एक्शन इंडिया

शिमला। हिमाचल प्रदेश सरकार ने मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री, मंत्रियों, विधानसभा अध्यक्ष-उपाध्यक्ष और विधायकों के वेतन के एक हिस्से को अगले छह महीनों के लिए अस्थायी रूप से स्थगित करने का निर्णय लागू कर दिया है। इस संबंध में सामान्य प्रशासन विभाग (संसदीय कार्य) ने शनिवार को अधिसूचना जारी कर दी है। यह कदम राज्य की वित्तीय स्थिति को ध्यान में रखते हुए संसाधनों के बेहतर प्रबंधन के लिए उठाया गया बताया गया है। जारी अधिसूचना के अनुसार मुख्यमंत्री के वेतन का 50 प्रतिशत, उपमुख्यमंत्री, मंत्रिपरिषद के सदस्यों, विधानसभा अध्यक्ष और उपाध्यक्ष के वेतन का 30 प्रतिशत तथा विधायकों के वेतन का 20 प्रतिशत हिस्सा अगले छह महीनों के लिए स्थगित रहेगा। सरकार ने स्पष्ट किया है कि यह स्थगन अस्थायी होगा और राज्य की वित्तीय स्थिति में सुधार होने पर इसे बाद में जारी किया जाएगा। अधिसूचना में कहा गया है कि वेतन के देय और स्थगित हिस्से को ई-सैलरी प्रणाली और वेतन पर्चियों में अलग-अलग स्पष्ट रूप से दर्शाया जाएगा, ताकि प्रक्रिया में पारदर्शिता बनी रहे। साथ ही आयकर सहित सभी वैधानिक कटौतियां पहले की तरह पूर्ण वेतन राशि पर ही लागू रहेंगी, जिससे भविष्य में लेखा संबंधी किसी प्रकार की समस्या न आए। हालांकि स्थगित की जाने वाली राशि की गणना कर निर्धारण और अन्य निश्चित कटौतियों के बाद बची राशि के आधार पर की जाएगी।

सरकार ने यह भी स्पष्ट किया है कि जिन जनप्रतिनिधियों के वेतन से हाउस बिल्डिंग एडवांस या मोटर कार एडवांस की किस्तें कट रही हैं, उनके लिए अलग व्यवस्था लागू होगी। ऐसे मामलों में संबंधित जनप्रतिनिधि निर्धारित प्रारूप में ड्रॉइंग एंड डिस्बर्सिंग ऑफिसर को लिखित सहमति दे सकते हैं।

मुख्यमंत्री ने ऋषिकेश से चारधाम यात्रा 2026 का किया शुभारंभ, बोले- यात्रा आत्मिक ऊर्जा का संगम

शुभारंभ

उत्तराखंड की प्रसिद्ध चारधाम यात्रा का विधिवत शुभारंभ शनिवार सुबह हरिद्वार से हो गया।

ऋषिकेश/टीम एक्शन इंडिया
उत्तराखंड की प्रतिष्ठित चारधाम यात्रा 2026 का शनिवार को ऋषिकेश से विधिवत शुभारंभ हुआ। इस अवसर पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने संयुक्त रोटेशन यात्रा व्यवस्था समिति की ओर से आयोजित कार्यक्रम में चारधाम जाने वाली बसों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। उन्होंने देशभर से आए श्रद्धालुओं का स्वागत करते हुए कहा कि चारधाम यात्रा आस्था, साधना और आत्मिक ऊर्जा का संगम है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार का संकल्प है कि चारधाम यात्रा सुगम, सुरक्षित, सुव्यवस्थित और दिव्य हो। उन्होंने श्रद्धालुओं से यात्रा मार्ग और धार्मिक स्थलों पर स्वच्छता बनाए रखने की अपील करते हुए कहा कि देवभूमि की पवित्रता को बनाए रखना सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में राज्य में ग्रीन चारधाम यात्रा और प्लास्टिक मुक्त केदारनाथ धाम का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। साथ ही यात्रा मार्गों पर डस्टबिन की अनिवार्यता और नियमित सफाई व्यवस्था सुनिश्चित की गई है।
मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि ऑल वेदर रोड, दिल्ली-देहरादून इकोनॉमिक कॉरिडोर, रोपवे परियोजनाएं और धामों में पुनर्निर्माण कार्यों से यात्रा सुविधाओं में बड़ा सुधार हुआ है। उन्होंने यात्रियों से स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देने की भी अपील की। मुख्यमंत्री ने यात्रा मार्ग पर श्रद्धालुओं के लिए लगाए गए निशुल्क स्वास्थ्य शिविर का भी स्थलीय निरीक्षण किया।
इस मौके पर कैबिनेट मंत्री सुबोध उनियाल ने कहा कि सरकार यात्रियों की सुविधा और स्वास्थ्य को लेकर पूरी तरह संवेदनशील है। उन्होंने बताया कि केदारनाथ में अस्पताल तैयार है, जबकि बद्रीनाथ में 50 बेड का अस्पताल जून तक तैयार हो जाएगा।
कैबिनेट मंत्री प्रदीप बत्रा ने बताया कि यात्रा मार्गों पर शटल सेवा, हेल्पलाइन और एलईडी स्क्रीन के माध्यम से सूचना व्यवस्था को मजबूत किया गया है।
कार्यक्रम में पूर्व मंत्री प्रेमचंद्र अग्रवाल, मेयर शंभू पासवान सहित कई जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी उपस्थित रहे।

एचएमडी ने राघव को बनाया ब्रांड एंबेसडर

घोषणा

एचएमडी ने आज राघव जुयाल के साथ रोमांचक साझेदारी की घोषणा की।

देहरादून /टीम एक्शन इंडिया
एचएमडी ने आज राघव जुयाल के साथ रोमांचक साझेदारी की घोषणा की। राघव जाने-माने कलाकार (ऑल-राउंड एंटरटेनर) हैं, जो बड़े पर्दे और ओटीटी प्लेटफॉर्म पर कला के अंदाज को निरंतर नया स्वरूप प्रदान कर रहे हैं।
राघव ने नए दौर के अखिल भारतीय स्तर के स्टार के तौर पर, मामूली कलाकार से सांस्कृतिक नायक (कल्चरल आइकॉन) का सफर तय किया है। उनकी यह पहचान उनके बेबाक और लीक से हटकर फैसलों की वजह से बनी है, जो युवा (जेन जी और मिलेनियल) दर्शकों के साथ मजबूती से जुड़ते हैं। अपनी प्रामाणिक पहचान के साथ लोगों से जुड़ने वाले व्यक्तित्व के लिए मशहूर राघव ने युवाओं के साथ मजबूत जुड़ाव बनाया है। उनका अनोखा अंदाज, हाज़िरजवाबी और अपनी अलग पहचान, उस पीढ़ी की सोच को दशार्ती है जो खुद को अपने वास्तविक रूप में पेश करने और मौलिकता को महत्व देती है।
यह गठजोड़ एचएमडी के बेबाक नए अवतार का संकेत है, जो मनोरंजन की दुनिया में राघव के अपने अनूठे अंदाज का प्रतिबिंब है। डांस, टेलीविजन, ओटीटी और मेनस्ट्रीम सिनेमा में सरलता से काम करने से लेकर लीक से हटकर किरदारों के जरिए अपनी अलग पहचान बनाने तक, राघव लगातार आगे बढ़ने की उस भावना के प्रतीक हैं जो एचएमडी के उस दृष्टिकोण से मेल खाती है। कंपनी इस दृष्टिकोण के तहत नवीनतम टेक्नोलॉजी के जरिए और किफायती कीमत पर स्मार्टफोन नवोन्मेष को नए सिरे से परिभाषित करना चाहती है।
उनका सहज, प्रमाणिक अंदाज और बहुमुखी रचनात्मक प्रतिभा उन्हें ऐसे ब्रांड के लिए उपयुक्त विकल्प के रूप में पेश करती है, जो सभी के लिए सुलभ और मानव-केंद्रित नवोन्मेष को बढ़ावा देता है।
राघव इस ब्रांड की बहु-प्रतीक्षित स्मार्टफोन सीरीज के ब्रांड एंबेसडर बने हैं। वे ओओएच बिलबोर्ड, प्रिंट मीडिया, सोशल मीडिया पर डिजिटल अभियान, वीडियो प्लेटफॉर्म और इन्फ्लुएंसर नेटवर्क पर अभियान की अगुवाई करेंगे, और हर जगह अपनी खास ऊर्जा और अंदाज का जादू बिखेरेंगे।

हरिद्वार से चारधाम यात्रा के लिए पहले जत्थे में 250 श्रद्धालु रवाना

हरिद्वारः उत्तराखंड की प्रसिद्ध चारधाम यात्रा का विधिवत आगाज शनिवार सुबह हरिद्वार से हो गया। धर्मनगरी के माया देवी मंदिर परिसर से करीब 250 श्रद्धालुओं का पहला जत्था पूजा-अर्चना और विधि-विधान के साथ रवाना हुआ। श्रद्धालुओं ने जयकारों के बीच अपनी यात्रा शुरू की, जिससे पूरा माहौल भक्तिमय हो गया। हरिद्वार टूर ऑपरेटर्स एंड ट्रैवल एसोसिएशन के अनुसार, शहर से करीब 1000 वाहन चारधाम यात्रा के लिए रवाना हुए हैं।विभिन्न राज्यों गुजरात, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश से आए श्रद्धालु इस यात्रा में शामिल हुए हैं।

लालकुआं के पास सड़क हादसा, एक महिला की मौत, आठ घायल

जोरदार भिड़ंत

अव्यवस्थित कट पर शनिवार सुबह ऑटो और नेक्सॉन कार की जोरदार भिड़ंत हो गई।

हल्द्वानी/टीम एक्शन इंडिया
जनपद नैनीताल के लालकुआं क्षेत्र के पास राष्ट्रीय राजमार्ग पर स्थित आईओसी डिपो के सामने बने अव्यवस्थित कट पर शनिवार सुबह ऑटो और नेक्सॉन कार की जोरदार भिड़ंत हो गई। टक्कर के बाद ऑटो अनियंत्रित होकर पलट गया। हादसे में एक महिला की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक ही परिवार के आठ लोग गंभीर रूप से घायल हो गए।
जानकारी के अनुसार, लाइन नंबर 10 आजाद नगर बनभूलपुरा, हल्द्वानी निवासी शोएब अपने भाई शाहरुख और अन्य परिजनों के साथ ऑटो (संख्या यूके 04 टीबी 2641) से लालकुआं की ओर जा रहे थे। आईओसी डिपो के सामने हाईवे पर बने कट को पार करते समय नेक्सॉन कार (संख्या यूके 04 एएन 4247) से ऑटो की जोरदार टक्कर हो गई।
टक्कर इतनी भीषण थी कि ऑटो पलट गया और मौके पर अफरा-तफरी मच गई। ऑटो में चार बच्चों सहित कुल नौ लोग सवार थे। दुर्घटना में गफूर बस्ती निवासी रोजी (28 वर्ष), पत्नी शाहरुख की मौके पर ही मौत हो गई।
हादसे में शाहरुख (35 वर्ष), उनके चार बच्चे अरहान (10 वर्ष), अर्श (8 वर्ष), उजैर (4 वर्ष) और मन्नत (4 माह), साथ ही ऑटो चालक शोएब, रफीक (45 वर्ष) और मेहरू बी अंसारी (14 वर्ष) गंभीर रूप से घायल हो गए।
सूचना पर हल्दूचौड़ चौकी प्रभारी शंकर सिंह नयाल के नेतृत्व में पुलिस टीम मौके पर पहुंची और सभी घायलों को तत्काल उपचार के लिए हल्द्वानी के अस्पताल भेजा गया।
स्थानीय लोगों ने राष्ट्रीय राजमार्ग पर बने अव्यवस्थित कटों को हादसों का प्रमुख कारण बताते हुए प्रशासन से इन्हें जल्द व्यवस्थित करने की मांग की है।

न्यूज फ्लैश

ओप्पो इंडिया ने मिड-रेंज में सेल्फी चैंपियन एफ33 सीरीज लॉन्च की

देहरादून । आज ओप्पो इंडिया ने भारत में ओप्पो एफ33 सीरीज लॉन्च की है, जिसमें दो स्मार्टफोन, ओप्पो एफ33 प्रो 5जी और ओप्पो एफ33 5जी शामिल हैं। एफ 33 सीरीज ओप्पो की एफ लाईन में अभी तक की सबसे आधुनिक सीरीज है, जिसमें सेगमेंट में सबसे बेहतर 50 मेगापिक्सल का अल्ट्रा-वाईड सेल्फी कैमरा, आईपी69के ड्यूरेबिलिटी, 7,000 एम.ए.एच की जबरदस्त बैटरी, कलरओएस16 और 5जीप्लसप्लस कनेक्टिविटी दी गई है।
ओप्पो इंडिया के हेड ऑफ कम्युनिकेशंस, गोल्डी पटनायक ने बताया कि एफ सीरीज भारत की सबसे ड्यूरेबल चैंपियन है। यह स्मार्टफोन जीवन की वास्तविक परिस्थितियों के लिए बनाया गया है। एफ33 सीरीज में हमने इसी विरासत को आगे बढ़ाते हुए 100 डिग्री एफ.ओ.वी (फील्ड ऑफ व्यू) के साथ 50 मेगापिक्सल का अल्ट्रा-वाईड सेल्फी कैमरा और कई ए.आई इमेजिंग फीचर्स दिए हैं। हमारी कोशिश है कि ड्यूरेबिलिटी और शानदार फोटोग्राफी के लिए ग्राहकों को महंगी कीमत न चुकानी पड़े। ग्राहकों को मॉनसून की ट्रैकिंग पर जाने की ड्यूरेबिलिटी और ग्रुप में हर व्यक्ति को सेल्फी में कैप्चर करने जैसी खूबियाँ एक ही स्मार्टफोन में मिल सकें। एफ33 हमारे इस वादे को पूरा करता है और भारत की मोबाईल-फर्स्ट पीढ़ी को वो सभी खूबियाँ प्रदान करता है, जिनके वो हकदार हैं।
0.6एक्स तक के स्मार्ट ऑटो-स्विच के साथ सेगमेंट का सबसे बेहतर सेल्फी कैमरा : ओप्पो की सेल्फी चैंपियन एफ33 सीरीज में 100 डिग्री फील्ड ऑफ व्यू के साथ 50 मेगापिक्सल का अल्ट्रा-वाईड फ्रंट कैमरा है। यह अपने सेगमेंट में सबसे बड़े स्पेस को कैप्चर करने वाला और सबसे ज्यादा रिजॉल्यूशन वाला कैमरा है। इसमें ई.आई.एस, ऑटोफोकस और जीसी50एफ6 सेंसर (एफ/2.0, 18 मिमी फोकल लैंथ, 5पी लेंस) जैसी खूबियाँ दी गई हैं। यह पिछली जनरेशन की फ्रेमिंग की तुलना में एक मीटर की दूरी से लगभग 30 प्रतिशत ज्यादा क्षेत्र को कैप्चर करता है। इसलिए सेल्फी में और ज्यादा लोग, और अधिक कॉन्टैक्स्ट तथा ज्यादा मूमेंट आ सकते हैं, और किसी चेहरे को भी क्रॉप करने की जरूरत नहीं पड़ती है। एफ33 प्रो की कैमरा इंटैलिजेंस रिजॉल्यूशन से भी बढ़कर है। ओप्पो का ए.आई ग्रुपफी एक्सपर्ट फ्रेम में दो चेहरों का प्रवेश होते ही ऑटोमैटिक 0.6एक्स तक चौड़ा हो जाता है। इसके लिए न तो टैप करने की जरूरत पड़ती है, न ही ऐप टटोलना पड़ता है और न ही कोई मूमेंट चूकता है। फेस डिस्टॉर्शन करेक्शन एलगोरिद्म एक साथ छः सब्जेक्ट्स तक को ट्रैक कर सकती है, जिससे 100 डिग्री के फील्ड ऑफ व्यू तक किनारों पर प्राकृतिक अनुपात बने रहते हैं। इसलिए इस स्मार्टफोन से ग्रुप सेल्फी लेना बहुत आसान है, फिर चाहे आप जयपुर में रूफटॉप पर होंया फिर कूर्ग के विशाल व्यूपॉईंट में सेल्फी ले रहे हों। फ्रंट कैमरा सिस्टम के चारों ओर कलरफुल फ्रंट फिल लाईट दी गई है। व्हाईट फ्लैश की जगह दिए गए इस मल्टी-कलर फ्लैश से सॉफ्ट, स्किन-टोन-फ्रेंडली इल्युमिनेशन प्राप्त होता है, जो कम रोशनी में, जब अन्य कैमरा दिक्कत देने लगते हैं, तब भी बेहतरीन सेल्फी प्रदान करता है। इस कैमरा सिस्टम से मिली सेल्फी फ्लैश की हुई नहीं, बल्कि बिल्कुल प्राकृतिक दिखाई देती हैं।

जलती लकड़ी से युवक की पिटाई, वीडियो वायरल

हरिद्वार/टीम एक्शन इंडिया
जनपद हरिद्वार के पिरान कलियर क्षेत्र से मारपीट की एक सनसनीखेज घटना सामने आई है। विश्व प्रसिद्ध दरगाह हजरत साबिर साहब परिसर के पास एक लंगर संचालक की ओर से एक युवक की जलती लकड़ी से पिटाई किए जाने का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। घटना के बाद क्षेत्र में अफरा-तफरी का माहौल बन गया।
जानकारी के अनुसार, दरगाह क्षेत्र में बड़ी संख्या में जायरीन पहुंचते हैं, जहां लंगर की व्यवस्था भी संचालित होती है। इसी दौरान लंगर क्षेत्र में एक दुकानदार और एक युवक के बीच किसी बात को लेकर विवाद हो गया। विवाद बढ़ने पर आरोप है कि दुकानदार ने जलती हुई लकड़ी से युवक पर हमला कर दिया और उसे बेरहमी से पीट दिया। वायरल वीडियो में आरोपी युवक को पिटाई करते हुए दिखाई दे रहा है। मौके पर मौजूद कुछ लोगों को यह कहते हुए सुना जा रहा है कि युवक मोबाइल चोरी करने का प्रयास कर रहा था, हालांकि इस आरोप की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

राहु पैठाणी मंदिर में आस्था और तकनीक का संगम

टीम एक्शन इंडिया
पौड़ी गढ़वाल । देवभूमि उत्तराखंड के पौड़ी जनपद के पैठाणी गाँव में स्थित प्राचीन राहु पैठाणी मंदिर ने आस्था और आधुनिक तकनीक के समन्वय से एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है। 'श्री मंदिर' ऐप के साथ अपनी डिजिटल यात्रा शुरू करने के बाद से अब तक इस पावन मंदिर में 4 लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने पूजाएं और चढ़ावा अनुष्ठान सफलतापूर्वक संपन्न कराए हैं। यह पहल न केवल भक्तों की श्रद्धा को सुलभ बना रही है, बल्कि इस सुदूर पर्वतीय क्षेत्र में स्थित प्राचीन मंदिर की महिमा को वैश्विक मानचित्र पर नई ऊंचाइयों पर ले जा रही है।
श्री मंदिर ऐपः तकनीक और श्रद्धा का संगमश्री मंदिर ऐप वर्तमान में दुनिया का सबसे बड़ा और विश्वसनीय हिंदू भक्ति ऐप है, जो तकनीक और श्रद्धा का अद्भुत संगम प्रस्तुत करता है। यह प्लेटफॉर्म दुनिया के किसी भी कोने में बैठे भक्तों को भारत के मंदिरों से जोड़ता है, जहाँ पर भक्त ऑनलाइन पूजा और चढ़ावा सेवाओं का लाभ प्राप्त कर सकते हैं। विशेष रूप से, यह पहल उन दिव्यांगजनों और बुजुर्गों के लिए एक 'ईश्वरीय वरदान' साबित हुई है, जो शारीरिक अक्षमता या स्वास्थ्य कारणों से मंदिर तक की यात्रा करने में असमर्थ हैं।
मंदिर में विधिवत पूजा संपन्न की जाती है, उसकी वीडियो रिकॉर्डिंग की जाती है और उसे ऐप पर श्रद्धालु तक पहुँचाया जाता है। यह पूरी प्रक्रिया न केवल सुविधा प्रदान करती है, बल्कि एक विश्वास का आधार भी बनाती है कि उनकी पूजा पूर्ण श्रद्धा और विधि-विधान से संपन्न हुई है। वर्तमान समय में इस ऐप के विश्वभर में 3 करोड़ से अधिक उपयोगकर्ता हैं। श्री मंदिर ऐप से मिली श्रद्धालुओं की आस्था से हुआ मंदिर का जीर्णोद्धार
श्री मंदिर ऐप के माध्यम से की जाने वाली पूजा एवं चढ़ावा सेवाएं राहु पैठाणी मंदिर के भौतिक विकास में भी महत्वपूर्ण और सार्थक योगदान दे रही हैं, जिससे मंदिर का जीर्णोद्धार सफलतापूर्वक सम्पन्न कराया गया है, जिसमें मंदिर हॉल में सीमेंट कार्य, रंगाई-पुताई, रेत बदली एवं श्रम शुल्क सम्मिलित हैं। यह कार्य इस पर्वतीय मंदिर की भव्यता को पुनर्स्थापित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। मंदिर के भविष्य को और अधिक सुदृढ़ करने हेतु सरकार द्वारा भी विकास कार्यों को स्वीकृति प्रदान की गई है, जिनके नवंबर तक पूर्ण होने की संभावना है।
राहु मंदिर समिति, पैठानी के अध्यक्ष विनोद सिंह रावत ने कहा, श्री मंदिर ऐप के साथ जुड़ने के बाद हमारे मंदिर में देश-विदेश से लाखों श्रद्धालु जुड़े हैं। यह हमारे लिए अत्यंत गर्व का विषय है कि एक छोटे से गाँव में स्थित यह प्राचीन मंदिर आज वैश्विक स्तर पर पहचाना जा रहा है। इस पहल से न केवल श्रद्धालुओं को सुविधा मिली है, बल्कि मंदिर के विकास कार्यों को भी नई गति मिली है।

ग्राम सभा की भूमि पर राजनीति बर्दाश्त नहीं :चंदोला

पौड़ी गढ़वाल, 18 अप्रैल (हि.स.)। शहर में ग्राम सभा की दान की गई भूमि पर संघ भवन निर्माण की चचार्एं सामने आने पर पौड़ी बचाओ संघर्ष समिति ने कड़ा विरोध जताया है। समिति के संयोजक नमन चंदोला ने कहा है कि ग्राम सभा की दान की गई भूमि का उपयोग केवल लोक कल्याणकारी कार्यों के लिए होना चाहिए, न कि किसी भी प्रकार की राजनीतिक गतिविधियों या स्वार्थपूर्ण उद्देश्यों के लिए।
कहा कि यदि कर्मचारियों के लिए संघ भवन वास्तव में आवश्यक है, तो पिछले 25 वर्षों में कर्मचारी नेताओं ने इस दिशा में कोई ठोस पहल क्यों नहीं की।

देहरादून में सड़क हादसा, ट्रक में फंसे व्यक्ति को रेस्क्यू कर बचाया

देहरादून/टीम एक्शन इंडिया
जनपद देहरादून के मोहबेवाला, आईएसबीटी क्षेत्र में शनिवार सुबह एक कार और ट्रक की टक्कर में सड़क दुर्घटना हो गई। हादसे में एक व्यक्ति ट्रक में फंस गया, जिसे राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल ने त्वरित कार्रवाई करते हुए सुरक्षित बाहर निकाला।
मिली जानकारी के अनुसार सूचना मिलते ही एसडीआरएफ पोस्ट सहस्त्रधारा से उप निरीक्षक लक्ष्मी रावत के नेतृत्व में टीम आवश्यक रेस्क्यू उपकरणों के साथ मौके पर रवाना हुई। घटनास्थल पर पहुंचने पर पाया गया कि कार में सवार घायलों को जिला पुलिस की ओर से पहले ही अस्पताल भेज दिया गया था। इसके बाद टीम ने ट्रक में फंसे व्यक्ति जुनैद (निवासी बागपत) को कड़ी मशक्कत के बाद सुरक्षित बाहर निकाला और उपचार के लिए एंबुलेंस के माध्यम से अस्पताल भिजवाया। एसडीआरएफ त्वरित एवं प्रभावी कार्रवाई से एक बड़ी अनहोनी टल गई।

उत्तराखंड में हल्की बारिश और तेज हवाओं की संभावना

मौसम

विभाग ने कुछ जिलों के लिए 'वॉच' अलर्ट जारी करते हुए सतर्क रहने की सलाह दी है।

देहरादून//टीम एक्शन इंडिया
उत्तराखंड में आज मौसम में उत्तार-चढ़ाव रहने की संभावना है।
पर्वतीय क्षेत्रों में हल्की बारिश के साथ उच्च हिमालयी क्षेत्रों बर्फबारी के साथ तेज हवाओं का असर देखने को मिल सकता है,जबकि मैदानी इलाकों में गर्म और शुष्क मौसम बना रहेगा।
विभाग ने कुछ जिलों के लिए 'वॉच' अलर्ट जारी करते हुए सतर्क रहने की सलाह दी है।
मौसम विभाग देहरादून केंद्र ने शनिवार को जारी पूवार्नुमान के अनुसार पर्वतीय जिलों उत्तरकाशी,रुद्रप्रयाग,चमोली,बागेश्वर और पिथौरागढ़ में कहीं-कहीं गरज-चमक के साथ हल्की वर्षा होने की संभावना है। इन क्षेत्रों में 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चल सकती हैं। उच्च हिमालयी क्षेत्रों (4000 मीटर से अधिक ऊंचाई) में हल्की बर्फबारी की भी संभावना जताई गई है।
राज्य के मैदानी क्षेत्रों में मौसम मुख्यतः शुष्क रहने का अनुमान है। देहरादून में आंशिक रूप से बादल छाए रह सकते हैं तथा कुछ स्थानों पर गरज वाले बादल विकसित होने की संभावना है। यहां अधिकतम तापमान लगभग 36 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है।
मौसम विभाग के अनुसार अगले 2 से 3 दिनों में राज्य के अधिकतम तापमान में 1 से 3 डिग्री सेल्सियस तक की वृद्धि हो सकती है, जिसके बाद तापमान में कोई बड़ा परिवर्तन नहीं होगा। पिछले 24 घंटों में राज्य के मैदानी क्षेत्रों में तापमान सामान्य से थोड़ा अधिक और पर्वतीय क्षेत्रों में सामान्य से अधिक दर्ज किया गया। इस दौरान राज्य में कहीं भी उल्लेखनीय वर्षा नहीं हुई।

एचडीएफसी बैंक परिवर्तन ने 15,200 से ज्यादा जल निकायों का निर्माण किया, ग्रामीण भारत के 15 लाख परिवारों को जल सुरक्षा मिली

देहरादून/टीम एक्शन इंडिया
एचडीएफसी बैंक के मुख्य कॉरपोरेट सोशल रिस्पांसिबिलिटी (सीएसआर) कार्यक्रम, एचडीएफसी बैंक परिवर्तन ने घोषणा की है कि उसने पूरे भारत में कुल मिलाकर 15,289 से ज्यादा जल निकायों का निर्माण किया हैं और उनकी मरम्मत की है। ये निकायें 10,430 से ज्यादा गाँवों में फैले हैं और इनसे 14.92 लाख परिवारों को मदद मिली है। इसके 'स्वास्थ्य और स्वच्छता' (हेल्थ एंड हाइजीन) स्तंभ के तहत, 950 से ज्यादा गांवों को सामुदायिक शुद्धिकरण प्रणालियों के माध्यम से सुरक्षित पेयजल भी उपलब्ध कराया गया है।
बैंक ने इन सभी क्षेत्रों में जल से जुड़े कई तरह के संसाधनों का निर्माण के साथ-साथ उनकी मरम्मत की है। इनमें खेतों में तालाब (फार्म पोंडस), चेक डैम, पानी के बंटवारे के लिए जल मीनार, और स्कूलों, स्वास्थ्य केंद्रों तथा घरों पर वर्षा जल संचयन (रेन वाटर हार्वेस्टिंग) प्रणालियाँ शामिल हैं। मध्य भारत में, वाटर पहल के माध्यम से लिफ्ट सिंचाई और रीचार्ज कुओं ने आदिवासी किसान समुदायों तक पानी की पहुँच बढ़ाई है। पेयजल के लिए, बैंक ने स्थानीय जल स्त्रोतों के विश्लेषण के आधार पर यूवी, आरओ या कई चरणों वाली शुद्धिकरण (मल्टी स्टेज फिल्ट्रेशन) तकनीक का उपयोग करके छोटे शुद्धिकरण संयंत्र लगाए हैं। इन्हें सामुदायिक जल टैंक, नल के कनेक्शन और पानी की गुणवत्ता की निगरानी करने वाली प्रणालियों का भी सहयोग मिला है। केवल जल निकायें बनाने से ही खेती में बदलाव नहीं आता। एचडीएफसी बैंक परिवर्तन हर संरचनात्मक निवेश के साथ कृषि संबंधी सहायता भी देता है।
इसमें सूक्ष्म सिंचाई प्रणालियाँ माइक्रो इरिगेशन सिस्टमस), 'शेड नेट हाउस', 'जैव-इनपुट संसाधन केंद्र' (बायो इनपुट रिसोर्स सेंटर्स) और 'बहु-स्तरीय खेती' (मल्टी लेयर फार्मिंग) के तरीके शामिल हैं। इन सभी के मिले-जुले प्रयासों से सिंचाई के अंतर्गत आने वाला क्षेत्र बढ़ा है, अनियमित वर्षा पर निर्भरता कम हुई है, और छोटे किसानों की फसलों की पैदावार में सुधार हुआ है। जल का उपयोग करने वाले सामुदायिक समूहों को 'जल बजट' बनाने और पानी का समझदारी से उपयोग करने का प्रशिक्षण दिया जाता है। इससे यह सुनिश्चित होता है कि कोई भी जल संरचना बनने के लंबे समय बाद तक भी उपयोगी बनी रहे।
इस कार्यक्रम की रूपरेखा में सामुदायिक स्वामित्व (कम्युनिटी ओनरशिप) को केंद्रीय महत्व दिया गया है। 'महिला स्वयं-सहायता समूहों' और 'जल उपयोगकर्ता संघों' के साथ मिलकर तैयार की गई 'सहभागी ग्राम कार्य योजनाएँ' (पार्टिसिपेटरी विलेज एक्शन प्लांस) यह सुनिश्चित करती हैं कि हर निवेश स्थानीय प्राथमिकताओं के अनुरूप हो। जीआईएस -आधारित नियोजन प्लानिंग से किसी भी स्थान का चयन पूरी सटीकता के साथ किया जाता है। 'मनरेगा' जैसी सरकारी योजनाओं के साथ तालमेल बिठाने से इस कार्यक्रम का प्रभाव और भी गहरा होता है, और काम की पुनरावृत्ति (डुप्लीकेशन) से बचा जा सकता है।
एचडीएफसी बैंक की सीएसआर हेड, नुसरत पठान ने इस मौके पर बोलते हुए कहा, एचडीएफसी बैंक परिवर्तन में हमने समुदायों तक पहुँचने और उनकी जरूरतों को पूरा करने का काम किया है, चाहे पहाड़ों में 'आइस स्तूप' बनाना हो या उन गांवों में पानी शुद्ध करने वाले प्लांट लगाना हो, जहां पहले कभी साफ नल का पानी नहीं पहुँचा था। ह्यपरिवर्तनह्व के जरिए हमारा काम वाटरशेंड डेवलपमेंट, बारिश के पानी को जमा करना, जल निकायों का निर्माण और उन्हें फिर से जीवित करना, आखिरी छोर तक सिंचाई का इंफ्रास्ट्रक्चर पहुंचाना और पर्यावरण के अनुकूल खेती के तरीकों को बढ़ावा देना है।
15,000 से ज्यादा जल संरचनाएं बनाना और लगभग एक हजार गाँवों को सुरक्षित पीने का पानी उपलब्ध कराना एक बड़ी उपलब्धि है, लेकिन हमारी असली सफलता उन खेतों में दिखती है जहाँ अब दूसरी फसल भी उगती है और उन बच्चों में जो अब गंदे पानी की वजह से बीमार नहीं पड़ते।

उत्तर रेलवे
निविदा सूचना
भारत के राष्ट्रपति की ओर से सीपीएम/जीएसयू/मुरादाबाद द्वारा ई-टेन्डर जिनके बन्द होने की तिथि 11.05.2026 है। निम्न टेन्डर संख्या के अन्तर्गत आमंत्रित किये जाते है जो उसी दिन 15:30 बजे तक प्राप्त किये जायेंगे। धरोहर राशि का भुगतान निविदादाता द्वारा केवल IREPS पोर्टल पर उपलब्ध नेट बैंकिंग, डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड आदि के माध्यम से आनलाइन भुगतान करना होगा। डिमांड ड्राफ्ट, बैंकर चैक, डिपाजिट रसीद आदि स्वीकार्य नहीं होंगे। टेन्डर से संबधित अन्य जानकारी वैबसाइट www.ireps.gov.in पर देखें।

टेन्डर संख्या दिनांक	01-GSU-MB-26-27 17.04.2026
कार्य का नाम	ABSS- Improvements of circulating area & Facade, Concourse at Gajraula station and Improvement of Circulating area, parking area, provision of Shelter at PF 1 at Garhmukteshwar station under Dy CE.GSU/MB
टेन्डर क्लोसिंग दिनांक/समय	11.05.2026, 15:30 Hrs.
अनुमानित लागत	8,93,15,610.48
धरोहर राशि	17,86,300.00
बिडिंग स्टार्ट तिथि	27.04.2026

सं.: Dy.CE/GSU/MB/Publication-01/26-27 दिनांक: 17.04.2026 1286/2026
ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

उत्तर भारत

ACTION INDIA

देहरादून, 19 अप्रैल 2026

दैनिक एक्शन इंडिया

http:// www.actionindialive.com

योगी सरकार ने पशुपालन को मजबूत करने के लिए जारी किया वाट्सएप चैनल

● इस चैनल से जुड़कर अब पशुपालन कैसे करना है, यह जानकारी ले सकते हैं, इसके लिए पशुपालन विभाग ने एक बार कोड जारी है। जिसे स्कैन करके कोई भी पशुपालक जानकारी ले सकता है ● उत्तर प्रदेश पशुपालन विभाग ने यह वाट्सएप चैनल तैयार किया है ● इस चैनल से जुड़कर पशुपालन से संबंधित जानकारी ले सकते हैं। पशुपालन विभाग की सभी योजनाओं के संबंध में पशुपालक एवं किसान ले सकते हैं

तकनीक

- गाय पालन, भैंस पालन, बकरी पालन, मुर्गी पालन, बटेर पालन सहित पशु एवं पंछियों के संबंध में जानकारी ली जा सकती है

टीम एक्शन इंडिया

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार पशुपालन को मजबूत बनाने के लिए एक वाट्शप चैनल बनाया है। इस चैनल से जुड़कर अब पशुपालन कैसे करना है, यह जानकारी ले सकते हैं। इसके लिए पशुपालन विभाग ने एक बार कोड जारी है। जिसे स्कैन करके कोई भी पशुपालक जानकारी ले सकता है। प्रयागराज मुख्य पशु चिकित्साधिकारी डॉ शिवनाथ यादव ने दी। उन्होंने बताया कि उत्तर प्रदेश पशुपालन विभाग ने यह वाट्सएप चैनल तैयार किया है। इस चैनल से जुड़कर पशुपालन से संबंधित जानकारी ले सकते हैं। योजनाओं के संबंध में पशुपालक एवं किसान ले सकते हैं। उन्होंने बताया कि इस चैनल के माध्यम से गाय पालन, भैंस पालन, बकरी पालन, मुर्गी पालन, बटेर पालन सहित पशु एवं पंछियों के संबंध में जानकारी ली जा सकती है। मुख्य पशु चिकित्साधिकारी डॉ शिवनाथ यादव ने पशुपालक एवं किसान भाई बहनों से अपील की है कि आप सभी इस चैनल से जुड़ने के लिए उत्तर प्रदेश पशुपालन विभाग द्वारा जारी बारकोड को स्कैन करके आप जुड़े और अपनी आर्थिक स्थिति मजबूत करने के लिए आगे बढ़ो।

प्रयागराज में चिकित्सा क्षेत्र की बड़ी उपलब्धिः बिना बड़े ऑपरेशन के एओर्टिक एन्यूरिज्म का सफल उपचार

प्रयागराज। चिकित्सा विज्ञान के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि प्रयागराज में हासिल की गई है। मोतीलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज एवं उससे संबद्ध स्वरूप रानी नेहरू अस्पताल में पहली बार अत्याधुनिक एंडोवास्कुलर एनेयूरिज्म रिपेयर (ईवीएआर) तकनीक के माध्यम से एओर्टिक एन्यूरिज्म का सफल उपचार किया गया। इस सुविधा के उपलब्ध होने से अब क्षेत्र के गंभीर रोगियों को महानगरों की ओर जाने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी। कौशांबी निवासी कंघई लाल (73) 8 अप्रैल को सीने, पेट एवं पीठ में दर्द की शिकायत के साथ कार्डियोलॉजी विभाग पहुंचे थे। प्रारंभिक जांच के उपरांत विस्तृत परीक्षण में उनकी मुख्य धमनी (एओर्टा) में गंभीर एन्यूरिज्म पाया गया, जो किसी भी समय फटकर जानलेवा स्थिति उत्पन्न कर सकता था। मामले की गंभीरता को देखते हुए कार्डियोलॉजी, सर्जरी, इंटरवेंशनल रेडियोलॉजी एवं एनेस्थीसिया विभागों के विशेषज्ञों की संयुक्त टीम गठित कर उपचार की रणनीति बनाई गई।

आधार की फोटोकॉपी का झंझट खत्म, अब बिना इंटरनेट होगा पहचान सत्यापन : जिलाधिकारी

कानपुर। अब पहचान सत्यापन के लिए न तो आधार की फोटोकॉपी देनी पड़ेगी और न ही ओटीपी का इंतजार करना होगा। क्यूआर कोड और आधार ऐप के जरिए बिना इंटरनेट के भी सुरक्षित और तुरंत पहचान की पुष्टि हो सकेगी। यह व्यवस्था डेटा गोपनीयता को सुरक्षित रखते हुए प्रक्रिया को पूरी तरह सरल और पेपरलेस बनाती है। यह बातें शनिवार को जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह ने कही। पहचान सत्यापन की प्रक्रिया में बड़ा बदलाव किया जा रहा है। आधार ऑफलाइन वेरिफिकेशन के तहत अब व्यक्ति केवल क्यूआर कोड, ई-आधार या आधार ऐप के माध्यम से अपनी पहचान तुरंत सत्यापित करा सकेगा। इस प्रक्रिया में इंटरनेट कनेक्शन की आवश्यकता नहीं होगी और न ही पूरी जानकारी साझा करनी पड़ेगी, जिससे डेटा पर व्यक्ति का नियंत्रण बना रहेगा। ऑफिस, होटल और सोसाइटी गेट पर क्यूआर कोड स्कैन करते ही दस्तावेज की प्रमाणिकता की जांच की जा सकेगी। यूआईडीएआई के डिजिटल सिग्नेचर के मिलान से यह सुनिश्चित होगा कि आधार असली है और उसमें कोई छेड़छाड़ नहीं हुई है। सरकारी दफ्तरों और संवेदनशील परिसरों में अब डिजिटल सत्यापन से एंट्री दी जाएगी। जरूरत पड़ने पर फेस वेरिफिकेशन के जरिए व्यक्ति की मौजूदगी भी सुनिश्चित की जा सकेगी। रेजिडेंशियल सोसाइटी में मेहमानों, डिलीवरी कर्मियों और घरेलू सहायकों की एंट्री अब डिजिटल तरीके से दर्ज होगी, जिससे फर्जी पहचान पर रोक लगेगी जिलाधिकारी ने कहा कि वित्तीय संस्थानों में ग्राहक सत्यापन तेज और सुरक्षित होगा। डिजिटल सिग्नेचर आधारित डेटा से केवाईसी प्रक्रिया सरल हो जाएगी और अतिरिक्त दस्तावेजों की जरूरत कम पड़ेगी। यह व्यवस्था आधार धारक, सत्यापन करने वाली संस्था और यूआईडीएआई पर आधारित है, जिसमें सहमति के आधार पर ही जानकारी साझा की जाती है। यह प्रणाली आधार अधिनियम 2016 और सूचना प्रौद्योगिकी कानून के तहत लागू है।

हरियाणा: नगर निकाय चुनाव के दौरान भारतीय जनता पार्टी वर्तमान सरकार द्वारा शुरू किए विकास कार्यों के आधार पर जहां जनता के बीच जाएगी वहीं घोषणा पत्र के माध्यम से शहरों के विकास का रोडमैप पेश किया जाएगा। नगर निकाय चुनाव के लिए भाजपा की राज्य संकल्प पत्र निर्माण समिति की पहली बैठक गुरुग्राम में हुई।

अक्षय तृतीया पर बाल विवाह करायेंगे तो हो सकती है दो वर्ष की सजा

वाराणसी। उत्तर प्रदेश की धर्मनगरी काशी में अक्षय तृतीया (20 अप्रैल),जिसे अखा तीज के नाम से भी जाना जाता है, के अवसर पर जिला प्रशासन ने बाल विवाह जैसी सामाजिक कुरीति के खिलाफ विशेष अभियान चलाने का निर्णय लिया है। बाल विवाह न केवल कानूनन अपराध है,बल्कि यह बच्चों के स्वास्थ्य,शिक्षा और भविष्य के साथ गंभीर अन्याय भी है। बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम के तहत बाल विवाह कराने,करवाने या उसमें किसी भी प्रकार की भागीदारी करने वाले व्यक्ति को दो वर्ष तक का कठोर कारावास और एक लाख रुपये तक का जुर्माना हो सकता है।

रश्मिरथी पर्व में शामिल होने 24 अप्रैल को लखनऊ आयेंगे शिवराज सिंह

हीरक जयंती

- इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित तीन दिवसीए 'रश्मिरथी पर्व' का शुभारम्भ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ करेंगे

टीम एक्शन इंडिया

लखनऊ। राष्ट्रकवि रामधारी सिंह दिनकर की कालजयी काव्यकृति रश्मिरथी के हीरक जयंती वर्ष के अवसर पर लखनऊ के इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित तीन दिवसीए 'रश्मिरथी पर्व' का शुभारम्भ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ करेंगे। इस अवसर पर मुख्य वक्ता के रूप में केन्द्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता राज्यसभा सांसद डा. दिनेश शर्मा करेंगे। सूर्यप्रताप शाही ने बताया कि इस अवसर पर मंचस्थ अतिथियों द्वारा 'रश्मिरथी से संवाद' स्मारिका का लोकार्पण भी किया जायेगा। परिसर में चित्रकार मनजीत सिंह के द्वारा राष्ट्रकवि दिनकर, स्वामी विवेकानन्द, लोकमान्य तिलक एवं अटल बिहारी बाजपेई के जीवन, संवाद एवं साहित्य पर आधारित चित्रकला प्रदर्शनी भी लगाई जायेगी। कार्यक्रम के संयोजक ने बताया कि पहले दिन 24 अप्रैल को कालजयी काव्यकृति 'रश्मिरथी' पर आधारित नाट्य मंचन होगा। दूसरे दिन 25 अप्रैल को युवाओं के प्रेरणास्रोत स्वामी विवेकानन्द के जीवन पर नृत्य नाटिका दिखाई जायेगी। 26 अप्रैल को स्वराज्य के प्रणेता लोकमान्य तिलक के जीवन पर कलाकारों द्वारा नाट्य मंचन होगा। भारत रत्न कवि अटल जी की कविताओं पर नृत्य नाटिका 'अटल स्वरांजलि' का मंचन होगा। कार्यक्रम में प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह, पूर्व केन्द्रीय मंत्री अश्वनी चौबे, पूर्व केन्द्रीय मंत्री रविशंकर प्रसाद तथा राष्ट्रकवि दिनकर के सुपौत्र ऋत्विक उदयन शामिल होंगे।

अशोकनगरः तीन नाबालिगों से दुष्कर्म मामले में जस्सी किन्नर गिरफ्तार

अशोकनगर। मध्यप्रदेश के अशोकनगर जिले को झकझोर देने वाले तीन हिंदू नाबालिग किशोरियों के साथ धर्म परिवर्तन और जबरन निकाह के सनसनीखेज मामले में पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। शनिवार को विशेष जांच दल (एसआईटी) ने कार्रवाई करते हुए भोपाल के कमला नगर इलाके से जस्सी नामक किन्नर को गिरफ्तार किया है, हालांकि, मामले के मुख्य आरोपी अब भी पुलिस की गिरफ्त से बाहर हैं। पुलिस की प्रारंभिक जांच में यह चौंकाने वाला खुलासा हुआ है कि इस पूरे कांड के पीछे एक संगठित गिरोह (रैकेट) काम कर रहा था।

सही आंकड़े विकास की आधारशिला, स्व-गणना में भागीदारी सुनिश्चित करें: राव

स्व-गणना

- मंत्री राव नरबीर सिंह ने ऑनलाइन स्व-गणना कर नागरिकों को दिया संदेश

टीम एक्शन इंडिया

चंडीगढ़। जनगणना-2027 के तहत चल रही स्व-गणना प्रक्रिया को बढ़ावा देने के लिए हरियाणा के उद्योग एवं वाणिज्यिक मंत्री राव नरबीर सिंह ने शनिवार को स्वयं ऑनलाइन पोर्टल पर अपनी जानकारी दर्ज कर स्व-गणना की। उन्होंने आम नागरिकों को इस सुविधा का उपयोग करने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि स्व-गणना की व्यवस्था नागरिकों को घर बैठे अपनी जानकारी भरने का सरल और सुविधाजनक विकल्प देती है। इससे समय की बचत होती है और जानकारी सीधे सिस्टम में दर्ज होने से पारदर्शिता भी बनी रहती है। उन्होंने कहा कि हर परिवार को 30 अप्रैल तक इस प्रक्रिया को पूरा कर लेना चाहिए, ताकि जनगणना का कार्य सुचारू रूप से आगे बढ़ सके। राव नरबीर सिंह ने कहा कि जनगणना केवल आंकड़ों का संग्रह नहीं, बल्कि देश और प्रदेश के विकास की योजनाओं की मजबूत नींव है। सही और पूरी जानकारी से ही सरकार को योजनाएं बनाने में मदद मिलती है। उन्होंने नागरिकों से आह्वान किया कि वे जिम्मेदारी समझते हुए इस प्रक्रिया में सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करें और दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करें। कैबिनेट मंत्री ने बताया कि आधिकारिक पोर्टल पर मोबाइल नंबर के माध्यम से ओटीपी वेरिफिकेशन कर लॉगिन किया जा सकता है और चरणबद्ध तरीके से सभी जरूरी जानकारी आसानी से भरी जा सकती है। जानकारी भरने के बाद मिलने वाली सेल्फ-एन्यूमरेशन आईडी को सुरक्षित रखना जरूरी है।

चुनाव में सार्वजनिक व निजी संपत्तियों पर लगाए पोस्टर तो होगी कार्रवाईः राज्य निर्वाचन आयुक्त देवेंद्र सिंह

हिदायत

- अवैध रूप से पोस्टर-बैनर लगा रहे हैं और दीवारों पर लिखाई कर रहे हैं, जो कानून का उल्लंघन है

टीम एक्शन इंडिया

चंडीगढ़। हरियाणा के राज्य निर्वाचन आयुक्त देवेंद्र सिंह कल्याण ने नगर निकाय और पंचायती राज संस्थाओं के चुनावों के मद्देनजर लागू आदर्श आचार संहिता के तहत हरियाणा प्रिवेंशन ऑफ डिफेसमेंट ऑफ प्रॉपर्टी एक्ट, 1989 के सख्त पालन के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि आयोग के संज्ञान में आया है कि कई उम्मीदवार और राजनीतिक दल सार्वजनिक व निजी संपत्तियों पर अवैध रूप से पोस्टर-बैनर लगा रहे हैं और दीवारों पर लिखाई कर रहे हैं, जो कानून का उल्लंघन है और प्रदेश की सुंदरता को प्रभावित करता है। उन्होंने स्पष्ट किया कि इस एक्ट की धारा- 3 और 3-ए के तहत किसी भी सार्वजनिक स्थान पर आने वाली संपत्ति को स्याही, चॉक, पेंट या अन्य माध्यम से लिखकर या चिन्हित करना प्रतिबंधित है। इसी तरह सरकारी भवनों, बिजली के खंभों, बस स्टैंड, सार्वजनिक स्थानों या मूर्तियों पर पोस्टर, बैनर या फ्लेक्स लगाना तथा सार्वजनिक परिवहन, खासकर राज्य परिवहन की बसों पर प्रचार सामग्री चिपकाना पूरी तरह से मना है। यह संज्ञेय अपराध की श्रेणी में आता है। आयुक्त ने कहा कि ऐसे मामलों में अवैध प्रचार सामग्री हटाने और संपत्ति को पहले जैसी स्थिति में लाने का खर्च संबंधित उम्मीदवार या राजनीतिक दल से वसूला जाएगा। यदि किसी उम्मीदवार के पक्ष में इस तरह की गतिविधि होती है, तो उसे इसके लिए जिम्मेदार माना जाएगा, जब तक वह यह साबित न कर दे कि यह उसकी जानकारी या सहमति के बिना हुआ है। जिन संपत्ति मालिकों ने अपनी दीवारों पर विज्ञापन की अनुमति नहीं दी है, वे इसकी शिकायत संबंधित पर्यवेक्षक या उपायुक्त को कर सकते हैं। आयोग ने स्थानीय प्रशासन को निर्देश दिए हैं कि ऐसी शिकायत मिलने पर 24 घंटे के भीतर अवैध सामग्री हटाई जाए।

भोपाल में शराब दुकानों के खिलाफ उबाल

भोपाल। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में शराब दुकानों की शिफ्टिंग को लेकर विरोध तेज होता जा रहा है। भोपाल के कोलार रोड, मंदाकिनी चौराहा, ईंटखेड़ी, अवधपुरी और सेमराकलां जैसे इलाकों में स्थानीय लोग लगातार प्रदर्शन कर रहे हैं। विरोध का स्वर इतना मुखर है कि कहीं धार्मिक आयोजन कर विरोध जताया जा रहा है, तो कहीं सड़क पर उतरकर प्रदर्शन हो रहा है। अवधपुरी में रहवासियों ने सुंदरकांड का पाठ कर अपनी नाराजगी जताई, जबकि सेमराकलां में लोगों ने भजन-कीर्तन का सहारा लिया। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि यह सिर्फ विरोध नहीं, बल्कि अपने इलाके के सुरक्षित और शांत माहौल को बचाने की मुहिम है।

यूपी की आबादी और खेल प्रतिभा को निखारने के लिए बीसीसीआई बनाए चार टीमें: मोहसिन

टीम एक्शन इंडिया

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार के पूर्व राज्यमंत्री, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व रणजी क्रिकेटर मोहसिन रजा ने शनिवार को दिए अपने एक वीडियो संदेश में कहा कि उत्तर प्रदेश 25 करोड़ की विशाल जनसंख्या वाला राज्य है। यदि इसे एक देश माना जाए, तो यह दुनिया का छठा सबसे बड़ा मुल्क होगा, फिर भी यहां केवल एक मुख्य टीम है। आबादी के लिहाज से खिलाड़ियों को अधिक अवसर मिलने के लिए कई टीमों का होना आवश्यक बताया। वहीं एक टीम होने को सीमित अवसर वाला। मोहसिन रजा ने कहा कि उत्तर प्रदेश में चार नई टीमों की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि प्रदेश की प्रतिभाओं के साथ न्याय करने के लिए रणजी ट्रॉफी सहित सभी आयु वर्गों (अंडर-16, अंडर-19, अंडर-23) में उत्तर प्रदेश की कम से कम चार टीमें होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि इस मांग का मुख्य उद्देश्य उन ग्रामीण खिलाड़ियों को मंच देना है जो दिन-रात पसीना बहाते हैं।

मप्र को साधना सप्ताह में अधिकतम पाठ्यक्रम पूरा करने राष्ट्रीय स्तर पर मिला तीसरा स्थान

टीम एक्शन इंडिया

भोपाल। भारत सरकार के मिशन कर्मयोगी के अंतर्गत लोक सेवकों के लिए संचालित ऑनलाइन प्रशिक्षण एवं क्षमता निर्माण के लिये चलाये गये साधना सप्ताह में मध्य प्रदेश को आईगाट पोर्टल पर अधिकतम पाठ्यक्रम पूरा करने के लिए राष्ट्रीय स्तर पर तीसरा स्थान मिला है। साधना सप्ताह गत दो अप्रैल से 10 अप्रैल तक चलाया गया था। जनसंपर्क अधिकारी अवनीश सोमकुंवर ने शनिवार को बताया कि राष्ट्रव्यापी साधना सप्ताह में विभिन्न पाठ्यक्रमों में पंजीयन करने वाले लोक सेवकों की संख्या 9 लाख 49 हजार 215 रही। एक घण्टे के कोर्स पूरा करने वाले प्रदेश के लोक सेवकों की संख्या 3 लाख 12 हजार 662 रही। चार घंटे के कोर्स पूरा करने वाले लोक सेवकों की संख्या 2 लाख 25 हजार 700 और कम से कम एक एआई कोर्स पूरा करने वाले लोक सेवकों की संख्या 01 लाख 85 हजार 562 रही। साधना सप्ताह के दौरान कर्मयोगी उत्कर्ष बैच 855 को मिला जबकि 92,432 को एआई दक्ष बैच मिला। उन्होंने बताया कि केन्द्रीय कार्मिक मंत्री डॉ. जितेन्द्र सिंह ने नई दिल्ली में गत दिवस गरिमापूर्ण समारोह में मप्र को सम्मानित किया। आसीवीपी नरोन्हा प्रशासन एवं प्रबंधकीय अकादमी के महानिदेशक सचिन सिन्हा ने पुरस्कार ग्रहण किया। उन्होंने विभागों के लोक सेवकों को निरंतर मार्गदर्शन दिया।

भोपाल में शिक्षकों का प्रदर्शन, टीईटी अनिवार्यता का विरोध

प्रदर्शन

- भोपाल में शनिवार को अध्यापक-शिक्षक संयुक्त मोर्चा के बैनर तले प्रदेशभर के शिक्षकों ने बड़ा प्रदर्शन किया

टीम एक्शन इंडिया

भोपाल। राजधानी भोपाल में शनिवार को अध्यापक-शिक्षक संयुक्त मोर्चा के बैनर तले प्रदेशभर के शिक्षकों ने बड़ा प्रदर्शन किया। मुख्यमंत्री अनुरोध यात्रा के तहत भेल स्थित दशहरा मैदान में आयोजित इस प्रदर्शन में अलग-अलग जिलों से आए करीब 50 हजार से अधिक शिक्षकों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम के अंत में शिक्षकों ने एमपी नगर एसडीएम को ज्ञापन सौंपकर अपनी मांगों से अवगत कराया। संयुक्त मोर्चा के नेताओं ने कहा कि यदि सरकार उनकी मांगों पर जल्द निर्णय नहीं लेती है, तो जून महीने में और बड़े आंदोलन की रणनीति अपनाई जाएगी। संघ के अध्यक्ष भरत पटेल ने इसे लेकर सरकार को चेतावनी भी दी। मोर्चा के संयोजक जगदीश यादव ने कहा कि यदि सरकार परीक्षा आयोजित करना चाहती है, तो शिक्षकों को पर्याप्त समय दिया जाना चाहिए और उन्हें जनगणना जैसे अतिरिक्त कार्यों में न उलझाया जाए। उनका यह भी कहना है कि पहले से कार्यरत शिक्षकों पर दोबारा शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीईटी) लागू करना उचित नहीं है, क्योंकि नियुक्ति के समय उन्होंने सभी आवश्यक योग्यताएं पूरी की थीं। 20-25 वर्षों की सेवा के बाद नई शर्तें लागू करना अन्यायपूर्ण बताया गया।

शिक्षकों के अनुसार, सुप्रीम कोर्ट के हालिया आदेश से प्रदेश के 90 से 95 प्रतिशत शिक्षक प्रभावित हुए हैं, खासकर वे जो पहले अध्यापक थे और बाद में शिक्षक संवर्ग में शामिल हुए। इन शिक्षकों ने कम वेतन पर नौकरी शुरू की थी और अब भी पेंशन, ग्रेच्युटी और सेवा अवधि की गणना जैसे मुद्दों पर संघर्ष कर रहे हैं। संयुक्त मोर्चा ने सरकार पर आरोप लगाया कि नियुक्ति की मूल तारीख से सेवा की गणना नहीं की जा रही, जिससे आर्थिक नुकसान हो रहा है। अब टीईटी अनिवार्यता लागू होने से उन पर अतिरिक्त दबाव बन रहा है और भविष्य में पेंशन व ग्रेच्युटी कम मिलने की आशंका भी बढ़ गई है। प्रदर्शन के दौरान दशहरा मैदान में भारी भीड़ उमड़ी, जिससे पंडाल छोटा पड़ गया और कई शिक्षकों को पेड़ों के नीचे बैठना पड़ा। पुलिस बैरिकेडिंग के चलते प्रदर्शनकारियों को अपने वाहन दूर ही रोकने पड़े और पैदल ही कार्यक्रम स्थल तक पहुंचना पड़ा। बता दें कि इससे पहले 8 अप्रैल को जिला स्तर और 11 अप्रैल को ब्लॉक स्तर पर भी प्रदर्शन किए जा चुके हैं। उसी क्रम में यह राज्य स्तरीय प्रदर्शन आयोजित किया गया। अंत में शिक्षकों ने एमपी नगर एसडीएम एल.के. खरे को ज्ञापन सौंपकर जल्द समाधान की मांग की और शांतिपूर्ण ढंग से प्रदर्शन समाप्त किया।

संपादकीय

संसद में महिला अधिकार छीनकर खुश होले कांग्रेस !

महिला आरक्षण विधेयक पर लोकसभा में हुई हालिया वोटिंग ने भारतीय राजनीति के एक महत्वपूर्ण विरोधाभास को उजागर किया है। ये दशार्ता है कि कांग्रेस, सपा एवं अन्य विपक्षी दल भले ही संसद एवं जनता के बीच महिला सशक्तिकरण की बात करते हैं, किंतु जब वास्तविक निर्णय का समय आता है, तब उनके ऊपर राजनीतिक स्वार्थ, संकीर्ण दृष्टिकोण इस बड़े उद्देश्य पर भी हावी हो जाता है। भारतीय राजनीतिक परिदृष्य में यह दुभाग्यपूर्ण है कि उन्होंने महिलाओं के अधिकारों को प्राथमिकता देने के बजाय राजनीतिक गणित को तरजीह दी। सबसे पहले, इस पूरे घटनाक्रम को समझना जरूरी है। महिला आरक्षण से जुड़े संविधान संशोधन विधेयक को पारित कराने के लिए लोकसभा में दो-तिहाई बहुमत, यानी 352 वोटों की आवश्यकता थी, किंतु इसके पक्ष में केवल 298 वोट ही पड़ सके। 230 सांसदों ने इसका विरोध किया, जिसके चलते यह विधेयक पास नहीं हो सका। अब भले ही इसे लेकर कांग्रेस एवं विपक्षी दल अपने कितने ही तर्क गढ़ें, हकीकत यह है कि यह परिणाम किसी राजनीतिक पार्टी के स्तर पर भाजपा के लिए विधायी असफलता नहीं है, यह तो देश की लगभग 50 प्रतिशत महिला आबादी की उम्मीदों को लगा एक गहरा झटका है। कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों ने इस विधेयक का विरोध सीधे तौर पर नहीं, बल्कि अगर-मगर और किंतु-परंतु के माध्यम से किया। उन्होंने विधेयक के क्रियान्वयन के तरीके, विशेषकर परिसीमन से जोड़ने पर आपत्ति जताई। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने इसे छलावा करार दिया, किंतु आज जिस तरह से सदन में यह विधेयक गिरा, उससे साफ हो गया कि कांग्रेस सच में महिलाओं की कितनी बड़ी हिमायती है! कहना होगा कि राहुल के सभी तर्क अपने आप में विरोधाभासी प्रतीत हुए हैं। यदि कांग्रेस वास्तव में महिला आरक्षण के पक्ष में थी, तो उसे इस विधेयक का समर्थन करते हुए बाद में संशोधन की मांग करनी चाहिए थी। लेकिन समर्थन के बजाय विरोध का रास्ता चुनना इस बात का संकेत है कि पार्टी की प्राथमिकता महिला सशक्तिकरण नहीं, बल्कि राजनीतिक लाभ-हानि का आकलन था। यही कारण है कि सत्ता पक्ष ने इसे दिखावटी समर्थन और वास्तविक विरोधह्व की संज्ञा दी। समाजवादी पार्टी और अन्य विपक्षी दलों की स्थिति भी कुछ अलग नहीं रही। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने भी इस मुद्दे पर सीधे समर्थन देने के बजाय सामाजिक समीकरणों और जातिगत प्रतिनिधित्व की बात उठाई। उनका तर्क था कि महिला आरक्षण के भीतर अल्पसंख्यक महिलाओं के लिए अलग कोटा सुनिश्चित किया जाना चाहिए। यह मांग व्यवहारिक रूप से छोड़ें, सिद्धांततः भी उचित नहीं है, क्योंकि भारतीय संविधान धर्म के आधार पर आरक्षण की कोई व्यवस्था नहीं देता है। जिस समय यह विधेयक पारित होने के कगार पर था, उस समय इस प्रकार की शर्तें जोड़ना वस्तुतः प्रक्रिया को जटिल बनाने और विधेयक को टालने का माध्यम ही दिखा।

नई दिल्ली कार्यालय
एक्शन बालाजी हाउस, बी-244, मजलिस पार्क, दिल्ली- 110033

उत्तरी दिल्ली कार्यालय
शक्ति कॉम्पलैक्स, 6/18, समयपुर इंडस्ट्रियल एरिया, दिल्ली- 110042

चंडीगढ़ कार्यालय
फर्स्ट फ्लोर, देश सेवक बिल्डिंग, सेक्टर- 29डी, चंडीगढ़

पंजाब कार्यालय
7/2, थर्ड फ्लोर, मोनिका, टावर, ईआर-146, पक्का बाग, मिलाप चौक, जालंधर

करनाल कार्यालय
224, सेक्टर 32पी, करनाल- 132001

सोनीपत कार्यालय
ऑफिस no. 11, ग्राउंड फ्लोर पवन मेगा मॉल सुभाष चौक सोनीपत

शिमला कार्यालय
किशोर भवन, जोधा निवास, डेजी बैंक एस्टेट, लोअर जाखू, शिमला- 171001

ऊना कार्यालय
कृष्णा टावर, सब्जी मंडी के सामने, ऊना-174303

देहरादून कार्यालय
7/1, बल्लूपुर रोड़, कृष्णा नगर चौक, देहरादून

अक्षय तृतीया और परशुराम अवतार का अद्भुत संगम

महेन्द्र तिवारी

> “पूजा के केंद्र में भगवान परशुराम की प्रतिमा या चित्र स्थापित किया जाता है। पूजन सामग्री में चंदन, अक्षत, तुलसी दल, धूप, दीप और विशेष रूप से पंचामृत का उपयोग किया जाता है। चूंकि वे शस्त्र विद्या के आदि गुरु हैं, इसलिए इस दिन अस्त्र-शस्त्रों की पूजा का भी विशेष विधान है। कई समुदायों में इस दिन शस्त्रों का प्रदर्शन और वीरतापूर्ण खेल आयोजित किए जाते हैं जो युवाओं में शौर्य की भावना का संचार करते हैं।
>
> इस पर्व का एक प्रमुख पक्ष दान और सेवा है। हिंदू धर्म में मान्यता है कि इस दिन किया गया दान अक्षय फल प्रदान करता है ”

भारतीय सनातन संस्कृति में अवतारवाद की परंपरा केवल ईश्वरीय उपस्थिति का प्रमाण नहीं है, बल्कि यह मानवीय मूल्यों की पुनर्स्थापना और समाज को दिशा दिखाने का एक जीवंत माध्यम भी है। भगवान विष्णु के छठे अवतार के रूप में प्रतिष्ठित भगवान परशुराम का प्राकट्य इसी श्रृंखला की एक अत्यंत तेजस्वी कड़ी है। प्रतिवर्ष वैशाख मास के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि को संपूर्ण भारतवर्ष में परशुराम जयंती अत्यंत श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाई जाती है। ज्योतिषीय गणना और पंचांग के विश्लेषण के अनुसार, तृतीया तिथि का आगमन 19 अप्रैल 2026 को प्रातः 10:49 बजे होगा और इसका समापन अगले दिन 20 अप्रैल 2026 को प्रातः 07:27 बजे होगा। शास्त्रों में भगवान परशुराम का जन्म प्रदोष काल में माना गया है, इसलिए उदयातिथि और सायंकालीन मुहूर्त की महत्ता को देखते हुए 19 अप्रैल को ही जयंती मनाना श्रेष्ठ और शास्त्रसम्मत है। यह तिथि केवल एक जयंती मात्र नहीं है, बल्कि यह अक्षय तृतीया का भी महापर्व है, जिसका अर्थ है वह तिथि जिसका पुण्य कभी क्षय नहीं होता। भगवान परशुराम का जन्म महर्षि जमदग्नि और माता रेणुका के घर हुआ था। वे भृगु कुल के रत्न थे, इसलिए उन्हें भार्गव के नाम से भी जाना जाता है। उनका मूल नाम राम था, किंतु उनकी कठोर तपस्या से प्रसन्न होकर भगवान शिव ने उन्हें अपना अमोघ शस्त्र परशु प्रदान किया, जिसके कारण वे लोक में परशुराम के नाम से विख्यात हुए। उनका व्यक्तित्व अत्यंत विलक्षण है क्योंकि वे एक ही समय में श्रेष्ठ ब्राह्मण भी हैं और अजेय योद्धा भी। सनातन धर्म में उन्हें ब्रह्म-क्षत्रिय की उपाधि दी गई है, जो यह दशार्ता है कि जब शांति और शास्त्र विफल होने लगें, तब धर्म की रक्षा के लिए शस्त्र उठाना अनिवार्य हो जाता है। उनके जीवन का प्रत्येक प्रसंग हमें साहस और सिद्धांतों के प्रति अडिग रहने की प्रेरणा देता है। पौराणिक कथाओं के अनुसार, उस कालखंड में जब क्षत्रिय राजा अपनी शक्ति के मद में चूर होकर ऋषि-मुनियों और निर्दोष जनता पर अत्याचार करने लगे थे, तब भगवान परशुराम ने अन्याय के विरुद्ध युद्ध का शंखनाद किया। हैहय वंश के राजा कार्तवीर्य अर्जुन ने जब अपने बल के अहंकार में महर्षि जमदग्नि की कामधेनु गाय का बलपूर्वक अपहरण किया और अंततः ऋषि की हत्या कर दी, तब परशुराम ने भीषण प्रतिज्ञा ली। उन्होंने न केवल कार्तवीर्य अर्जुन का वध किया, अपितु पृथ्वी को 21 बार आततायी क्षत्रियों से विहीन कर दिया। यहाँ यह समझना आवश्यक है कि उनका संघर्ष किसी जाति विशेष के विरुद्ध नहीं, बल्कि उस अधर्म और सत्ता के अहंकार के विरुद्ध था जो मानवता को पीड़ित कर रहा था। उन्होंने प्रत्येक बार विजित भूमि को ऋषियों और ब्राह्मणों को दान कर दिया, जिससे यह सिद्ध होता है कि उनके भीतर भूमि का मोह नहीं, बल्कि धर्म का राज्य स्थापित करने की ललक थी।
भगवान परशुराम के चरित्र में क्रोध और करुणा का एक अद्भुत संतुलन देखने को मिलता है। त्रेता युग में जब भगवान श्रीराम ने जनकपुर में शिव का धनुष तोड़ा, तब परशुराम का आगमन और उनका क्रोध उनके शिव-भक्त होने का प्रमाण था, किंतु श्रीराम की विनम्रता और उनके ईश्वरत्व को पहचानते ही वे शांत होकर उन्हें आशीर्वाद देकर महेंद्रगिरि पर्वत पर तपस्या हेतु चले गए। इसी प्रकार द्वापर युग में भी उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही है। उन्होंने भीष्म पितामह, गुरु द्रोणाचार्य और दानवीर कर्ण जैसे महारथियों को शस्त्र विद्या प्रदान की। महाभारत के युद्ध में उनके द्वारा दी गई शिक्षा और अस्त्रों ने निर्णायक भूमिका निभाई। वे चिरंजीवी हैं, अर्थात सात अमर विभूतियों में से एक हैं जो आज भी इस पृथ्वी पर सूक्ष्म रूप में विद्यमान हैं। ऐसी मान्यता है कि वे कलयुग के अंत में भगवान कल्कि के गुरु बनेंगे और उन्हें धर्म स्थापना के लिए शस्त्र विद्या प्रदान करेंगे। आध्यात्मिक दृष्टि से परशुराम जयंती का महत्व अक्षय तृतीया के साथ जुड़कर और भी बढ़ जाता है। इस दिन किए जाने वाले सत्कर्मों का फल अनंत काल तक बना रहता है। वर्ष 2026 की यह तिथि 19 अप्रैल को भक्तों के लिए आत्मशुद्धि और संकल्प का दिन होगी। इस दिन भक्त प्रातःकाल ब्रह्म मुहूर्त में उठकर पवित्र नदियों में स्नान करते हैं या जल में गंगाजल मिलाकर स्नान की परंपरा निभाते हैं। पूजा के केंद्र में भगवान परशुराम की प्रतिमा या चित्र स्थापित किया जाता है। पूजन सामग्री में चंदन, अक्षत, तुलसी दल, धूप, दीप और विशेष रूप से पंचामृत का उपयोग किया जाता है। चूंकि वे शस्त्र विद्या के आदि गुरु हैं, इसलिए इस दिन अस्त्र-शस्त्रों की पूजा का भी विशेष विधान है। कई समुदायों में इस दिन शस्त्रों का प्रदर्शन और वीरतापूर्ण खेल आयोजित किए जाते हैं जो युवाओं में शौर्य की भावना का संचार करते हैं।
इस पर्व का एक प्रमुख पक्ष दान और सेवा है। हिंदू धर्म में मान्यता है कि इस दिन किया गया दान अक्षय फल प्रदान करता है। अनाज, जल के पात्र, वस्त्र, स्वर्ण, और गौ-दान को इस दिन अत्यंत शुभ माना गया है। 19 अप्रैल 2026 को रविवार का संयोग होने के कारण सूर्य देव की आराधना के साथ परशुराम पूजन करना और भी शुभ फलदायी होगा। ब्राह्मणों को भोजन कराना और निर्धनों की सहायता करना इस उत्सव की पूर्णता मानी जाती है। धार्मिक ग्रंथों में उल्लेख है कि जो साधक इस दिन उपवास रखकर श्रद्धापूर्वक भगवान परशुराम का स्मरण करता है, उसके जीवन से भय और बाधाएं दूर हो जाती हैं। निःसंतान दंपत्तियों के लिए यह व्रत विशेष रूप से संतान सुख प्रदान करने वाला माना गया है।
भगवान परशुराम का जीवन आधुनिक समाज के लिए एक महान संदेश है। आज जब विश्व भर में नैतिकता और मूल्यों का पतन हो रहा है, तब परशुराम का चरित्र हमें अनुशासन की महत्ता समझाता है। उनका जीवन सिखाता है कि शक्ति का अर्थ दूसरों को दबाना नहीं, बल्कि न्याय की स्थापना करना है। उन्होंने अपने पिता की आज्ञा का पालन कर पितृभक्ति की पराकाष्ठा दिखाई और फिर अपनी तपस्या से माता को पुनर्जीवित कर मातृप्रेम का उदाहरण प्रस्तुत किया। उनका क्रोध सात्विक क्रोध था, जो केवल विनाश के लिए नहीं बल्कि सृजन के मार्ग में आने वाली बाधाओं को हटाने के लिए था। युवाओं को उनके जीवन से यह सीखना चाहिए कि ज्ञान (शास्त्र) और सामर्थ्य (शस्त्र) दोनों का होना अनिवार्य है, क्योंकि शस्त्रविहीन ज्ञान दुर्बल होता है और ज्ञानविहीन शस्त्र विनाशकारी।
परशुराम जयंती के अवसर पर भारत के विभिन्न हिस्सों में भव्य शोभायात्राएं निकाली जाती हैं। विशेषकर उत्तर भारत, मध्य प्रदेश, राजस्थान और कोंकण क्षेत्र में इसका भारी उत्साह देखने को मिलता है।
कोंकण क्षेत्र को तो परशुराम की अपनी भूमि माना जाता है, क्योंकि उन्होंने समुद्र को पीछे धकेलकर उस भूमि का निर्माण किया था। मंदिरों में भजन, कीर्तन और धार्मिक प्रवचनों का दौर चलता है। वर्ष 2026 में 19 अप्रैल को होने वाले आयोजनों में तकनीक और परंपरा का संगम भी देखा जा सकेगा, जहाँ डिजिटल माध्यमों से भगवान के संदेशों को प्रसारित किया जाएगा। वर्तमान समय में इस पर्व को पर्यावरण और जल संरक्षण से जोड़ना भी एक सराहनीय पहल है।

पुरातन संस्कृति,परंपराओं, जीवनशैली की ओर लौटता मानव

सुनील कुमार महला

मानव सभ्यता ने पिछले कुछ दशकों में जितनी तीव्र गति से प्रगति की है, उतनी शायद इतिहास के किसी अन्य कालखंड में नहीं हुई। आज मनुष्य सुविधा-संपन्न जीवन जी रहा है। आज पक्के घर-मकान हैं, बिजली, पानी, वातानुकूलन, आधुनिक फर्नीचर, यातायात के लिए ट्रेन, बस, कार, स्कूटर, मोटरसाइकिल और विमान जैसी अनेक सुविधाएँ उपलब्ध हैं। कहना गलत नहीं होगा कि संचार क्रांति ने आज पूरी दुनिया को एक छोटे से गाँव में बदल दिया है। इंटरनेट, मोबाइल, स्मार्टफोन, लैपटॉप और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआइ) जैसी तकनीकों ने जीवन को तेज, आसान और बहुत ज्यादा सुविधाजनक बना दिया है। परंतु यह भी उतना ही सत्य है कि इन सब उपलब्धियों के बीच मनुष्य के जीवन से शांति, संतोष और आत्मीयता कहीं न कहीं कम होती चली गई है। सच तो यह है कि आज का मनुष्य जितना साधनों, मशीनों से समृद्ध हुआ है, उतना ही मानसिक रूप से वह व्यस्त, तनावग्रस्त और अकेला भी हुआ है।

आधुनिक जीवनशैली ने मनुष्य को सुविधाएं तो दी हैं, लेकिन यह भी एक कटु सत्य है इन सबने कहीं न कहीं मानव का चैन-ओ-सुकून छीन लिया है। आज का जीवन भागदौड़, प्रतिस्पर्धा, चिंता, तनाव और अवसाद का पर्याय बनता जा रहा है। हर व्यक्ति दौड़ रहा है, हर व्यक्ति को आज पदार्थ की चाहत है, पर यह स्पष्ट नहीं कि वह किस मंज़िल की ओर जा रहा है। पहले के समय में मनुष्य का जीवन प्रकृति के अधिक निकट था। लोग पैदल चलते थे, खेत-खलिहानों से जुड़े रहते थे, दिन-भर अथाह परिश्रम करते थे और शारीरिक रूप से अधिक स्वस्थ रहते थे। गाँवों में लोग कई-कई किलोमीटर/कोसों पैदल चलकर विद्यालय जाते थे। बाजार जाना हो, खेत जाना हो या किसी रिश्तेदार से मिलने जाना हो, पैदल चलना सामान्य बात थी। इस कारण मनुष्य का शरीर सक्रिय रहता था, बीमारियाँ कम होती थीं और जीवन में अनुशासन भी बना रहता था। आज छोटी से छोटी दूरी के लिए भी स्कूटर, मोटरसाइकिल या कार का उपयोग होने लगा है। इससे सुविधा तो बढ़ी है, पर मानव शरीर निष्क्रिय हो गया है। परिणामस्वरूप मोटापा, मधुमेह, रक्तचाप और हृदय रोग जैसी समस्याएँ तेजी से बढ़ी हैं। इतना ही नहीं, पहले संयुक्त परिवारों की परंपरा थी। एक ही घर में दादा-दादी, माता-पिता, चाचा-चाची, भाई-बहन और बच्चे साथ रहते थे। घर का मुखिया प्रायः परिवार का बुजुर्ग होता था, जिसकी बात को सम्मानपूर्वक माना जाता था। बुजुर्ग केवल उम्र में बड़े नहीं होते थे, वे अनुभव, ज्ञान और संस्कारों के केंद्र होते थे। परिवार के निर्णयों में उनकी भूमिका महत्वपूर्ण होती थी। बच्चे उनके सानिध्य में संस्कार सीखते थे, कहानियाँ सुनते थे और जीवन के मूल्य समझते थे। आज परिस्थितियाँ बहुत हद तक बदल चुकी हैं।

विचार

परशुराम की परंपरा और आज का ब्राह्मणः आत्ममंथन और आगे का रास्ता

डॉ राजाराम त्रिपाठी,

भारत के सामाजिक इतिहास में ब्राह्मण की भूमिका एक ऐसे दीपक की रही है, जो स्वयं जलकर समाज को प्रकाश देता रहा। परशुराम जयंती के इस अवसर पर यह प्रश्न केवल भावनात्मक नहीं, बल्कि गहरे आत्ममंथन का विषय है कि क्या वह दीपक आज भी प्रकाश दे रहा है, या स्वयं धुएं में घिर गया है।
स्वतंत्रता आंदोलन के समय का भारत देखें तो स्पष्ट होता है कि ब्राह्मण वर्ग केवल धार्मिक कर्मकांड का संरक्षक नहीं, बल्कि राष्ट्रीय चेतना का संवाहक था। बाल गंगाधर तिलक, गोपाल कृष्ण गोखले, मदन मोहन मालवीय और चंद्रशेखर आजाद जैसे नाम इस बात के प्रमाण हैं कि यह वर्ग विचार, शिक्षा और संघर्ष तीनों का केंद्र था। स्वतंत्र भारत के प्रथम प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू भी इसी परंपरा के प्रतिनिधि थे, जिन्होंने संस्थाओं के निर्माण में बौद्धिक दृष्टि दी। किन्तु स्वतंत्रता के बाद लोकतंत्र में वोट के गणित ने सामाजिक संरचना को नए सिरे से परिभाषित किया। संख्या, समीकरण और संगठित वोट बैंक राजनीति का आधार बने। लगभग 4 से 5 प्रतिशत जनसंख्या वाला ब्राह्मण वर्ग इस गणित में स्वाभाविक रूप से पीछे छूटता गया। संसद में उसका प्रतिनिधित्व, जो शुरूआती दशकों में 15 से 20 प्रतिशत तक माना जाता था, आज घटकर लगभग 5 से 7 प्रतिशत के बीच सिमट गया है और निरंतर नीचे जा रहा है।

उत्तर भारत में जहां कभी वह निर्णायक प्रभाव रखता था, वहीं आज वह ह्लस्विंग वोटरह्व बनकर रह गया है, जबकि दक्षिण भारत में, विशेषकर तमिलनाडु में, उसका राजनीतिक प्रभाव लगभग समाप्त हो चुका है।
परंतु यह केवल बाहरी परिघटना नहीं है। ब्राह्मण समाज की सबसे बड़ी विडंबना यह रही कि जब भी उसे सत्ता या पद मिला, उसने सबसे पहले अपने समाज से दूरी बना ली। वह व्यक्तिगत योग्यता से ऊपर उठता है, पर सामूहिक चेतना से कट जाता है। परिणाम यह हुआ कि राजनीति में जाकर भी वह अपने वर्ग के लिए संगठित शक्ति कभी नहीं बन पाया, जबकि अन्य वर्गों ने राजनीति को अपने सामाजिक सशक्तिकरण, सर्वविध उन्नति का प्रभावी माध्यम बनाया। यहीं एक गहरी और अक्सर अनदेखी सच्चाई सामने आती है।
ब्राह्मण परंपरा का मूल स्वभाव जातिगत आग्रह नहीं, बल्कि योग्यता-आधारित स्वीकार्यता रहा है। यही कारण है कि भारतीय समाज के सबसे प्रतिष्ठित देवस्थल और आराध्य केवल ब्राह्मण अथवा किसी एक जाति के प्रतिनिधि नहीं हैं। भगवान राम, जो क्षत्रिय वंश में जन्मे, उन्हें ह्लमयार्दा पुरुषोत्तमह्व के रूप में प्रतिष्ठा मिली, और उनके मंदिर उत्तर से दक्षिण तक बने। भगवान कृष्ण, जो यदुवंशी थे, उन्हें ह्लपूर्णावतारह्व के रूप में स्वीकार किया गया, और द्वारका से लेकर वृंदावन और जगन्नाथ पुरी तक उनकी भक्ति का विस्तार हुआ। रामायण की रचना वाल्मीकि ने की और तुलसीदास ने उसे जन-जन तक पहुंचाया। हर ब्राह्मण परिवार में यदुकुलनंदन की "भगवद-गीता"और सूर्यवंशी क्षत्रिय इक्ष्वाकु कुलभूषण रघुकुल नन्दन की रामकथा का होना इस व्यापक स्वीकार्यता का प्रमाण है।
यहां प्रश्न उठना स्वाभाविक है कि यदि ब्राह्मण केवल जाति-केन्द्रित होते, तो क्या वे अपने ही कुल के महापुरुष भगवान परशुराम को ही सर्वाधिक स्थापित नहीं करते? इतिहास में परशुराम के मंदिर हमें प्रायः दिखाई नहीं देते हैं, जबकि राम और कृष्ण के मंदिर पूरे देश में फैले हैं? इसका उत्तर यही है कि ब्राह्मण परंपरा ने सदैव गुण, धर्म और लोकहित को प्राथमिकता दी, न कि केवल जातिगत पहचान को। उसने समाज के लिए जो सर्वोत्तम लगा, उसे ही प्रतिष्ठित किया। आज जब ब्राह्मण समाज पर सामूहिक दोषारोपण की प्रवृत्ति बढ़ रही है, तब इस ऐतिहासिक संतुलन को समझना और भी आवश्यक हो जाता है।
समाज के अनेक वर्ग अपनी ऐतिहासिक पीड़ाओं और वर्तमान समस्याओं का कारण ब्राह्मण को मानने लगे हैं। यह प्रवृत्ति न केवल बौद्धिक रूप से कमजोर है, बल्कि न्याय के मूल सिद्धांतों के भी सर्वथा विरुद्ध है। दुनिया की कोई भी निष्पक्ष न्याय व्यवस्था यह स्वीकार नहीं कर सकती कि किसी व्यक्ति को उसके कथित पूर्वजों के कथित कर्मों के लिए, वह भी हजारों वर्षों बाद, दंडित किया जाए।

वोट की कुत्सित राजनीति ने प्रायः इस विलगाव तथा प्रतिशोधात्मक प्रवृत्ति को बढ़ावा दिया है।

एक्शन इंडिया दैनिक

भगवान शंकर जी के ग्यारहवें रुद्रावतार हनुमान जी (मेंहदीपुर, श्री बाला जी) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार-पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में श्रद्धापूर्वक समर्पित है।

आरएनआईः UTTHIN / 2009 / 31653

एक्शन इंडिया मल्टीमीडिया प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक रवि भारद्वाज द्वारा एक्शन इंडिया कार्यालय, 7/1, बल्लूपुर रोड, डॉ टीपी पटनायक के सामने, कृष्ण नगर चौक के पास, देहरादून, उत्तराखण्ड से प्रकाशित एवं मारुतिनंदन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स, शक्ति कॉम्प्लेक्स, 6/18, समयपुर इंडस्ट्रियल एरिया, दिल्ली-110042 से मुद्रित।
संस्थापक : श्रद्धेय राकेश भारद्वाज जी
समूह संपादक : रवि भारद्वाज (9999889104)
स्थानीय संपादक : हिमांशु अनिकेत (9837313943)
‘एक्शन इंडिया’ में प्रकाशित लेखों में व्यक्त किये गये विचार एवं दृष्टिकोण संबंधित लेखक के हैं। संपादक केवल पीआरबी एक्ट के तहत ही उत्तरदायी। किसी भी विवाद का न्यायिक क्षेत्र दिल्ली ही होगा।
actionindiaddn@gmail.com

वैधानिक सूचना

पाठकों को सलाह है कि एक्शन इंडिया, समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के आधार पर कोई निर्णय लेने से पहले विज्ञापन में प्रकाशित उक्त उत्पाद या सेवा के बारे में आवश्यक जांच-पड़ताल कर लें। समाचार पत्र प्रबंधक किसी भी विज्ञापन में गुणवत्ता, सेवा आदि के विवरण के बारे में विज्ञापनदाता द्वारा किए गए दावे या उल्लेख की पुष्टि या समर्थन नहीं करता है। अतः समाचार पत्र उक्त विज्ञापनों के बारे में किसी प्रकार से उत्तरदायी नहीं होगा।

आलेख

अदृश्य शक्ति जो हमारे दैनिक जीवन को आकार देती है

डॉ विजय गर्ग

विज्ञान को अक्सर प्रयोगशालाओं, जटिल समीकरणों और अभूतपूर्व खोजों से जोड़ा जाता है। फिर भी, इसके कुछ सबसे शक्तिशाली योगदान छिपे हुए हैं। हम अपने दैनिक जीवन को सुचारू, सुरक्षित और अधिक कुशल बनाने के लिए चुपचाप काम कर रहे हैं। जागने के क्षण से लेकर सोने तक, विज्ञान ऐसे तरीकों से काम करता है जिन पर हम शायद ही कभी ध्यान देते हैं, लेकिन उन पर गहराई से निर्भर रहते हैं। एक सरल सुबह की दिनचर्या पर विचार करें। जब स्मार्टफोन पर अलार्म बजता है, तो वह सिर्फ एक उपकरण नहीं होता, बल्कि इलेक्ट्रॉनिक्स, सामग्री विज्ञान

और सॉफ्टवेयर इंजीनियरिंग में हुई प्रगति का परिणाम होता है। नल से बहने वाले पानी को सावधानीपूर्वक डिजाइन की गई निस्पंदन और रासायनिक प्रक्रियाओं के माध्यम से शुद्ध किया गया है। यहां तक कि हमारे द्वारा इस्तेमाल किया जाने वाला टूथपेस्ट भी रसायन विज्ञान और स्वास्थ्य विज्ञान में किए गए शोध का परिणाम है, जो कैविटी और मसूड़ों की बीमारियों से सुरक्षा सुनिश्चित करता है। परिवहन एक और क्षेत्र है जहां विज्ञान चुपचाप काम करता है। चाहे वह साइकिल हो, कार हो या रेलगाड़ी, गति, घर्षण और ऊर्जा जैसे भौतिकी के सिद्धांत लगातार लागू होते रहते हैं। आधुनिक वाहन एयरबैग और एंटी-लॉक ब्रेकिंग सिस्टम जैसी सुरक्षा सुविधाओं से सुसज्जित हैं, ये सभी कई वर्षों के वैज्ञानिक परीक्षण और नवाचार के माध्यम से तैयार किए गए हैं।

हर सुचारू यात्रा के पीछे विश्वसनीयता और सुरक्षा सुनिश्चित करने वाले इंजीनियरों और शोधकताओं का एक नेटवर्क होता है। संचार की दुनिया में, विज्ञान ने हमारे संपर्क के तरीके को बदल दिया है। मोबाइल नेटवर्क, उपग्रह और इंटरनेट सिग्नल और डेटा ट्रांसमिशन की जटिल प्रणालियों के माध्यम से काम करते हैं। जो एक साधारण वीडियो कॉल के रूप में दिखाई देता है, वह वास्तव में विद्युत चुम्बकीय तरंगों, कोडिंग एल्गोरिदम और वैश्विक बुनियादी ढांचे का एक परिष्कृत अंतःक्रिया है।

कई प्रश्नों को जन्म देता है महिला आरक्षण विधेयक का गिरना

प्रो.(डा.) मनमोहन प्रकाश

भारत जैसे जीवंत लोकतंत्र में महिलाओं की सक्रिय भागीदारी न केवल एक सामाजिक आवश्यकता है, बल्कि हमारे संवैधानिक आदर्शों की अनिवार्य शर्त भी है। सांख्यिकीय दृष्टि से देखें तो 2011 की जनगणना के अनुसार प्रति 1000 पुरुषों पर 943 महिलाएँ थीं, जबकि एनएफएचएस-5 के नवीनतम आँकड़े लिंगानुपात में सुधार दशार्ते हुए प्रति 1000 पुरुषों पर 1020 महिलाओं की उपस्थिति दर्ज करते हैं। स्पष्ट है कि देश की लगभग आधी आबादी महिलाओं की है। ऐसे में यह प्रश्न उठना अपरिहार्य है कि क्या नीति-निर्धारण के सर्वोच्च मंचों(संसद और विधानसभाओं)पर उनकी भागीदारी इस अनुपात के अनुरूप है राजनीति और समाजशास्त्र के विशेषज्ञों का मत है कि लोकसभा और विधानसभा में महिलाओं के न्यून प्रतिनिधित्व के कारण उनके सरोकारों को वह स्वर नहीं मिल पाता, जिसकी वे हकदार हैं। विडंबना देखिए कि यदि इन सदनों में उनकी सहभागिता प्रभावी होती, तो क्या महिलाओं के उत्थान से संबंधित कोई

विधेयक इस तरह गिर सकता था हाल ही में, वर्ष 2029 के चुनावों से महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण प्रदान करने के उद्देश्य से लाया गया नारी शक्ति वंदन विधेयक (131वाँ संविधान संशोधन विधेयक) संसद में दो-तिहाई बहुमत न मिल पाने के कारण पारित नहीं हो सका। केंद्र सरकार का यह महत्वाकांक्षी स्वप्न राजनीति की भेंट चढ़ गया। यह घटना भारतीय राजनीति की जटिलताओं और प्राथमिकताओं पर पुनर्विचार करने को विवश करती है। यहाँ विचारणीय है कि क्या महिला प्रतिनिधित्व केवल एक चुनावी मुद्दा भर है
महिला आरक्षण का प्रश्न दशकों से लंबित है। यह मात्र एक विधायी प्रस्ताव नहीं, अपितु लैंगिक समानता की दिशा में एक क्रांतिकारी कदम है। इसके बावजूद विधेयक का गिरना क्या यह संकेत नहीं देता कि महिला सशक्तिकरण को आज भी राजनीतिक लाभ-हानि के तराजू पर तौला जा रहा है जहाँ सत्तापक्ष ने प्रधानमंत्री की अपील और गृहमंत्री के स्पष्टीकरण के माध्यम से अपनी प्रतिबद्धता दशार्ने का प्रयास किया, वहीं विपक्ष का रुख कई गंभीर प्रश्न छोड़ गया जैसे

हरियाणा सरकार की घोषणाएं मात्र दिखावा, मंडियों में किसान हो रहे परेशानः राजेन्द्र सोरखी

पोर्टल और बायोमेट्रिक जैसी पाबंदियों से किसानों को छुटकारा दिया जाये : राजेन्द्र सोरखी

टीम एक्शन इंडिया
हांसी(दिनकर गावड़ी)ःझ
आम आदमी पार्टी ने कहा है कि प्रदेश सरकार किसानों के लिये जो घोषणाएं कर रही है, वे मात्र दिखावा है। धरातल पर सच्चाई इससे कोसों दूर है। प्रदेश भर की सभी मंडियों में लाखों किसान अनेक समस्याओं का सामना कर रहे हैं।
प्रेस को जारी बयान में पार्टी के जिला अध्यक्ष राजेन्द्र सोरखी ने कहा कि कहीं गेट पास, कहीं फसल रखने की जगह नहीं, फसल का उठान नहीं तो कहीं फसल का भुगतान नहीं किया जा रहा। दर्जनों मंडियों में किसानों के लिये पीने का पानी तक उपलब्ध नहीं है। मंडियों में समुचित व्यवस्था न होने के कारण गेहूं को खुले में रखा

बयान
कहीं गेट पास, कहीं फसल की जगह नहीं, फसल का उठान नहीं तो कहीं फसल का भुगतान नहीं

जा रहा है। बारिश व ओलावृष्टि की मार पहले ही किसान झेल चुका है। अब मंडियों में पुनः फसल खराब होने का भय है। उन्होंने हरियाणा के विभिन्न जिलों जैसे हिसार, सिरसा, फतेहाबाद, रेवाड़ी, भिवानी, चरखी दादरी और महेंद्रगढ़ में हुई बेमौसमी बारिश और भारी ओलावृष्टि से फसलों को हुए भारी नुकसान पर किसानों के प्रति गहरी चिंता व्यक्त की है। राजेन्द्र सोरखी ने प्रदेश की

भाजपा सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि भाजपा सरकार की किसान विरोधी नीतियों और लगातार हो रही किसानों की अनदेखी के कारण हरियाणा का अन्नदाता बेहाल है। सरकार की करनी और कथनी में जमीन-आसमान का अंतर है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी कह रहे हैं कि सरकार भरपाई करेगी लेकिन सच तो यह है कि किसानों को पिछली बार हुई बारिश और ओलावृष्टि का मुआवजा आज तक नहीं मिला है। यह सरकार केवल वादे करना ही जानती है, उन्हें निभाने नहीं।
राजेन्द्र सोरखी ने सैनी सरकार पर सीधा कटाक्ष करते हुए कहा कि भाजपा सरकार में किसानों को पोर्टल के जाल में उलझा कर रख दिया है। किसानों का हित इसी में है कि सरकार पोर्टल और बायोमेट्रिक जैसी अनावश्यक पाबंदियों से उन्हें तत्काल मुक्ति दे ताकि वे अपनी फसलों को मंडियों में बिना किसी बाधा के बेच सके। हरियाणा के किसानों के लिए खेती से ज्यादा मुश्किल सरकारी प्रक्रिया हो गई है। पहले बुवाई के लिए पोर्टल पर विवरण देना, फिर खाद के लिए पंजीकरण करना और फसल बेचने के समय फिर से पोर्टल की पेचीदीगियों से जूझना आदि यह अन्नदाता का उत्पीड़न नहीं तो और क्या है। और रही सही कसर मंडी प्रवेश पर बायोमेट्रिक अनिवार्य करके पूरी कर दी गई है। अन्नदाता पूरे देश का पेट भरने जैसा पवित्र कार्य करता है, लेकिन अफसोस की सरकार उन पर शक करती है इसलिए अविश्वास के कारण किसानों को पोर्टल और बायोमेट्रिक जैसे बेतुकी अनिवार्यताओं में उलझाया जा रहा है। उन्होंने भाजपा सरकार को चेतावनी देते हुए कहा कि यदि सैनी सरकार ने जल्द ही मुआवजे की प्रक्रिया धरातल पर शुरू नहीं की तो आम आदमी पार्टी किसानों के हकों के लिए सडकों पर उतरने से पीछे नहीं हटेगी।

किरण कुमार बने करनाल प्रोपर्टी डीलर्स एसोसिएशन के प्रधान

टीम एक्शन इंडिया
राजकुमार प्रिंस
करनाल। करनाल प्रोपर्टी डीलर एसोसिएशन की बैठक का आयोजन जिमखाना क्लब में किया गया, जिसमें एसोसिएशन के चुनाव सर्वसम्मति से संपन्न हुए। चुनाव में एसोसिएशन के अध्यक्ष पद पर किरण कुमार काम्बोज तथा महासचिव पद पर संजीव वशिष्ठ निर्वाचित हुए। बैठक में पार्षद वीर विक्रम कुमार विशेष तौर पर मौजूद रहे।
एसोसिएशन के अन्य पदाधिकारियों में विजय बत्रा को उपप्रधान, जतिन नारंग को सहसचिव, राजीव तरीका को कोषाध्यक्ष तथा गौरव खुराना को आइपीपी निर्वाचित किया गया।

बैठक
प्रशासन के साथ विधायक जगमोहन आनंद का पूरा सहयोग मिला : किरण कुमार

चेयमैन एचएन आनंद के साथ सलाहकार समिति में ललित बंसल, शैलेंद्र कत्याल, नितिन लखनपाल, विपिन मरवाह, लोकेश दुग्गल तथा तेजेंद्र आहुजा को मीडिया कोर्डिनेटर बनाया गया।
एसोसिएशन के दूसरी बार प्रधान बने किरण कुमार काम्बोज ने बताया कि उन्हें जिला प्रशासन, विधायक तथा मेयर का पूरा समर्थन मिल रहा है। उनकी समस्याओं के निराकरण में विधायक जमोहन आनंद हमेशा तैयार रहते हैं। उन्होंने डीसी के सामने जब अपनी समस्याओं को उठाया है, उसको उन्होंने ध्यान से सुनकर निराकरित किया है।
उन्होंने कहा कि करनाल मकान बनाने वालों के लिए देश में सबसे पसंदीदा स्थान बन गया है। यहां पर प्रोपर्टी के दाम बढ़ रहे हैं।

नारी शक्ति वंदन अधिनियम पर राजनीति दुर्भाग्यपूर्ण : मेयर

टीम एक्शन इंडिया
नितिन सिंगला जगाधरी
यमुनानगर। नारी शक्ति वंदन अधिनियम को लेकर जारी बहस के बीच नगर निगम मेयर ने केंद्र सरकार और प्रधानमंत्री के प्रयासों की सराहना करते हुए विपक्ष के रवैये पर कड़ी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए लगातार ऐतिहासिक निर्णय ले रही है।
नारी शक्ति वंदन अधिनियम इसी दिशा में एक बड़ा और परिवर्तनकारी कदम है, जिससे देश की माताओं, बहनों और बेटियों को 33 प्रतिशत आरक्षण के माध्यम से नई ताकत और अधिकार मिलेगा। उन्होंने कहा कि सरकार महिलाओं को केवल योजनाओं तक सीमित नहीं रख

रही, बल्कि उन्हें निर्णय लेने की प्रक्रिया में सहभागी बनाकर सशक्त भारत की नींव रख रही है।
मेयर ने आरोप लगाया कि कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों ने संसद में इस महत्वपूर्ण विषय पर जिस प्रकार का व्यवधान उत्पन्न किया, वह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। महिलाओं के अधिकारों से जुड़े इस ऐतिहासिक अवसर पर भी राजनीति करना नारी शक्ति के सम्मान के अनुरूप नहीं है। इस प्रकार के अवरोध केवल विकास की गति को धीमा करते हैं और देश की महिलाओं की अपेक्षाओं के साथ न्याय नहीं करते।
मेयर ने विश्वास जताया कि देश की महिलाएं जागरूक हैं और वे यह भली-भांति समझती हैं कि कौन उनके सशक्तिकरण के लिए कार्य कर रहा है और कौन इसमें बाधा बन रहा है। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में देश की महिलाएं अपने अधिकारों और सम्मान के पक्ष में सशक्त निर्णय लेगी और ऐसे कृत्यों का लोकतांत्रिक तरीके से जवाब अवश्य देंगी।

युवक ने फंदा लगाकर किया सुसाइड

टीम एक्शन इंडिया
राजकुमार प्रिंस
करनाल। शहर की बहादुरचंद कॉलोनी में एक युवक ने संदिग्ध हालात में घर के कमरे में पंखे से फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना के वक्त उसकी पत्नी काम पर गई हुई थी और बच्चे स्कूल में थे। घर में मौजूद छोटी बहू ने उसे फंदे पर लटका देखा तो शोर मचा दिया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए कल्पना चावला मेडिकल कॉलेज भेज दिया। दोपहर बाद शव का पोस्टमॉर्टम करवा शव परिजनों के हवाले कर दिया।
मृतक की पहचान 32 वर्षीय राजू के रूप में हुई है, जो पेशे से मिस्त्री था। परिवार के अनुसार राजू के दो बच्चे हैं, जिनमें एक लडका और एक लडकी शामिल हैं। घटना शनिवार की बताई जा रही है, जब घर के बाकी सदस्य बाहर थे।

ट्रैक्टर से किसान को कुचलने की कोशिश

टीम एक्शन इंडिया
राजकुमार प्रिंस
करनाल।
जिले के गांव गढ़ी बीरबल में पुरानी रंजिश के चलते एक किसान के खेत में घुसकर गेहूं की फसल को नुकसान पहुंचाने और जान से मारने की कोशिश का मामला सामने आया है। आरोप है कि ट्रैक्टर से फसल उजाड? की कोशिश की गई और विरोध करने पर किसान को कुचलने का प्रयास किया गया।
शोर मचाने पर आरोपी मौके से फरार हो गए। पुलिस ने शिकायत के आधार पर केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।
गढ़ी बीरबल निवासी अमर सिंह पुत्र श्याम सिंह ने बताया कि उसका गांव के ही रामपाल पुत्र मंगत राम के साथ पहले से विवाद चल रहा है। इस मामले को लेकर अदालत में केस भी चल रहा है, जिसके चलते आरोपी उससे रंजिश रखता है। अमर सिंह के अनुसार 17 अप्रैल को रामपाल ट्रैक्टर-हैरो लेकर 5-6 अन्य व्यक्तियों के साथ उसके खेत में पहुंचा। आरोप है कि सभी ने मिलकर गेहूं की खड़ी फसल को ट्रैक्टर-हैरो से उजाड? की कोशिश शुरू कर दी, जिससे खेत में काफी नुकसान हुआ। पीड़ित ने बताया कि जब वह दूर से भागकर अपने खेत में पहुंचा तो रामपाल ने ट्रैक्टर-हैरो उसके ऊपर चढ़ाने की कोशिश की। उसने किसी तरह भागकर अपनी जान बचाई और शोर मचा दिया। इसके बाद आरोपी कुछ समय तक फसल को नुकसान पहुंचाते रहे।
अमर सिंह का कहना है कि जाते समय रामपाल और उसके साथ आए अन्य लोगों ने उसे जान से मारने और फसल उजाड? की धमकी दी। पीड़ित ने बताया कि उसे अपनी जान-माल का खतरा बना हुआ है और उसने आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।

न्यूज फ्लैश

नेशनल सेल्स मैनेजर सहित 7 के खिलाफ मामला दर्ज

टीम एक्शन इंडिया
राजकुमार प्रिंस
करनाल। शहर के सेक्टर-3 एक्सटेंशन स्थित एक दवा कंपनी में लाखों रुपए की हेराफेरी का मामला सामने आया है। कंपनी की आंतरिक जांच में अनियमितताएं मिलने के बाद पुलिस में शिकायत दी गई। जांच के बाद पुलिस ने नेशनल सेल्स मैनेजर सहित सात लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया है। आरोप है कि कंपनी के कर्मचारियों ने मिलकर गलत तरीके से दवाइयों की सप्लाई की, भुगतान अपने पास रखा और कंपनी को आर्थिक नुकसान पहुंचाया।
कंपनी के डायरेक्टर अजय बंसल ने बीती 28 मार्च को एसपी को शिकायत दी थी। इसमें बताया कि उनकी कंपनी त्रद्गह्लह्लद्बठ्ठ रुद्बद्घद्गह्यष्द्बद्गठ्ठष्द्गह्य क्क1ह्. रुह्लस्र. दवाइयों के थोक व्यापार से जुड़ी है। कंपनी में कार्यरत नेशनल सेल्स मैनेजर मनविंदर सिंह ने अपने पद का दुरुपयोग करते हुए 64 लाख 30 हजार 263 रुपए की हेराफेरी की। शिकायत के अनुसार मनविंदर सिंह ने बिना किसी इंटरव्यू और चयन प्रक्रिया के अपने परिचितों को कंपनी में नियुक्त कर दिया। इनमें रोहिन कुमार यादव, नकुल शर्मा, अंकित कुमार, संतोष कुमार, प्रदीप सिंह और अनुज सक्सेना शामिल हैं। आरोप है कि इन सभी ने मिलकर फर्जी पार्टियों के साथ साठगांठ कर दवाइयों की सप्लाई की और रकम हड़प ली।
जांच में सामने आया कि मनविंद्र सिंह के खाते में 33 लाख 83 हजार 417 रुपए बकाया हैं। रोहिन कुमार यादव पर 6,96,256 रुपए, नकुल शर्मा पर 4,01,130 रुपए, अंकित कुमार पर 4,25,128 रुपए, संतोष कुमार पर 8,01,472 रुपए, प्रदीप सिंह पर 75,068 रुपए और अनुज सक्सेना पर 6,47,792 रुपए बकाया हैं। कुल मिलाकर 64,30,263 रुपए की राशि लंबित है।
जांच में यह भी सामने आया कि कई पार्टियों से प्राप्त नकद राशि कंपनी के बैंक खाते में जमा नहीं करवाई गई। उदाहरण के तौर पर शिव मेडिकल हॉल, शाहजहांपुर से 1,03,404 रुपए नकद लिए गए, लेकिन कंपनी को इसकी जानकारी नहीं दी गई।
शिकायत में बताया गया कि विभिन्न फर्मों द्वारा कंपनी के नाम जारी किए गए चेक भी कर्मचारियों ने जमा नहीं कराए। मनविंदर सिंह के पास कई फर्मों के चेक मिले, जबकि रोहिन कुमार यादव और प्रदीप सिंह के पास भी अलग-अलग फर्मों के चेक होने की बात सामने आई है।
कंपनी की नीति के अनुसार 90 दिन की क्रेडिट लिमिट तय थी, लेकिन आरोपियों ने इस नियम का उल्लंघन करते हुए ज्यादा माल सप्लाई किया। कई फर्जी और खराब देनदार पार्टियों को जान-बूझकर माल दिया गया, जिससे कंपनी को नुकसान हुआ। भारत फार्मास्यूटिकल्स, चिकत्सा 24, एमएनपी एंटरप्राइजेज और एके मेडिकोज जैसी फर्मों के नाम सामने आए हैं।
कुछ मामलों में आरोप है कि मनविंदर सिंह और रोहिन कुमार यादव ने फर्जी पार्टियों के साथ मिलकर धोखाधड़ी की। मोरादाबाद और रुद्रपुर की फर्मों ने इनके खिलाफ लिखित शिकायत भी दी है। कंपनी द्वारा कई बार नोटिस भेजे जाने के बावजूद मनविंदर सिंह ने लेजर मिलान, भुगतान और रिकवरी से जुड़ी जानकारी नहीं दी। इसके अलावा बिना काम किए वेतन और खर्चे लेने का भी आरोप है। जांच में यह भी सामने आया कि मनविंदर सिंह एक ही समय में दो जगह नौकरी कर रहा था। इससे उसके कार्यों पर और संदेह बढ़ गया है।
पुलिस चौकी सेक्टर-4 में 30 मार्च को जांच के लिए आया था। जांच के दौरान आरोपी पक्ष शामिल नहीं हुआ और न ही कोई दस्तावेज पेश किए। प्रथम दृष्टया जांच में सभी आरोपियों द्वारा नौकरी के दौरान हेराफेरी करना पाया गया। बीती रात करनाल सिटी पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। मामले की जांच एएसआई दीपक को सौंपी गई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है और आरोपियों के खिलाफ आगे की कार्रवाई की जा रही है।

ट्रैक्टर के नीचे आने से युवक की मौत

टीम एक्शन इंडिया
राजकुमार प्रिंस
करनाल। जिले के इंद्री में ईंट भे पर काम करने वाले एक युवक की ट्रैक्टर हादसे में मौत हो गई। जानकारी के मुताबिक कच्ची ईंट भरकर लौटते समय ट्रैक्टर की तेज रफ्तार और लापरवाही के कारण युवक नीचे गिर गया और पीछे का टायर उसके ऊपर से गुजर गया। मौके पर ही उसकी मौत हो गई। हादसे के बाद चालक ट्रैक्टर-ट्रॉली को मौके पर छोडकर फरार हो गया। पुलिस ने शिकायत के आधार पर केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।
शामली जिले के गांव दुलावा निवासी मुकेश ने बताया कि वह बिलासपुर (यमुनानगर) में नरेश भे पर काम करता है। उसका भाई 25 वर्षीय कमल एमआरजे भा रम्बा पर कच्ची ईंट भरने का काम करता था। मुकेश के अनुसार कल रात उसे फोन पर सूचना मिली कि उसके भाई कमल का एक्सीडेंट हो गया है। सूचना मिलते ही वह भे पर पहुंचा, जहां उसे पूरे मामले का पता चला। जानकारी के अनुसार कल कमल और ट्रैक्टर चालक कमल उर्फ गोली निवासी समोरा ट्रैक्टर-ट्रॉली लेकर एमआरजे भे से गांव समौरा में कच्ची ईंट लेने गए थे। रात करीब 8 बजे दोनों ईंट लोड करके वापस लौट रहे थे। इसी दौरान कमल ट्रैक्टर के साइड में बैठा हुआ था। आरोप है कि चालक कमल उर्फ गोली ने ट्रैक्टर को अचानक तेज रफ्तार और लापरवाही से चला दिया, जिससे कमल संतुलन खोकर नीचे गिर गया। गिरते ही ट्रैक्टर का पिछला टायर उसके ऊपर से गुजर गया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई।
हादसे के बाद चालक ट्रैक्टर-ट्रॉली को मौके पर छोडकर फरार हो गया। ट्रैक्टर पर नंबर नहीं लिखा था। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर करनाल के कल्पना चावला मेडिकल कॉलेज की मोच्युरी में रखवाया गया। आज पोस्टमॉर्टम के बाद शव परिजनों के हवाले कर दिया। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

भारत ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन्स द्वारा जॉब एक्सपो का किया आयोजन

कार्यक्रम
यह कार्यक्रम माननीय अध्यक्ष प्रो. कैलाशो सैनी के मूल्यवान मार्गदर्शन में आयोजित किया गया।

टीम एक्शन इंडिया
लाडवा, 18 अप्रैल (विजय कौशिक) : भारत ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन्स द्वारा ह्लजॉब एक्सपो 2026ह्व का सफल आयोजन किया गया। जो विद्यार्थियों के लिए रोजगार के उत्कृष्ट अवसर प्रदान करने वाला एक महत्वपूर्ण मंच साबित हुआ। यह कार्यक्रम माननीय अध्यक्ष प्रो. कैलाशो सैनी के मूल्यवान मार्गदर्शन में आयोजित किया गया।
संस्थान के चेयरमैन ओम नाथ सैनी, वाइस चेयरमैन भारत सैनी तथा डायरेक्टर रुबेल शर्मा के कुशल नेतृत्व और सहयोग से इस आयोजन को भव्य एवं सफल बनाया गया। जॉब एक्सपो

में विभिन्न प्रतिष्ठित कंपनियों ने भाग लिया और विद्यार्थियों को अपने करियर को नई दिशा देने का सुनहरा अवसर प्राप्त हुआ। इस आयोजन में लगभग 200 छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और प्लेसमेंट के अवसरों का लाभ उठाया। विभिन्न प्रतिष्ठित उद्योगों और संगठनों ने भर्ती प्रक्रिया में भाग लेते हुए छात्रों को करियर के बेहतर अवसर प्रदान किए। फामेर्सी छात्रों के लिए लेबोरेट फार्मास्यूटिकल, धानुका फार्मास्यूटिकल्स, बायोमेक्स बायोटेक्निक प्रा. लि., बायोफील्ड फार्मा, ओम साई हेल्थकेयर, उजाला सिग्नस हॉस्पिटल तथा पार्क हॉस्पिटल जैसी प्रमुख संस्थाओं ने साक्षात्कार आयोजित किए।
इसके अतिरिक्त भारतीय जीवन बीमा निगम, जी एंड एम कंसल्टेंट, ब्रिल अटॉर्नी, देसवाल एसोसिएट, एक्सिस बैंक तथा एसबीआई बैंक ने भी विभिन्न क्षेत्रों में अवसर प्रदान किए। यह आयोजन न केवल विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की ओर एक सशक्त कदम है, बल्कि संस्थान की गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और उद्योग से मजबूत जुड़ाव को भी दर्शाता है। इस कार्यक्रम का आयोजन डॉ. लवकेश भाटिया (प्राचार्य, भारत इंस्टीट्यूट ऑफ फामेर्सी), डॉ. अनिल नागर (प्राचार्य, भारत कॉलेज ऑफ लॉ) तथा डॉ. मोनिका शर्मा (समन्वयक, क्क्क्क सेल) इस अवसर पर सभी स्टाफ सदस्यों का विशेष योगदान रहा, जिनकी मेहनत, समर्पण और समन्वय से कार्यक्रम को सफलतापूर्वक संपन्न किया गया।

उपायुक्त ने किया जुंडला व असंध अनाज मंडियों का औचक निरीक्षण

टीम एक्शन इंडिया
कमल मिड्ढा
करनाल। डीसी डॉ. आनंद कुमार शर्मा ने शनिवार को जुंडला व असंध अनाज मंडियों का दौरा कर गेहूं खरीद, उठान व्यवस्था और गेट पास प्रणाली का जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों को निर्धारित मानकों के अनुसार खरीद सुनिश्चित करने तथा उठान में तेजी लाने के निर्देश दिए।
उन्होंने निर्देश दिए कि किसानों को किसी भी प्रकार की परेशानी नहीं होनी चाहिए और सभी व्यवस्थाएं सुचारू रूप से संचालित रहें।
निरीक्षण के दौरान डीसी ने मंडी में पहुंचकर गेहूं की ढेरियों पर नमी

मापक यंत्र से नमी की जांच करवाई। इसके साथ ही उन्होंने गेट पास व बायोमीट्रिक प्रक्रिया का भी जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने मंडी में उपलब्ध करवाई जा रही मूलभूत सुविधाओं की भी समीक्षा की और कहा कि व्यवस्थाओं में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।
उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सरकार की प्राथमिकता किसानों की फसल की समय पर खरीद, उठान और भुगतान सुनिश्चित करना है। उन्होंने निर्देश दिए कि किसानों और आढ़तियों को किसी प्रकार की कोई समस्या नहीं आनी चाहिए।

पीएम विश्वकर्मा योजना से कारीगरों और शिल्पकारों के हुनर को मिल रही नई पहचानः डा. आनंद कुमार शर्मा

टीम एक्शन इंडिया
कमल मिड्ढा
करनाल। उपायुक्त डॉ. आनंद कुमार शर्मा ने कहा कि शिल्पकार व कारीगर समाज के नवनिर्माण में अपना बहुमूल्य सहयोग देते हैं। शिल्पकारों व कारीगरों के हुनर को सम्मान देते हुए केंद्र सरकार की ओर से पीएम विश्वकर्मा योजना चलाई जा रही है, जिससे उनके हुनर को पहचान मिल रही है।उपायुक्त ने बताया कि पीएम विश्वकर्मा योजना भारत की पारंपरिक कला और शिल्पकला को जीवित रखने और देश के कारीगरों और शिल्पकारों की आर्थिक स्थिति सुदृढ़ करने में सहायक है। पीएम विश्वकर्मा योजना का मुख्य लक्ष्य कारीगरों और शिल्पकारों के उत्पादों की पहुंच को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर तक बढ़ावा देना और उनकी गुणवत्ता में सुधार लाना है। इसके साथ ही यह सुनिश्चित करना कि वे घरेलू और वैश्विक मूल्य श्रृंखलाओं के साथ एकीकृत हों। यह योजना पूरे ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के कारीगरों और शिल्पकारों को सहायता प्रदान करती है। पात्र आवेदक कॉमन सर्विस सेंटर (सीएससी) पर जाकर मोबाइल सत्यापन और आधार ई-केवाईसी के माध्यम से पीएम विश्वकर्मा योजना पोर्टल पर पंजीकरण करके पीएम विश्वकर्मा योजना के लिए आवेदन कर सकते हैं।

विधायक निखिल मदान पहुँचे कच्चे क्वार्टर बाजार

टीम एक्शन इंडिया
सोनीपत :
विधायक निखिल मदान ने शनिवार को कच्चे क्वार्टर बाजार का दौरा किया और चोरी की घटनाओं का मौके पर पहुंचकर जायजा लिया। विधायक निखिल मदान ने मौके पर ही संबंधित पुलिस अधिकारियों को तुरंत प्रभाव से चोरों को पकड़ने और बाजार में रात के समय पुलिस गश्त बढ़ाने के निर्देश दिए।
विधायक निखिल मदान ने बताया कि कुछ दुकानदार भाईयों की दुकानों पर लगे कैमरे में चोरों की गतिविधि देखी गई है। इन चोरों को जल्द ही पकड़ कर कानूनी कार्यवाही अमल में लाई जाएगी। इस अवसर पर लवली भाई,अमन भाई, सुभाष भाई,अमित गुलाटी, रिंकू की दुकानों का दौरा किया।

इस अवसर पर पवन तनेजा, संजीव वलेचा , लव भूटानी, राकेश चोपड़ा,अमित गुलाटी ,स्वामी सुरेशानंद,अमित मदान आदि लोग मौजूद रहे।

न्यूज फ्लैश

जनता पब्लिक स्कूल में बैगलेस डे व अलंकरण समारोह आयोजित

रादौर, 18 अप्रैल (कुलदीप सैनी) : जनता पब्लिक स्कूल, अलाहर में एनईपी 2020 के तहत कक्षा पहली से बारहवीं तक के विद्यार्थियों के लिए बैगलेस डे एवं अलंकरण समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ चेयरमैन मुकेश शास्त्री, एमडी रूबी कंबोज व प्रधानाचार्य डॉ. कल्पना बजाज ने दीप प्रज्वलित कर किया। बैगलेस डे पर विद्यार्थियों ने कला, विज्ञान प्रयोग, खेलकूद, संगीत व व्यक्तित्व विकास से जुड़ी गतिविधियों में बढ़-चढ़कर भाग लिया। वहीं अलंकरण समारोह में सत्र 2026-27 के लिए उधम सिंह, सुभाष चंद्र बोस व भगत सिंह हाउस गठित किए गए तथा छात्र परिषद का गठन कर पदाधिकारियों को बैज व शपथ दिलाई गई। प्रधानाचार्य डॉ. कल्पना बजाज ने नव-निर्वाचित विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उन्हें कर्तव्यनिष्ठा व ईमानदारी से कार्य करने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर अखिल कंबोज, आशीष शर्मा, प्रिंस शर्मा, संदीप धीमान, रवि कुमार, शोभा, मीनाक्षी, पूजा, निशा आदि स्कूल स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे।

धरोहर स्थलों व वन्य जीव संरक्षण पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

रादौर, 18 अप्रैल (कुलदीप सैनी) : मुकंद लाल सीनियर सेकेंडरी स्कूल में धरोहर स्थलों व वन्य जीव संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाने हेतु एक गतिविधि का आयोजन किया गया, जिसमें कक्षा 6 से 8 तक के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम की शुरूआत पीपीटी के माध्यम से धरोहरों के महत्व व वन्य जीव संरक्षण की आवश्यकता पर प्रकाश डालकर की गई। विद्यार्थियों ने ऐतिहासिक स्थलों व लुप्तप्राय जीवों पर सुंदर चित्र प्रस्तुत किए। इस मौके पर प्रधानाचार्य प्रमोद ग्रोवर ने विद्यार्थियों को मानव गतिविधियों के धरोहरों व वन्य जीवन पर पड़ने वाले प्रभाव के बारे में जानकारी दी। कार्यक्रम के समापन पर विद्यार्थियों ने धरोहरों व प्रकृति की रक्षा करने की शपथ ली। कार्यक्रम अध्यापिका योगिता व किरण के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ।

छापेमारी: पॉलिथीन मिलने पर छह दुकानदारों के काटे चालान

छापेमारी में बरामद पॉलिथीन की जब्त, आगे भी जारी रहेगी कार्रवाई

अभियान

▢ निगम आयुक्त महाबीर प्रसाद के निर्देशों पर रेलवे रोड क्षेत्र में विशेष छापेमारी अभियान चलाया गया

नितिन सिंगला जगाधरी

यमुनानगर। सिंगल यूज प्लास्टिक एवं प्रतिबंधित पॉलिथीन पर रोक लगाने के लिए नगर निगम द्वारा लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी कड़ी में नगर निगम आयुक्त महाबीर प्रसाद के निर्देशों पर रेलवे रोड क्षेत्र में विशेष छापेमारी अभियान चलाया गया। इस अभियान के तहत निगम की टीम ने नियमों का उल्लंघन करने वाले दुकानदारों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की। छापेमारी के दौरान सफाई निरीक्षक सुशील शर्मा, स्वच्छ भारत मिशन के आईईसी विशेषज्ञ आकाश तथा होमगार्ड के जवानों की टीम ने संयुक्त रूप से कार्रवाई की। टीम ने प्यारा चौक के आसपास कई दुकानों की जांच की, जहां छह दुकानदारों के पास से प्रतिबंधित पॉलिथीन बरामद की गई। जांच के दौरान पाया गया कि ये दुकानदार प्रशासन के निर्देशों के बावजूद अवैध रूप से पॉलिथीन का उपयोग कर रहे थे। नियमों के उल्लंघन पर नगर निगम की टीम ने सभी छह दुकानदारों के चालान किए और उनके पास से मिली पॉलिथीन को जब्त कर लिया। सफाई निरीक्षक सुशील शर्मा दुकानदारों को सख्त हिदायत दी कि भविष्य में प्रतिबंधित प्लास्टिक का उपयोग न करें, अन्यथा उनके खिलाफ और कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि सिंगल यूज प्लास्टिक पर्यावरण के लिए बेहद हानिकारक है और इसके उपयोग पर पूर्ण रूप से प्रतिबंध लगाया गया है। इसके बावजूद कुछ लोग नियमों की अनदेखी कर रहे हैं, जिसके चलते निगम को समय-समय पर इस तरह के अभियान चलाने पड़ते हैं।

अतिरिक्त निगम आयुक्त धीरज कुमार ने आम नागरिकों और दुकानदारों से अपील की कि वे पर्यावरण संरक्षण में सहयोग करें और कपड़े या कागज के थैलों का उपयोग अपनाएं। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की छापेमारी आगे भी जारी रहेगी और नियमों का उल्लंघन करने वालों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा।

छछरौली में खुलेगा एपीआरओ कार्यालय

नितिन सिंगला जगाधरी

सब डिवीजन छछरौली के दौरे पर पहुंचे अंबाला मंडलायुक्त संजीव वर्मा के समक्ष प्रेस क्लब छछरौली ने एपीआरओ कार्यालय खोलने की मांग रखी, जिस पर उन्होंने तुरंत कार्रवाई के निर्देश दिए।अंबाला मंडलायुक्त संजीव वर्मा के छछरौली दौरे के दौरान प्रेस क्लब छछरौली ने क्षेत्र में एपीआरओ कार्यालय खोलने की मांग उठाई।

इस मांग को गंभीरता से लेते हुए मंडलायुक्त ने मौके पर ही डीपीआरओ को कार्यालय खोलने का प्रस्ताव तैयार कर भेजने के निर्देश दिए।डीपीआरओ ने आश्वासन दिया कि प्रस्ताव शीघ्र तैयार कर उच्चाधिकारियों को भेजा जाएगा। साथ ही उन्होंने कहा कि फिलहाल एपीआरओ कार्यालय किसी पुराने सरकारी भवन में अस्थायी रूप से शुरू किया जाएगा। भविष्य में जब एसडीएम कार्यालय का नया भवन तैयार होगा, तब उसमें एपीआरओ कार्यालय के लिए अलग से कक्ष आवंटित किया जाएगा।

इस अवसर पर एसडीएम रोहित कुमार ने भी भरोसा दिलाया कि छछरौली में जल्द ही एपीआरओ कार्यालय स्थापित किया जाएगा, जिससे सरकार की योजनाओं और उपलब्धियों की जानकारी आम जनता तक प्रभावी ढंग से पहुंच सकेगी। प्रेस क्लब प्रधान नवाब खान ने मांग स्वीकार करने पर मंडलायुक्त का आभार व्यक्त किया। इस मौके पर रविंद्र चौहान, कौशिक खान, रामकिशन कश्यप, परवेज खान उपस्थित रहे।

सीआईआई गुरुग्राम जोनल काउंसिल की बैठक में औद्योगिक विकास पर चर्चा

गुरुग्राम। यहां उद्योग विहार में स्थित सीआईआई कार्यालय में शनिवार को कन्फेडरेशन ऑफ इंडियन इंडस्ट्री की गुरुग्राम जोनल काउंसिल की वर्ष 2026-27 की पहली बैठक आयोजित की गई। बैठक में क्षेत्र के औद्योगिक विकास को नई दिशा देने के लिए फ्यूचर-रेडी ग्रोथ पर केंद्रित एजेंडा तय किया गया। साथ ही उद्योग की प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ाने और गुरुग्राम को एक अग्रणी औद्योगिक हब के रूप में स्थापित करने के लिए विस्तृत रोडमैप पर चर्चा की गई। बैठक की अध्यक्षता सीआईआई गुरुग्राम जोन के चेयरमैन एवं मीनाक्षी पॉलिमर्स के सीईओ कुनाल सोनी ने की। वाइस चेयरमैन एवं एनटीएफ इंडिया के डायरेक्टर नमन जैन भी मौजूद रहे। सीआईआई हरियाणा कौंसिल से वरिष्ट सदस्य व कैपेरो मारुति के सीईओ विनोद बापना और पूर्व चेयरमैन डॉ. अनादी एन सिन्हा (डायरेक्टर ग्रुप कॉर्पोरेट अफेयर्स यूनो मिंडा लिमिटेड), अनुज नागपाल (मैनेजिंग डायरेक्टर अल्फा कोटेक) सोना कोमस्टार से अमीन राव, सीआईआई गुरुग्राम जोन के हेड रजाकर पांडे व डेनसो के ईएमओ संजय भार्गव ने प्रतिनिधित्व किया।

30 अप्रैल तक ऑनलाइन दें अपनी और परिवार की जानकारी: नायब

तोशाम, वंदना शर्मा

तोशाम, 18 अप्रैल। जनगणना-2027 के तहत स्व-गणना प्रक्रिया को लेकर चौ. बंसीलाल राजकीय महिला महाविद्यालय तोशाम एवं राजकीय महिला महाविद्यालय कैंप में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जनगणना इंचार्ज व नायब तहसीलदार अशोक कुमार ने स्टाफ सदस्यों एवं छात्राओं से स्व. जनगणना को लेकर स्वयं के साथ-साथ अन्य नागरिकों को भी जागरूक करने का आहवान किया। नायब तहसीलदार अशोक कुमार ने छात्राओं को सम्बोधित करते हुए कहा कि जनगणना 2027 के अंतर्गत जनगणना प्रक्रिया को अधिक सुगम एवं तकनीकी रूप से उन्नत बनाने के उद्देश्य से स्व-गणना का विकल्प 16 अप्रैल से आमजन के लिए खुल गया है, जो 30 अप्रैल तक उपलब्ध रहेगा। उन्होंने छात्राओं को प्रेरित करते हुए पोर्टल के माध्यम से स्व-गणना की प्रक्रिया में बढ़चढ़कर भागीदारी करने का संदेश दिया। नायब तहसीलदार ने कहा कि 2027 की जनगणना पूर्ण रूप से डिजिटल होगी। क्षेत्रवासी 30 अप्रैल तक निर्धारित पोर्टल के माध्यम से स्वयं अपनी एवं अपने परिवार की जानकारी ऑनलाइन दर्ज कर सकते हैं। इसके लिए मोबाइल नंबर से रजिस्ट्रेशन करना जरूरी है।

इससे समय की बचत के साथ-साथ प्रक्रिया में पारदर्शिता और सटीकता सुनिश्चित होगी। नागरिक स्व-गणना के लिए 16 भाषाओं में से अपनी पसंद की भाषा चुन सकते हैं।

नायब तहसीलदार ने कहा कि जनगणना विभाग की ओर से दी गई यह सुविधा नागरिकों को डिजिटल माध्यम से अपने विवरण स्वयं दर्ज करने का अवसर देती है, जिससे जनगणना प्रक्रिया अधिक पारदर्शी, सटीक और प्रभावी बनती है। उन्होंने कहा कि जनगणना के तहत मकान सूचीकरण (हाउस लिस्टिंग) का कार्य 1 मई से 30 मई तक किया जाएगा। यह कार्य जनगणना की प्रक्रिया का महत्वपूर्ण चरण है, जिसके माध्यम से प्रत्येक भवन, मकान एवं परिवार से संबंधित आधारभूत आंकड़े एकत्रित किए जाते हैं। उन्होंने आमजन से अपील कि वे जनगणना कर्मियों का सहयोग करें तथा किसी भी प्रकार की भ्रामक जानकारी देने से बचें ताकि जनगणना का यह महत्वपूर्ण कार्य प्रभावी एवं व्यवस्थित रूप से संपन्न हो सके। ट्रेनर सुमित कुमार व संजय कुमार ने प्रोजेक्टर के माध्यम से छात्राओं को ऑनलाइन प्रक्रिया को समझाया।

दुष्यंत को हथियार दिखाकर धमकी देने की घटना बदहाल कानून व्यवस्था का प्रमाण: सम्पूर्ण

साधा निशाना

▢ गृह मंत्रालय को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि प्रदेश में कानून का इकबाल पूरी तरह खत्म हो चुका है

रणदीप धानियां,कलायत : जननायक जनता पार्टी के युवा ज़िलाध्यक्ष सम्पूर्ण कोयल ने पूर्व उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला के साथ हिसार में हुई घटना पर कड़ा रोष प्रकट करते हुए इसकी तीव्र निंदा की है। सम्पूर्ण कोयल ने कहा कि कल हिसार में जिस तरह एक संदिग्ध व्यक्ति ने बिना नंबर प्लेट और काले शीशे वाली गाड़ी को पूर्व उपमुख्यमंत्री के काफिले के आगे अड़ाकर पिस्तौल दिखाई , वह प्रदेश में पनप रहे 'जंगलराज' का जीता-जागता सबूत है। उन्होंने सवाल उठाया कि यदि हरियाणा में एक पूर्व संवैधानिक पद पर रहे व्यक्ति और वाई सुरक्षा प्राप्त नेता की जान को इस तरह खतरा हो सकता है, तो फिर आम नागरिक अपने आप को सुरक्षित कैसे महसूस करेगा।सम्पूर्ण कोयल ने हरियाणा सरकार और गृह मंत्रालय को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि प्रदेश में कानून का इकबाल पूरी तरह खत्म हो चुका है। पुलिस की वर्दी पहने बिना और संदिग्ध वाहनों का सहारा लेकर डराने-धमकाने की यह कार्यप्रणाली गुंडाराज को बढ़ावा देने वाली है। उन्होंने मांग की है कि इस पूरे मामले की निष्पक्ष जांच की जाए और उस कथित पुलिस कर्मी व उसके पीछे के आकाओं पर मुकदमा दर्ज कर उन्हें तुरंत गिरफ्तार किया जाए। सम्पूर्ण कोयल ने चेतावनी दी है कि अगर सरकार ने इस गंभीर मामले में दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने में देरी की, तो प्रदेश की जनता और कार्यकर्ता चुप नहीं बैठेंगे। कोयल ने चेतावनी देते हुए कहा कि अगर यह घटना भाजपा सरकार के इशारे पर हुई है तो फिर मुख्यमंत्री के कार्यकर्मों में खुले मंच पर सरकार की इस घिनौनी मानसिकता का हिसाब किया जाएगा।

लाइक पब्लिक स्कूल में आयोजित क्विज प्रतियोगिता से निखरी विद्यार्थियों की प्रतिभा

टीम एक्शन इंडिया

रादौर,(कुलदीप सैनी) : लाइक पब्लिक सीनियर सेकेंडरी स्कूल में कक्षा 4 से 10 तक के विद्यार्थियों के लिए ज्ञानवर्धक क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने उत्साह व आत्मविश्वास के साथ भाग लेते हुए सामान्य ज्ञान व विभिन्न शैक्षणिक विषयों से जुड़े प्रश्नों के सटीक उत्तर दिए। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों के बौद्धिक विकास, तार्किक सोच व निर्णय क्षमता को बढ़ावा देना तथा उनमें स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना विकसित करना रहा। शिक्षकों के मार्गदर्शन में प्रतियोगिता को रोचक व व्यवस्थित ढंग से संचालित किया गया, जिससे विद्यार्थियों में सीखने के प्रति रुचि और बढ़ी। प्रतियोगिता के समापन पर विजेता विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया तथा सभी प्रतिभागियों को उनके प्रयासों के लिए सराहा गया। प्रधानाचार्या नेहा देवी ने विद्यार्थियों के प्रदर्शन की प्रशंसा करते हुए उन्हें भविष्य में भी मेहनत व लगन से आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

सोनीपत: फैक्ट्री मालिक पर फायरिंग करने वाले दोनों भाई काबू

सोनीपत। सोनीपत के बड़ी इंडस्ट्रियल एरिया में फैक्ट्री मालिक देव बंसल पर फायरिंग करने वाले दो नकाबपोश बदमाशों को पुलिस ने शनिवार को गिरफ्तार कर लिया है। पकड़े गए आरोपी सगे भाई हैं। शुरूआती पूछताछ में सामने आया कि काम न मिलने और कहासुनी के बाद दोनों ने रंजिश पाल ली थी। पुलिस अब आरोपियों को अदालत में पेश कर रिमांड पर लेकर गहन पूछताछ करेगी। पुलिस के अनुसार, दिल्ली के रोहिणी सेक्टर-7 निवासी देव बंसल सोनीपत के बड़ी इंडस्ट्रियल एरिया में फैक्ट्री चलाते हैं। गुरुवार शाम वे काम खत्म कर कार से घर लौट रहे थे।

डीसी ने अनाज मंडियों का किया औचक निरीक्षण

व्यवस्थाएं

▢ किसानों को किसी भी प्रकार की परेशानी नहीं होनी चाहिए और सभी व्यवस्थाएं सुचारू रूप से संचालित

टीम एक्शन इंडिया

इंद्री (मैनपाल कश्यप) डीसी डॉ आनंद कुमार शर्मा ने शनिवार को जुंडला व असंध अनाज मंडियों का दौरा कर गेहूं खरीद, उठान व्यवस्था और गेट पास प्रणाली का जायजा लिया। इस अवसर पर उन्होंने अधिकारियों को निर्धारित मानकों के अनुसार खरीद सुनिश्चित करने तथा उठान में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने निर्देश दिए कि किसानों को किसी भी प्रकार की परेशानी नहीं होनी चाहिए और सभी व्यवस्थाएं सुचारू रूप से संचालित रहें। निरीक्षण के दौरान डीसी ने मंडी में पहुंचकर गेहूं की ढेरियों पर नमी मापक यंत्र से नमी की जांच करवाई। इसके साथ ही उन्होंने गेट पास व बायोमीट्रिक प्रक्रिया का भी जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने मंडी में उपलब्ध करवाई जा रही मूलभूत सुविधाओं की भी समीक्षा की और कहा कि व्यवस्थाओं में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सरकार की प्राथमिकता किसानों की फसल की समय पर खरीद, उठान और भुगतान सुनिश्चित करना है। उन्होंने निर्देश दिए कि किसानों और आढ़तियों को किसी प्रकार की कोई समस्या नहीं आनी चाहिए। उन्होंने सभी नोडल अधिकारियों व सुपरवाईजरों को निरंतर मंडियों का दौरा करने के निर्देश दिए। खरीद प्रक्रिया से संबंधित सभी अधिकारी किसानों व आढ़तियों से मिलजुल कर कार्य करें। ताकि खरीद प्रक्रिया सुचारू रूप से चले। इस अवसर पर एडीसी डा. राहुल रईया, एसडीएम करनाल देवेंद्र शर्मा, एसडीएम असंध सुमित सिहाग, डीएम वेयरहाउस रिंकू सहित खरीद एजेंसियों के प्रतिनिधि, आढ़ती व किसान मौजूद रहे।

भाजपा राज में फसल खरीद ठप: भूपेंद्र सिंह हुड्डा

मंडी में किसानों से अपराधियों जैसा व्यवहार

टीम एक्शन इंडिया

राजकुमार प्रिंस

करनाल। पूर्व मुख्यमंत्री और नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने बीजेपी सरकार पर किसानों के साथ गलत व्यवहार करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि मंडियों में अपना अनाज लेकर पहुंचने वाले किसानों से अपराधियों जैसा व्यवहार किया जा रहा है। कई तरह की शर्तों और प्रक्रियाओं के कारण किसान परेशान हैं और उनकी फसल की खरीद लगभग ठप हो गई है।

भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा कि पहले किसानों पर पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन की शर्त थोपी गई, इसके बाद गेट पास, बायोमेट्रिक, ट्रैक्टर नंबर, वेरिफिकेशन और गारंटर जैसी कई प्रक्रियाएं लागू कर दी गईं। इन सब कारणों से किसान मंडियों में फंसकर रह गए हैं।

उन्होंने कहा कि फसल की आवक तो जोरों पर है, लेकिन खरीद नाम मात्र की हो रही है।

भूपेंद्र सिंह हुड्डा वरिष्ठ कांग्रेसी नेता सुरेंद्र सिंह मान के निधन पर शोक व्यक्त करने पहुंचे थे। इस दौरान उन्होंने मान परिवार से मुलाकात की और उन्हें ढांढस बंधाया। इसके बाद उन्होंने पत्रकारों से बातचीत करते हुए प्रदेश की विभिन्न समस्याओं पर अपनी प्रतिक्रिया दी।

पत्रकारों के सवालों का जवाब देते हुए हुड्डा ने कहा कि प्रदेशभर की मंडियों में अन्न और अन्नदाता दोनों की हालत खराब है। उन्होंने आरोप लगाया कि न पोर्टल सही तरीके से चल रहा है, ना गेट पास बन रहे हैं, ना ही बोली लग रही है। इसके अलावा खरीद, उठान और भुगतान की प्रक्रिया भी प्रभावित है, जिससे किसानों को भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है।

क्रॉस वोटिंग के मुद्दे पर हुड्डा ने कहा कि उन्होंने पार्टी हाईकमान के फैसले का स्वागत किया है। उन्होंने कहा कि जो विधायक पार्टी विरोधी गतिविधियों में शामिल रहे हैं, उन्हें अपने पद से इस्तीफा दे देना चाहिए। ऐसे विधायकों ने न केवल कांग्रेस, बल्कि उन मतदाताओं के साथ भी विश्वासघात किया है, जिन्होंने उन्हें बीजेपी के खिलाफ वोट देकर विधानसभा भेजा था।

सलाद निर्माण प्रतियोगिता सम्पन्न

आकर्षक एवं पौष्टिक सलाद तैयार किए।

पिंजौर पूनम देवी

अमरावती विद्यालय में दिनांक 18 अप्रैल 2026 को विद्यार्थियों की सृजनात्मकता एवं स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से सलाद निर्माण प्रतियोगिता का सफल आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में विद्यालय के डैफोडिल, रोज तथा ट्यूलिप हाउस के विद्यार्थियों के बीच उत्साहपूर्ण प्रतिस्पर्धा देखने को मिली।

प्रतियोगिता में कक्षा छठी से दसवीं तक के विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। प्रत्येक हाउस से अधिकतम दो सलाद प्रस्तुत किए गए। विद्यार्थियों ने केवल कच्ची सामग्री का उपयोग करते हुए मौके पर ही आकर्षक एवं पौष्टिक सलाद तैयार किए।

निर्णायकों द्वारा स्वच्छता, स्वाद, सामग्री के उचित उपयोग एवं प्रस्तुतीकरण के आधार पर प्रतिभागियों का मूल्यांकन किया गया। परिणामस्वरूप डैफोडिल हाउस ने प्रथम स्थान, ट्यूलिप हाउस ने द्वितीय स्थान तथा रोज हाउस ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

विद्यार्थियों ने अपने-अपने टेबल पर विषय से संबंधित प्रेरणादायक उद्धरण भी प्रस्तुत किए, जिससे प्रतियोगिता और अधिक प्रभावशाली बन गई। विद्यालय की मुख्याध्यापिका श्रीमती मनीषा डोगरा ने विद्यार्थियों के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार की गतिविधियां बच्चों में न केवल स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाती हैं, बल्कि उनकी रचनात्मकता एवं टीम भावना का भी विकास करती हैं।

न्यूज फ्लैश

नारी शक्ति वंदन अधिनियम के खिलाफ मतदान का खामियाजा विपक्ष को भुगतना पड़ेगाः डा. अशोक

टीम एक्शन इंडिया
राजकुमार प्रिंस

करनाल। नारी शक्ति वंदन अधिनियम के लिए जरूरी संविधान संशोधन बिल को कांग्रेस, टीएमसी, डीएमके और समाजवादी पार्टी ने पारित नहीं होने दिया। महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने के बिल को गिरा देना, उसका उत्साह मनाना और जयनाद करना सचमुच निंदनीय और कल्पना से परे है। अब देश की महिलाओं को लोकसभा और विधानसभा में 33 प्रतिशत आरक्षण, जो उनका अधिकार था, वह नहीं मिल पाएगा। कांग्रेस और उसके सहयोगियों ने यह पहली बार नहीं किया, बल्कि ऐसा बार-बार किया है। उनकी यह सोच न महिलाओं और न देश के हित में है।

भाजपा जिला मीडिया प्रभारी डा. अशोक कुमार ने कहा कि कांग्रेस पार्टी विशेषकर राहुल गांधी देश हित की हर चीज का विरोध करते हैं। ये लोग नारी विकास, नारी वंदन और नारी प्रतिनिधित्व का विरोध करते हैं और इसके लिए देश की जनता और देश की माताएं-हनें इन्हें कभी माफ नहीं करेंगी।

उन्होंने कहा कि विपक्षी दलों ने जिस प्रकार माताओं और बहनों को उनका न्यायोचित हक देने से वंचित किया है, उसका खामियाजा उन्हें भुगतना पड़ेगा और अब देश की आधी आबादी का प्रतिनिधित्व करने वाली इस देश की महिलाएं अब कांग्रेस और उसके महिला विरोधी गठबंधन के खिलाफ दृढ़ता और एकजुटता के साथ खड़ी होंगी ।

श्री अग्रवाल सभा लाडवा की महिला विंग ने स्कूली बच्चों को की वर्दियां व स्टेशनरी वितरित

लाडवा 18 अप्रैल (विजय कौशिक) श्री अग्रवाल सभा लाडवा की महिला विंग ने राजकीय प्राथमिक पाठशाला गांव बरोट में जरूरतमंद बच्चों को स्कूल ड्रेस व स्टेशनरी के समान के साथ-साथ खाद्य पदार्थ भी वितरित किए। महिला विंग की प्रधान पूनम सिंगल ने बताया कि उनकी संस्था समय-समय पर धार्मिक व सामाजिक सेवा के कार्य करती रहती है। उन्होंने कहा कि वैसे भी अगर कोई जरूरतमंद व्यक्ति उनसे संपर्क करता है तो उसकी भी यथा संभव सहायता करते हैं। वहीं महिला विंग की पूर्व प्रधान वीणा बंसल ने कहा कि उनकी संस्था देश व प्रदेश की सरकारों द्वारा नारी सशक्तिकरण की नीति के तहत महिलाओं को उनके अधिकारों के प्रति भी जागरूक करने का काम करती है। स्कूल के प्रिंसिपल तिलक राज ने महिला विंग की सदस्यों का धन्यवाद व आभार व्यक्त करते हुए कहा कि महिलाओं ने स्कूली बच्चों की सहायता के लिए उनके स्कूल को चुनने पर वह महिला विंग के आभारी हैं। उन्होंने कहा कि भविष्य में भी उन का इसी प्रकार सहयोग मिलता रहेगा। इस अवसर पर महिला विंग प्रधान पूनम सिंगल, समाज सेविका कृष्ण गोयल, रेखा गर्ग, वीणा बंसल, रंजना गोयल, उषा गोयल, निर्मल गर्ग, अर्चना, छवि, सुमन, अनुषा, शैली, अनु व स्कूल अध्यापिका सविता सहित स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे।

श्रीकृष्ण-रूकमणी विवाह एवं रासलीला में उमड़ा जन सैलाव

टीम एक्शन इंडिया
दिनेश नौताना

महेंद्रगढ़। शहर की सब्जी मंडी के नजदीक स्थित कमला भवन धर्मशाला में चल रही सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा के छठे दिन साध्वी राधा रानी के द्वारा श्रीकृष्ण- रूकमणी विवाह एवं रासलीला का भावपूर्ण वर्णन किया गया, जिसमें श्रोताओं का भारी जनसैलाब उमड़ा।

इस दौरान मास्टर अमरसिंह सोनी के निर्देशन में श्रीकृष्ण- रूकमणी विवाह की मनमोहक झांकियां भी पेश की गई। इस कार्यक्रम के यजमान ओमप्रकाश खुराना, सतीश गुढ़ा एवं भरत खुराना सपरिवार थे, जबकि प्रसाद की व्यवस्था डॉ. पूर्ण, सतीश गुढ़ा एवं आनंद सोनी के द्वारा करवाई गई।

प्रदेश की अनाज मंडियों में सफलतापूर्वक हो रही गेहूं की खरीद: डा. गणेश दत्त

-मार्केट कमेटी चेयरमैन डा. गणेश दत्ता ने अनाज मंडी लाडवा का निरीक्षण कर लिया जायजा

निरीक्षण

-किसानों को 72 घंटे में भुगतान के दिए निर्देश, उठान प्रक्रिया में तेजी लाने के भी दिए निर्देश।

टीम एक्शन इंडिया
लाडवा, 18 अप्रैल (विजय कौशिक) मार्केट कमेटी लाडवा चेयरमैन डा. गणेश दत्त ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में प्रदेश की अनाज मंडियों में सफलतापूर्वक गेहूं की खरीद हो रही है। मंडियों में गेहूं की आवक का कार्य जोरों पर चला हुआ है। सरकार द्वारा उठान होने के 48 घंटे में गेहूं की पेमेंट भी किसानों के खातों में भेजी जा रही है। चेयरमैन डा. गणेश दत्त ने शनिवार को रबी सीजन 2026-27 के तहत गेहूं खरीद और उठान (लिफ्टिंग) कार्यों की समीक्षा के लिए लाडला अनाज मंडी का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने मंडी में किसानों और आढ़तियों के लिए उपलब्ध सुविधाओं का भी विस्तृत आकलन किया। उन्होंने मंडी में गेट पास और बायोमेट्रिक प्रणाली की जांच की। उन्होंने अधिकारियों से गेहूं की आवक, खरीद और उठान से संबंधित विस्तृत जानकारी ली और किसानों व आढ़तियों से सीधा संवाद कर उनका फीडबैक भी प्राप्त किया।

इस दौरान किसानों के मांगपत्र को लेते हुए आश्वासन दिया कि उनकी मांग को मुख्यमंत्री तक पहुंचाया जाएगा।

उन्होंने कहा कि किसानों और आढ़तियों को आसानी से वेरिफिकेशन पूरा करने में मदद करने के लिए मंडी में कई जगहों पर बायोमेट्रिक मशीनें लगाई गई हैं। इसके अलावा, भीड़भाड़ से बचाव के लिए गेट पास जारी करने हेतु कई मोबाइल प्वाइंट भी स्थापित किए गए हैं। उन्होंने कहा कि मंडी में किसानों को सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं।

इसके साथ ही उन्होंने अधिकारियों को निर्देश भी दिए कि किसी भी प्रकार की असुविधा न होने दी जाए।

उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि खरीदी गई फसल का भुगतान 72 घंटे के भीतर किसानों के बैंक खातों में सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने संबंधित एजेंसियों को उठान प्रक्रिया में तेजी लाने के निर्देश दिए। इस मौके पर मंडी के सचिव संत कुमार भी मौजूद रहे।

सीजेएम नीतिका भारद्वाज ने किया लाडवा बाबा बंसी वाला वृद्धाश्रम व साक्षी बाल कुंज आश्रम का निरीक्षण

टीम एक्शन इंडिया
लाडवा, 18 अप्रैल (विजय कौशिक) जिला एवं सत्र न्यायाधीश दिनेश कुमार मित्तल के मार्गदर्शन में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव एवं सीजेएम नीतिका भारद्वाज ने बाबा बंसी वाला वृद्ध आश्रम लाड़वा का निरीक्षण किया। सीजेएम ने इस निरीक्षण के दौरान वहाँ पर रह रहे बुजुर्गों से बातचीत की और उनके कमरों का निरीक्षण किया और उनको दिए जाने वाले भोजन का जायजा लिया इसके उपरांत जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव एवं सीजेएम नीतिका भारद्वाज ने साक्षी बाल कुंज आश्रम लाड़वा का भी निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने वहाँ पर बच्चों से बातचीत की और बच्चों के कमरों का निरीक्षण किया और उनको दिए जाने वाले भोजन का जायजा लिया।

जनगणना में युवाओं की भागीदारी जरूरीः कंवर सिंह यादव

टीम एक्शन इंडिया
दिनेश नौताना

महेंद्रगढ़। राजकीय महाविद्यालय के खेल मैदान में स्व-गणना को लेकर जागरूकता अभियान जिला उपायुक्त अनुपमा अंजलि के दिशा निर्देशन में एवं एसडीएम योगेश सैनी आईएएस के नेतृत्व में आयोजन किया गया। स्व-गणना जागरूकता कार्यक्रम में मुख्यातिथि विधायक कंवर सिंह यादव, अध्यक्षता राजकीय महिला महाविद्यालय प्राचार्य प्रोफेसर महेंद्र सिंह एवं महाविद्यालय प्राचार्य प्रोफेसर विजय यादव ने की। उन्होंने मुख्यातिथि का स्वागत करते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रम विद्यार्थियों को जागरूक नागरिक बनने की दिशा में प्रेरित करते हैं।

मुख्यमंत्री के कार्यक्रम को लेकर डीसी ने लिया तैयारियों का जायजा

दिशा-निर्देश

इस दौरान उन्होंने तैयारियों के संबंध में जानकारी ली व आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

टीम एक्शन इंडिया
राजकुमार प्रिंस

करनाल। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के 19 अप्रैल को करनाल में प्रस्तावित दौरे के मद्देनजर डीसी डॉ. आनंद कुमार शर्मा ने तैयारियों का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने तैयारियों के संबंध में जानकारी ली व आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

गौरतलब है कि 19 अप्रैल को मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी करनाल के दौरे पर आ रहे हैं। इस दौरान मुख्यमंत्री करनाल में श्री आत्म मनोहर जैन आराधना मंदिर में अक्षय तृतीया के अवसर पर आयोजित विशेष धर्मसभा कार्यक्रम में शामिल होंगे। इस दौरान डीसी ने कार्यक्रम स्थल व हैलीपैड का दौरा कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

इस दौरान डीसी ने अधिकारियों को सुरक्षा, पार्किंग व कार्यक्रम के समुचित संचालन संबंधी दिशा.निर्देश दिए। उन्होंने पुलिस विभाग के अधिकारियों को सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम करने और सुचारू यातायात व्यवस्था संचालन के निर्देश दिए। बिजली निगम के अधिकारियों को कार्यक्रम स्थल पर बिजली की उचित व्यवस्था के निर्देश दिए। साथ ही संबंधित अधिकारियों को मूलभूत सुविधाओं जैसे पेयजल, शौचालय, बैठने की व्यवस्था आदि के समुचित प्रबंध करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के दौरे के दौरान कोई भी कर्मचारी व अधिकारी कौताही न बरतें, सभी तत्परता के साथ अपनी ड्यूटी का निर्वहन करें। इस मौके पर एसपी नरेंद्र बिजारणिया, एडीसी डॉ. राहुल रईया, एसडीएम करनाल देवेंद्र शर्मा, डीएसपी करनाल संदीप कुमार, डीएसपी इंद्री सतीश गौतम, बीडीपीओ करनाल मोनिका सिंह सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

सनपेड़ा रोड पर बधवार गैस एजेंसी के गैस गोदाम पर मारा छापा

गन्नौर। सीएम फ्लाइंग ने शुक्रवार की दोपहर बाद सनपेड़ा रोड पर स्थित बधवार गैस एजेंसी के गैस गोदाम पर खाद्य एवं आपूर्ति विभाग गन्नौर के अधिकारियों के साथ औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान टीम ने गैस सिलेंडरों के स्टॉक को चेक करने के बाद अन्य जांच पड़ताल की । टीम में सीएम फ्लाइंग की तरफ से इंस्पेक्टर बिजेंद्र, इंस्पेक्टर बिजेंद्र, सब इंस्पेक्टर राजेश व सहायक खाद्य आपूर्ति अधिकारी गन्नौर हरेंद्र, निरीक्षक राजेश आदि थे। संयुक्त रूप से की गई कार्रवाई के दौरान टीम ने घरेलू गैस सिलेंडर व व्यावसायिक गैस सिलेंडर के स्टॉक को चेक किया। स्टॉक ठीक पाया गया। अधिकारियों ने बताया कि जांच में पाया गया कि गांव में गैस की आपूर्ति करने वाली सिलेंडरों की गाड़ी पर गैस एजेंसी का पूरा पता होना चाहिए। एक गाड़ी पर पता नहीं पाया गया। इसके अलावा स्टॉक बोर्ड पर एजेंसी में रखे स्टॉक को बोर्ड पर नहीं दशार्या गया था।

सीएम फ्लाइंग के अधिकारी ने बताया कि इसके लिए सहायक खाद्य पूर्ति अधिकारी को जिला खाद्य आपूर्ति अधिकारी को लिखने के आदेश दिए हैं कार्रवाई के बाद एजेंसी संचालक को नोटिस दिया जाएगा। वही गैस एजेंसी के संचालक कपिल बधवार ने बताया कि जांच में सब ठीक पाया गया।

एसजीएमपी स्कूल ने अंग्रेजी कोर में क्षमता निर्माण कार्यक्रम का किया आयोजन

टीम एक्शन इंडिया
लाडवा, 18 अप्रैल (विजय कौशिक) सीबीएससी के तत्वावधान में संजय गांधी मेमोरियल सीनियर सेकेंडरी पब्लिक स्कूल, धनोरा-लाडवा में अंग्रेजी कोर में क्षमता निर्माण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इसका उद्देश्य शिक्षकों को एनईपी 2020 और सीबीएसई दिशानिदेर्शों के अनुरूप नवीन रणनीतियों से लैस करना था। स्कूल के प्रधानाचार्य, आयोजन स्थल निदेशक नरेंद्र शर्मा और रिसोर्स पर्सन्स ने पवित्र दीप प्रज्वलित करके क्षमता निर्माण कार्यक्रम का उद्घाटन किया। रिसोर्स पर्सन्स डॉ. विभा राय और सुश्री संगीता ने कौशल एकीकरण और शिक्षार्थी केंद्रित दृष्टिकोणों पर केंद्रित संवादात्मक सत्रों का नेतृत्व किया। दोनों रिसोर्स पर्सन्स ने भाषा के प्रमुख क्षेत्रों जैसे पठन, लेखन, श्रवण और व्याकरण पर ध्यान केंद्रित किया। उन्होंने एलएसआरडब्ल्यू कौशल को बढ़ावा देने के लिए पाठ योजना, मूल्यांकन, विभेदीकरण और ऑडियोबुक और सहयोगी दस्तावेजों सहित प्रौद्योगिकियों के उपयोग की अनुशंसा की। क्षमता निर्माण कार्यक्रम ज्ञानवर्धक और व्यावहारिक था। डॉ. राय और संगीता ने इस बात पर जोर दिया कि भाषा को संदर्भ में पढ़ाना सबसे अच्छा है, जिसमें चारों कौशलों को समान महत्व दिया जाता है। शिक्षकों को विद्यार्थियों में शिक्षण और सीखने की प्रक्रिया को सरल बनाने और आनंदमय, उद्देश्यपूर्ण अंग्रेजी कक्षाएँ बनाने के लिए प्रोत्साहित किया गया। हरियाणा भर के विभिन्न प्रतिष्ठित विद्यालयों के 51 से अधिक शिक्षकों ने उत्साहपूर्वक इस क्षमता निर्माण कार्यक्रम में भाग लिया और सत्र के दौरान सक्रिय रूप से अपनी भागीदारी निभाई।

सुगनी देवी स्कूल के सभी चालक/परिचालकों को सीपीआर का दिया प्रशिक्षण

टीम एक्शन इंडिया
लाडवा, 18 अप्रैल (विजय कौशिक) : वाइस चेयरमैन अंकुश मिगलानी एवं महासचिव डॉ० सुनील कुमार भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी हरियाणा राज्य शाखा चंडीगढ़ के निदेर्शानुसार एवं रमेश कुमार कार्यवाहक सचिव एवं उळड कुमारी अंजू कश्यप जिला रेड क्रॉस सोसाइटी कुरुक्षेत्र के मार्गदर्शन मे सुगनी देवी स्कूल, लाडवा (कुरुक्षेत्र) के सभी बस चालक/परिचालक जिनकी संख्या 23 थी। शनिवार को स्कूल के ऑडिटोरियम के अंदर प्राथमिक सहायता एवं सीपीआर का प्रशिक्षण को प्रवक्ता संदीप कुमार (मुरली) द्वारा दिया गया जिन्होंने जिंदगी में किस प्रकार एक दुर्घटनाग्रस्त व्यक्ति को बचाना है और उसकी सहायता करते समय किन-किन बातों का ध्यान रखना है उसके बारे में विशेष रूप से विस्तार में बताया ।

यह कदम स्कूल के अंदर पढ़ रहे बच्चों की सुरक्षा एवं उनमे सहयोग की भावना को पैदा करें इस प्रशिक्षण के लिए प्रिंसिपल पूजा छाबडा, मुख्याध्यापिका अर्चना, मोहनलाल गुप्ता अधीक्षक एवं रवि कुमार के द्वारा रेड क्रॉस सोसाइटी कुरुक्षेत्र का धन्यवाद किया गया।

जिला में हुई 6.80 लाख मीट्रिक टन गेहूं की आवक : डा. शर्मा

टीम एक्शन इंडिया
कमल मिड्ढा

करनाल। जिला की मंडियों में गेहूं की आवक लगातार जारी है। इसके दृष्टिगत जिला प्रशासन द्वारा सभी जरूरी प्रबंध पहले से ही पूरे कर लिए गए थे, जिनका समय-समय पर निरीक्षण किया जा रहा है।

उपायुक्त डॉ. आनंद कुमार शर्मा ने बताया कि गत दिवस तक जिला में करीब 6 लाख 80 हजार मीट्रिक टन की आवक विभिन्न खरीद केंद्रों व मंडियों में हुई। उन्होंने बताया कि विभिन्न खरीद एजेंसियों द्वारा 550588 मीट्रिक टन गेहूं खरीदा गया

ग्लोब हेरिटेज ने द्वितीय स्थान प्राप्त कर लहराया परचम

टीम एक्शन इंडिया
लाडवा, 18 अप्रैल (विजय कौशिक) : ग्लोब हेरिटेज इंटरनेशनल स्कूल के विद्यार्थियों ने क्रिकेट चैंपियनशिप में परचम लहराया।

स्कूल के खेलकूद विभाग के अध्यापक संजय कुमार ने जानकारी देते हुए बताया कि संजय गांधी स्कूल हरनौल में सुरेंद्रा क्रिकेट अकादमी की तरफ से सुरेंद्रा प्रीमीयर लीग आयोजित की गयी जिसमें ग्लोब हेरिटेज इंटरनेशनल स्कूल की अंडर 14 बॉयज क्रिकेट टीम ने द्वितीय स्थान हासिल कर स्कूल का व क्षेत्र का नाम रोशन किया। विजेता टीम में सार्थक, खवीश ,लेविन, दिव्यम, दक्ष, दिग्विजय, रूद्र शर्मा, शौर्य, हितेश, परवर, युवराज, भारत व हितेश राणा शामिल रहे। सार्थक को चैंपियनशिप के सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज व हितेश राणा को सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज पुरस्कार से नवाजा गया। स्कूल में पहुँचने पर विजेताओं का स्वागत किया गया। विजेताओं का स्वागत करने के पश्चात प्रधानाचार्या रीतू सिंगला ने खिलाडियों को शुभकामनायें देते हुए कहा कि जिन विद्यार्थियों ने इस चैंपियनशिप में भाग लिया वो सभी बधाई के पात्र हैं व टीम के प्रशिक्षक बच्चों को इतनी मेहनत कराने के लिए सराहना के पात्र हैं। उन्होंने इस जीत को ग्लोब हेरिटेज फैमिली की जीत बताते हुए कहा कि स्कूल में शैक्षिक अध्ध्य्यन के साथ बच्चों के शारीरिक विकास के लिए खेलकूद, मानसिक विकास के लिए आर्ट एवं क्राफ्ट व सांस्कृतिक कार्यक्रमों में बढ़ चढ़ कर बच्चों को प्रतिभागिता हमेशा कराई जाती रहेगी।

बीडी ग्रोवर और वीरा ग्रोवर स्मृति पुरस्कार समारोह का हुआ आयोजन

टीम एक्शन इंडिया
कमल मिड्ढा

करनाल। राजकीय विद्यालय में मेधावी छात्राओं को सम्मानित करने की प्रेरणादायक पहल लगातार जारी है। ग्रोवर परिवार द्वारा आयोजित स्मृति सम्मान समारोह ने एक बार फिर शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों का हौसला बढ़ाया। करनाल के राजकीय कन्या आदर्श संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, रेलवे रोड में आज वीरा ग्रोवर एवं बीडी ग्रोवर की पुण्य स्मृति में भव्य सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम ग्रोवर परिवार द्वारा वर्ष 2019 से निरंतर आयोजित किया जा रहा है और इस वर्ष इसका आठवां आयोजन रहा।

इस समारोह के तहत चार विभिन्न विद्यालयों के मेधावी विद्यार्थियों को उनकी शैक्षणिक उपलब्धियों के लिए सम्मानित किया गया। प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को 3100 रुपये तथा द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को 2100 रुपये की नकद राशि प्रदान की गई। साथ ही सभी छात्राओं को रिफ्रेशमेंट भी वितरित की गई।

विद्यालय के प्रधानाचार्य मोहिंद्र सिंह नरवाल ने बताया कि जीजीएमएसएसएस, रेलवे रोड करनाल से कक्षा छठी में हिमांशी ने प्रथम और स्नेहा ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। कक्षा 10वीं में सलोनी प्रथम और निधि द्वितीय रही। कक्षा 8वीं में लक्ष्मी प्रथम और शिवांगी द्वितीय, जबकि कक्षा 9वीं में खुशी प्रथम और मुस्कान द्वितीय स्थान पर रही।

कक्षा 11वीं के विज्ञान वर्ग में माही, कॉमर्स में लीना और आर्ट्स में रुखसार ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। वहीं जीजीएसएसएस प्रेम नगर में कक्षा 9वीं में साक्षी प्रथम और खुशबू द्वितीय रही। 11वीं विज्ञान वर्ग में गार्गी, कॉमर्स में तान्या और आर्ट्स में संध्या ने प्रथम स्थान हासिल किया।

जीएमएसएसएस मॉडल टाउन करनाल से कक्षा 9वीं में काशवी प्रथम और श्रुति तनवर द्वितीय रही। 11वीं विज्ञान में रिया, कॉमर्स में कृतिका और आर्ट्स में मलिका ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। गवर्नमेंट सीनियर सेकेंडरी स्कूल सुभरी से कक्षा 9वीं में साहिल प्रथम और मन्नत द्वितीय रहे, जबकि 11वीं विज्ञान वर्ग में राखी और आर्ट्स में निशु ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

उन्होंने कहा कि ग्रोवर परिवार द्वारा पिछले कई वर्षों से विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करने के लिए जो यह सराहनीय पहल की जा रही है, वह निश्चित रूप से अन्य लोगों के लिए भी प्रेरणा का स्रोत है। इससे बच्चों में पढ़ाई के प्रति उत्साह और प्रतिस्पर्धा की भावना बढ़ती है।

इस अवसर पर ग्रोवर परिवार से डॉ. सुनीता ग्रोवर, बाल किशन ग्रोवर, सीए दिनेश ग्रोवर, प्रीति ग्रोवर और सोनिया ग्रोवर विशेष रूप से उपस्थित रहे।

निकाय चुनाव के लिए भाजपा की संकल्प पत्र निर्माण समिति की बैठक

टीम एक्शन इंडिया
गुरुग्राम, सिरसा (रणबीर खटक)नगर निकाय चुनाव के लिए भाजपा की राज्य संकल्प पत्र निर्माण समिति की पहली बैठक गुरुग्राम स्थित भाजपा कार्यालय गुरुकमल में हुई। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहन लाल बड़ौली की अध्यक्षता में हुई बैठक में संकल्प पत्र निर्माण समिति के सभी पांचों सदस्य मौजूद रहे। बैठक में नगर निकाय चुनाव के लिए पार्टी के संकल्प पत्र को जनहितकारी और विकासोन्मुख बनाने के लिए लगभग दो घंटे तक मंथन चला। बैठक में समिति के अध्यक्ष मंत्री विपुल गोयल, समिति के सदस्य प्रदेश महामंत्री सुरेंद्र पूनिया, प्रदेश उपाध्यक्ष वेदपाल एडवोकेट, पानीपत की मेयर कोमल सैनी, स्वच्छ भारत मिशन के वाइस चेयरमैन सुभाष चंद्र ने अपने-अपने सुझाव रखे।

बैठक के बाद भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली ने पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि पार्टी का संकल्प पत्र आम जनता की आकांक्षाओं और जरूरतों को ध्यान में रखकर तैयार किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि भाजपा हमेशा विकास और पारदर्शिता की राजनीति में विश्वास रखती है। निकाय चुनाव में भी इसी एजेंडे के साथ जनता के बीच जाएगी।

प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि निकाय चुनाव में रहने वाले मुद्दों पर आज की बैठक में विचार किया गया है। दिल्ली में होने वाली चुनाव समिति की आगामी बैठक में संकल्प पत्र के साथ-साथ उम्मीदवारों के नाम व अन्य विषयों पर विस्तृत चर्चा की जाएगी। केंद्र की अनुमति से उम्मीदवारों के नामों की घोषणा कर दी जाएगी।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली ने कहा कि सात स्थानों पर चुनाव होने हैं।

ACTION INDIA

एक्शन इंडिया

RKB GROUP Rakesh Bhardwaj Group

Front Page - 2

एक्शन इंडिया ▸ देहरादून ▸ 19 अप्रैल 2026 ▸ पृष्ठ 08 ▸ आरएनआई: UTTHIN / 2009 / 31653

मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने संघ-भाजपा संतुलन से साधा सियासी भविष्य, सधे कदम से मजबूत की पकड़

टीम एक्शन इंडिया

पटना। सियासत में कभी-कभी एक छोटा-सा दृश्य बड़ा राजनीतिक संदेश बन जाता है और बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने यही कर दिखाया। कार्यकर्ता सम्मान जनता दरबार के दौरान एक मुस्लिम कार्यकर्ता द्वारा दिए गए अंगवस्त्र को उन्होंने सम्मान के साथ गले में डाला, लेकिन टोपी पहनने से इनकार कर दिया। यही एक क्षण अब पूरे राजनीतिक विमर्श के केंद्र में है। यह महज शिष्टाचार या व्यक्तिगत पसंद का मामला नहीं माना जा रहा, बल्कि इसे एक सधे हुए संकट प्रबंधन और गहरे राजनीतिक संकेत के तौर पर देखा जा रहा है। भाजपा के भीतर लंबे समय से जिस संघी चेहरे की कमी को लेकर हल्की असहजता थी, सम्राट चौधरी के इस कदम ने उस खालीपन को काफी हद तक भरने का काम किया है। दरअसल, सम्राट चौधरी सीधे तौर पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की पृष्ठभूमि से नहीं आते, लेकिन बीते कुछ समय में उनके फैसलों, भाषा और सार्वजनिक आचरण में एक स्पष्ट वैचारिक झुकाव दिखाई देने लगा है। राजनीतिक जानकार लव कुमार मिश्र इसे दोहरी संदेश रणनीति बता रहे हैं। उनका मानना है कि यह सामाजिक समावेश का संदेश है, जहां उन्होंने मुस्लिम कार्यकर्ता के सम्मान को स्वीकार किया। वहीं अपने कोर समर्थक वर्ग और संघ के वैचारिक ढांचे को यह भरोसा दिलाया कि मूल लाइन से कोई विचलन नहीं होगा। भाजपा-संघ के रिश्तों के लिहाज से यह क्षण इसलिए भी अहम है, क्योंकि बिहार में संगठन और विचारधारा के बीच संतुलन हमेशा

वैचारिक

- अपने कोर समर्थक वर्ग और संघ के वैचारिक ढांचे को यह भरोसा दिलाया कि मूल लाइन से कोई विचलन नहीं होगा

एक चुनौती रहा है। ऐसे में सम्राट चौधरी का यह कदम न केवल अंदरूनी असंतोष को शांत करने वाला माना जा रहा है, बल्कि उन्हें एक ऐसे नेता के रूप में स्थापित करता है, जो संकेतों की राजनीति को बखूबी समझता है। सम्राट चौधरी अब सिर्फ सत्ता चलाने वाले मुख्यमंत्री नहीं, बल्कि मैसेज पॉलिटिक्स के कुशल खिलाड़ी बन चुके हैं, जो बिना बोले, बिना टकराव, अपने हर कदम से सियासी दिशा तय कर रहे हैं। आने वाले चुनावी दौर में उनका यही संतुलन भाजपा और संघ के समीकरणों को नई धार देगा।

10वीं-12वीं बोर्ड के विद्यार्थियों को द्वितीय अवसर परीक्षा का मिलेगा मौका: मुख्यमंत्री

टीम एक्शन इंडिया

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के कुशल नेतृत्व और स्कूल शिक्षा के क्षेत्र में किए गए नवाचारों के परिणामस्वरूप प्रदेश के बच्चों ने माध्यमिक शिक्षा मंडल की 10वीं एवं 12वीं की बोर्ड परीक्षा में शानदार प्रदर्शन किया है। शासकीय स्तर पर की गई पहल के साथ-साथ यह उपलब्धि विद्यार्थियों और शिक्षकों की कड़ी मेहनत का प्रमाण भी है। इस वर्ष किसी भी छात्र का परीक्षाफल पूरक घोषित नहीं किया गया है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत अब विद्यार्थियों के लिए द्वितीय परीक्षा आयोजित की जा रही है। जो विद्यार्थी अनुपस्थित रहे, अनुत्तीर्ण हुए या अंक सुधारना चाहते हैं, वे निराश न हों, सरकार उनके साथ खड़ी है। "द्वितीय अवसर परीक्षा" 7 से 25 मई तक आयोजित होगी। जनसंपर्क अधिकारी संदीप कपूर ने शनिवार को जानकारी देते हुए बताया कि

राज्य सरकार द्वारा विद्यार्थियों को पिछली बार से अधिक परिश्रम और बेहतर करने के लिए एक मौका और दिया गया है। अनुत्तीर्ण हुए बच्चों के माता-पिता को ऐसे मौके पर अपने बच्चे के साथ खड़े होने और उन्हें हौसला देने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। उन्हें बताया जा रहा है कि आज की असफलता से निराश होने की बिल्कुल आवश्यकता नहीं है। जीवन की राह में छोटी-मोटी असफलताएं हमें और अधिक मजबूत बनाने के लिए आती है। गिरकर संभलने वाला ही असली विजेता कहलाता है। माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा आयोजित की जा रही द्वितीय अवसर परीक्षा में ऐसे छात्र जो मंडल की प्रथम परीक्षा में एक या अधिक विषयों में अनुपस्थित/अनुत्तीर्ण रहे हों, सम्मिलित हो सकेंगे। ऐसे परीक्षार्थी जो किसी विषय में उत्तीर्ण हो गए हों, वे भी अंक सुधारने के लिए द्वितीय अवसर परीक्षा में सम्मिलित हो सकते हैं। परीक्षार्थियों का प्रथम

परीक्षाफल

- अनुपस्थित, अनुत्तीर्ण और अंक सुधारने के इच्छुक विद्यार्थी ले सकेंगे लाभ22 अप्रैल तक आवेदन, 7 से 25 मई तक आयोजित होगी परीक्षा

एवं द्वितीय अवसर में से जो भी श्रेष्ठ परिणाम होगा, वह अंतिम रूप से मान्य रहेगा।

प्रायोगिक विषयों में किसी छात्र को प्रायोगिक और आंतरिक परीक्षा के केवल अनुत्तीर्ण भाग में शामिल होने की पात्रता होगी। द्वितीय अवसर परीक्षा में परीक्षार्थी को विषय परिवर्तन की अनुमति नहीं होगी। द्वितीय अवसर परीक्षा में शामिल होने के लिए ऑनलाइन आवेदन 22 अप्रैल रात 12 बजे तक एम.पी. ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से भरे जा सकते हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 लागू करने वाले देश का पहला राज्य बना है। प्रदेश में प्राइमरी स्तर पर ड्रॉप आउट रेट शून्य हो गया है। प्रदेश में 369 सर्वसुविधायुक्त सांदीपनी विद्यालय और 730 पीएम श्री स्कूल, शालेय शिक्षा की गुणवत्ता में क्रांतिकारी बदलाव ला रहे हैं। शिक्षा के लिए बजट में 36 हजार 730 करोड़ रुपए का प्रावधान किया है, जो पिछले वर्ष से 11% अधिक है। यह निवेश अगली पीढ़ी के भविष्य को सुरक्षित करने के लिए है। निजी स्कूलों में पढ़ने वाले आर्थिक रूप से कमजोर 8 लाख 50 हजार से अधिक बच्चों की फीस राज्य सरकार भर रही है, ताकि कोई भी बच्चा संसाधनों की कमी के कारण पीछे न रहे।

मुख्यमंत्री का विपक्ष पर हमला, गहलोत ने सरकार की मंशा पर उठाए सवाल

वार-पलटवार

- सरकार को पहले से पता था कि विपक्ष के सहयोग के बिना बिल पास नहीं होगा: गहलोत

टीम एक्शन इंडिया

जयपुर। दिल्ली में संविधान (131वां संशोधन) विधेयक-2026 के पारित न होने की गूंज अब राजस्थान की राजनीति में तेज सुनाई देने लगी है। नारी शक्ति वंदन अधिनियम को लेकर संसद में हुए टकराव के बाद भाजपा और कांग्रेस आमने-सामने आ गई हैं और प्रदेश में इसे लेकर सियासी माहौल गर्म हो गया है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने इस मुद्दे पर कड़ा रुख अपनाते हुए सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर पोस्ट लिखकर विपक्षी दलों पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि संसद में जो हुआ, वह लोकतंत्र के लिए शर्मनाक है। उन्होंने कांग्रेस, सपा, टीएमसी और डीएमके पर निशाना साधते हुए इसे नारी शक्ति के अधिकारों पर प्रहार बताया और कहा कि देश की महिलाएं आने वाले चुनावों में इसका जवाब देंगी। वहीं, पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने केंद्र सरकार की मंशा पर सवाल उठाए। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार को पहले से पता था कि विपक्ष के सहयोग के बिना बिल पास नहीं होगा, फिर भी सर्वदलीय बैठक नहीं बुलाई गई। गहलोत ने कहा कि यह विधेयक परिसीमन के मुद्दे से जुड़ा था, जिससे विपक्ष को निशाना बनाने की आशंका थी। वरिष्ठ भाजपा नेता वसुंधरा राजे ने भी विपक्ष पर हमला बोलते हुए कहा कि यह करोड़ों महिलाओं के सपनों पर आघात है। उन्होंने कहा कि महिलाओं को निर्णय प्रक्रिया में भागीदार बनाने की दिशा में यह बड़ा कदम था, जिसे विपक्ष ने रोकने का प्रयास किया। इसी क्रम में उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने भी विपक्ष की कड़ी आलोचना की। उन्होंने कहा कि महिलाओं को सशक्त बनाने के इस ऐतिहासिक अवसर को विपक्ष ने राजनीतिक कारणों से खो दिया और देश की महिलाएं इसे कभी नहीं भूलेंगी।

'इंडी गठबंधन ने ताकत दिखाई और परिसीमन विधेयक रूक गया'

टीम एक्शन इंडिया

कोलकाता। तृणमूल कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव और लोकसभा सांसद अभिषेक बनर्जी ने शनिवार को दावा किया कि विपक्षी इंडी गठबंधन ने एकजुट होकर केंद्र सरकार के संवैधानिक संशोधन प्रयासों को रोक दिया। उन्होंने स्पष्ट कहा कि महिला आरक्षण विधेयक नहीं, बल्कि परिसीमन विधेयक को रोका गया है। विधानसभा चुनाव के मद्देनजर मुर्शिदाबाद में पार्टी प्रत्याशियों के समर्थन में आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए अभिषेक बनर्जी ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) चाहकर भी संविधान नहीं बदल पाएगी। उन्होंने कहा कि विपक्षी दलों की एकता के कारण केंद्र सरकार अपने प्रस्ताव को पारित नहीं करा सकी। इससे पहले अभिषेक बनर्जी ने फरक्का और सामशेरगंज विधानसभा क्षेत्रों में रोड शो किया। अल-अमान शिक्षा मिशन मैदान से फरक्का के जिगरी मोड़ तक निकाले गए रोड शो में बड़ी संख्या में समर्थक उमड़े। सड़क किनारे ही नहीं, घरों की छतों और बालकनियों पर भी लोगों की भीड़ देखी गई। रोड शो के बाद आयोजित सभा में उन्होंने कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी और आम जनता उन्नयन पार्टी के संस्थापक हुमायूं कबीर पर निशाना साधा। बाद में

केंद्र पर हमला

- विपक्षी इंडी गठबंधन ने एकजुट होकर केंद्र सरकार के संवैधानिक संशोधन प्रयासों को रोक दिया

लालबाग सिंही उच्च विद्यालय मैदान में तृणमूल प्रत्याशी शाओनी सिंह राय के समर्थन में आयोजित सभा में उन्होंने भाजपा और कांग्रेस दोनों पर हमला बोला। अभिषेक बनर्जी ने कहा कि केंद्र सरकार देश को बांटने की राजनीति कर रही थी, लेकिन तृणमूल कांग्रेस और विपक्षी दलों ने मिलकर उसे विफल कर दिया। संविधान को बदलने नहीं दिया गया और यही जनता की ताकत है। उन्होंने प्रभावित लोगों को भरोसा दिलाते हुए कहा कि जिन लोगों के नाम हटे हैं, उन्हें जल्द पहचान पत्र उपलब्ध कराया जाएगा।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने ऋषिकेश से चारधाम यात्रा 2026 का किया शुभारंभ

टीम एक्शन इंडिया

ऋषिकेश। उत्तराखंड की प्रतिष्ठित चारधाम यात्रा 2026 का शनिवार को ऋषिकेश से विधिवत शुभारंभ हुआ। इस अवसर पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने संयुक्त रोटेशन यात्रा व्यवस्था समिति की ओर से आयोजित कार्यक्रम में चारधाम जाने वाली बसों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। उन्होंने देशभर से आए श्रद्धालुओं का स्वागत करते हुए कहा कि चारधाम यात्रा आस्था, साधना और आत्मिक ऊर्जा का संगम है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार का संकल्प है कि

चारधाम यात्रा सुगम, सुरक्षित, सुव्यवस्थित और दिव्य हो। उन्होंने श्रद्धालुओं से यात्रा मार्ग और धार्मिक स्थलों पर स्वच्छता बनाए रखने की अपील करते हुए कहा कि देवभूमि की पवित्रता को बनाए रखना सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में राज्य में ग्रीन चारधाम यात्रा और प्लास्टिक मुक्त केदारनाथ धाम का लक्ष्य

आस्था

- धामी ने आयोजित कार्यक्रम में चारधाम जाने वाली बसों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया

निर्धारित किया गया है। साथ ही यात्रा मार्गों पर डस्टबिन की अनिवार्यता और नियमित सफाई व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि ऑल वेदर रोड, दिल्ली-देहरादून इकोनॉमिक कॉरिडोर, रोपवे परियोजनाएं और धामों में पुनर्निर्माण कार्यों से यात्रा सुविधाओं में बड़ा सुधार हुआ है। उन्होंने यात्रियों से स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देने की भी अपील की। मुख्यमंत्री ने यात्रा मार्ग पर श्रद्धालुओं के लिए लगाए गए निशुल्क स्वास्थ्य शिविर का भी स्थलीय निरीक्षण किया। इस मौके पर कैबिनेट मंत्री सुबोध उनियाल ने कहा कि सरकार यात्रियों की सुविधा और स्वास्थ्य को लेकर पूरी तरह संवेदनशील है। उन्होंने बताया कि केदारनाथ में अस्पताल तैयार है, जबकि बद्रीनाथ में 50 बेड का अस्पताल जून तक तैयार हो जाएगा।

ऐतिहासिक धरोहरों का संरक्षण हम सबकी जिम्मेदारी: दीया कुमारी

टीम एक्शन इंडिया

जयपुर। विश्व धरोहर दिवस के अवसर पर राजस्थान की उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने प्रदेशवासियों को शुभकामनाएं देते हुए राज्य की समृद्ध ऐतिहासिक धरोहर पर गर्व व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि राजस्थान में अनेक ऐतिहासिक स्थल मौजूद हैं, जो हमारी समृद्ध संस्कृति और विरासत की पहचान हैं। यह धरोहरें न केवल प्रदेश बल्कि देश की भी गौरवशाली पहचान है, जिन्हें सहेजना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि इन

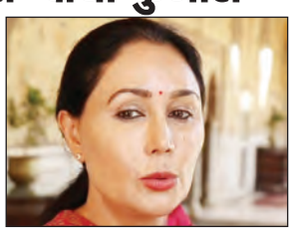

ऐतिहासिक स्थलों का संरक्षण आवश्यक है, ताकि आने वाली पीढ़ियां भी इनके महत्व और गौरव को समझ सकें। उन्होंने प्रदेश के नागरिकों से अपील की कि वे इन धरोहरों के संरक्षण में सक्रिय भागीदारी निभाएं और उनके प्रति सम्मान का भाव बनाए रखें।

महिला आरक्षण नहीं चाहते सपा व कांग्रेस: केशव प्रसाद

साधा निशाना

- ये दल नहीं चाहते कि देश की भलाई में महिलाओं की बराबर भागीदारी हो: केशव प्रसाद मौर्य

टीम एक्शन इंडिया

लखनऊ। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता व उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि कांग्रेस और सपा ने महिला आरक्षण बिल के विरोध में लोकसभा में वोट करके साफ जता दिया है कि वे लोकसभा व

विधानसभाओं में महिला आरक्षण नहीं चाहते हैं। ये दल पुरुषवादी सोच की गिरफ्त में हैं और नहीं चाहते कि देश की भलाई में महिलाओं की बराबर भागीदारी हो। लेकिन इन दलों को भलीभांति समझ लेना चाहिए कि भाजपा महिला आरक्षण के लिए प्रतिबद्ध है और इसे लागू करके रहेगी। उपमुख्यमंत्री ने अपने सोशल मीडिया एकाउंट एक्स पर लिखा कि सपा कांग्रेस को बेहतर तरीके से यह बात समझ लेनी चाहिए कि नारी शक्ति का आक्रोश दोनों महिला विरोधी दलों को आने वाले सालों में महंगा पड़ने वाला है। इसमें कोई शक नहीं कि वर्ष 2029 में कांग्रेस हाफ और वर्ष 2027 में यूपी में सपा साफ हो जाएगी। मुंगेरीलाल के हसीन सपने अब सपा बहादुर के हसीन सपने हो गए हैं जो किसी भी हालत में पूरे होने वाले नहीं हैं। ब्रजेश पाठक ने शनिवार को कहा कि लोकसभा में "नारी शक्ति वंदन अधिनियम" के लिए आवश्यक संविधान संशोधन बिल को कांग्रेस, टीएमसी और समाजवादी पार्टी ने पारित नहीं होने दिया। देश की आधी आबादी, लगभग 70 करोड़ महिलाओं को विपक्ष द्वारा धोखा दिया गया है।

बिहार विधानसभा का विशेष सत्र 24 अप्रैल को, सम्राट चौधरी साबित करेंगे बहुमत

टीम एक्शन इंडिया

पटना। बिहार विधानसभा का दूसरा सत्र आगामी 24 अप्रैल 2026 को बुलाया गया है। इस संबंध में विधानसभा सचिवालय ने आधिकारिक अधिसूचना जारी कर दी है। यह सत्र केवल एक दिन का होगा और सुबह 11 बजे विधानसभा परिसर में आयोजित किया जाएगा। राजनीतिक दृष्टि से यह सत्र बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है, क्योंकि नई सरकार को इसी दिन सदन में अपना बहुमत साबित करना होगा। विधानसभा सचिवालय द्वारा जारी आह्वान-पत्र में सभी विधायकों से समय पर सदन में उपस्थित रहने का अनुरोध किया गया है। साथ ही यह स्पष्ट किया गया है कि कार्यवाही

निर्धारित समय पर शुरू होगी और सभी सदस्यों की उपस्थिति अनिवार्य है। इस विशेष सत्र में नई सरकार के गठन से जुड़े कई अहम कार्य पूरे किए जाएंगे। इसमें विधानसभा अध्यक्ष (स्पीकर) का चुनाव, बहुमत परीक्षण और अन्य जरूरी प्रक्रियाएं शामिल हैं। सम्राट चौधरी के मुख्यमंत्री बनने के बाद यह पहला विधानसभा सत्र होगा, जिसमें वे सदन में मुख्यमंत्री के रूप में उपस्थित रहेंगे। उनके साथ उपमुख्यमंत्री विजय चौधरी और विजेंद्र यादव भी पहली बार इस भूमिका में नजर आएंगे। उल्लेखनीय है कि नीतीश कुमार के मुख्यमंत्री पद छोड़ने के बाद 15 अप्रैल को सम्राट चौधरी ने

अधिसूचना

- यह सत्र केवल एक दिन का होगा और सुबह 11 बजे विधानसभा परिसर में आयोजित किया जाएगा

मुख्यमंत्री पद की शपथ ली थी, जबकि विजय चौधरी और विजेंद्र यादव को उपमुख्यमंत्री बनाया गया। संविधान और संसदीय परंपरा के अनुसार, जब भी नई सरकार बनती है या मुख्यमंत्री बदलता है, तो उसे सदन में फ्लोर टेस्ट (बहुमत परीक्षण) के जरिए यह साबित करना होता है कि उसके पास विधायकों का पर्याप्त समर्थन है। बिहार के 243 सदस्यीय विधानसभा में बहुमत के लिए 122 विधायकों का समर्थन आवश्यक होता है। वर्तमान स्थिति में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के पास स्पष्ट बहुमत है, जिससे सम्राट चौधरी सरकार को बहुमत साबित करने में किसी प्रकार की बाधा आने की संभावना कम है।

विधानसभा में दलीय स्थिति: राजग गठबंधन के अंतर्गत भारतीय जनता पार्टी -89, जनता दल (यूनाइटेड) - 85, लोक जनशक्ति पार्टी (राम विलास) - 19, हिंदुस्तानी अवाम मोर्चा - 5, राष्ट्रीय लोक मोर्चा - 4। कुल मिलाकर राजग को लगभग 201-202 विधायकों का समर्थन प्राप्त है।

बंगाल में मारवाड़ी वोट बैंक साधने उतरे सीएम, कालीघाट मंदिर में पूजा से की चुनावी शुरूआत

टीम एक्शन इंडिया

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने पश्चिम बंगाल में चुनावी अभियान की शुरूआत आस्था के साथ करते हुए शनिवार को कालीघाट काली मंदिर में पूजा-अर्चना की। उन्होंने मां काली के दर्शन कर प्रदेश की सुख-समृद्धि और चुनाव में पार्टी की जीत की कामना की। मंदिर परिसर में इस दौरान स्थानीय कार्यकर्ताओं और श्रद्धालुओं की भारी भीड़ देखने को मिली। मुख्यमंत्री ने विधि-विधान से पूजा कर चुनावी अभियान के सफल संचालन का आशीर्वाद लिया।

पूजा के बाद मुख्यमंत्री ने कोलकाता में अपने चुनावी कार्यक्रमों की शुरूआत की। मुख्यमंत्री ने कोलकाता के इस्कॉन हाउस में प्रवासी राजस्थानियों से भी मुलाकात की और राजस्थान प्रवासी सम्मेलन को संबोधित किया।